* ओड़िशा संस्करण
www.epaper.azadsipahi.in

20 जुलाई, 2025
श्रावण, कृष्ण पक्ष, दशमी
संवत 2082
पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹3.00

कलम कलम बढ़ाये जा
आजाद सिपाही

रांची
रविवार, वर्ष 10, अंक 270

जान जोखिम में डालकर बच्चे जा रहे स्कूल : बाबूलाल

FLORENCE
GROUP OF INSTITUTIONS
(A Unit of :Haji Abdur Razzaque Educational Society)
ADMISSION OPEN
COLLEGE OF NURSING
2 YEARS M.Sc. Nursing
2 YEARS Post Basic B. Sc. Nursing
4 YEARS B.Sc. Nursing
3 YEARS GNM (General Nursing And Midwifery)
2 YEARS ANM (Auxiliary Nurshing And Midwifery)
COLLEGE OF PARA MEDICAL SCIENCE
4 YEARS BMLT
2 YEARS DMLT
2 YEARS OT ASSISTANT
2 YEARS ECG
2 YEARS OPHTHALMIC ASST.
2 YEARS CRITICAL CARE (ICU)
2 YEARS RADIO-IMAGING
2 YEARS ANESTHESIA TECH.
1 YEARS DRESSERS
COLLEGE OF PHARMACY
2 YEARS D-PHARM
4 YEARS B-PHRRM
Separate Hostel For Boys & Girls
9031231082, 7903999411, 6205145470
E-mail: fsnirba@gmail.com
Website: www.florenceinstirba.com

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने दी तीन बड़ी सड़क परियोजनाओं की मंजूरी

रांची में बनेंगे तीन फ्लाइओवर

- जमशेदपुर, डालटनगंज और अन्य शहरों में भी ट्रैफिक सुधार की योजनाएं बनाने का दिया निर्देश

अजाद सिपाही संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने रांची समेत झारखंड के अन्य प्रमुख शहरों में यातायात व्यवस्था को सुचारू और आधुनिक बनाने की दिशा में तीन महत्वपूर्ण सड़क परियोजनाओं को मंजूरी दे दी है। इन परियोजनाओं की विस्तृत प्रस्तुति पथ निर्माण विभाग के प्रधान सचिव सुनील कुमार ने मुख्यमंत्री के समक्ष दी गयी। हेमंत सोरेन ने डीपीआर तैयार कर जल्द परियोजनाओं को धरातल पर उतारने का निर्देश दिया है। साथ ही अन्य प्रमुख शहरों में भी यातायात सुधार के उपाय सुनिश्चित करने के निर्देश दिये।

रांची को मिली सौगात: मुख्यमंत्री ने अरगोड़ा चौक-कटहल मोड़-चापू टोली एलिवेटेड फ्लाइओवर की मंजूरी दी। सड़क के दोनों ओर ड्रेनेज और यूटिलिटी डक्ट बनाये जायेंगे। नीचे की सड़क का सौंदर्यीकरण किया जायेगा। फ्लाइओवर पर पूर्ण प्रकाश व्यवस्था और दोनों किनारों पर नॉइज बैरियर लगेगा। इसके बनने से अरगोड़ा से चापू टोली तक व्यस्त यातायात से राहत मिलेगी और सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित होगी। वहीं, दूसरा करमटोली-मोराबादी-साइंस सिटी तक फ्लाइओवर बनेगा। साथ ही रिंग रोड तक फोर लेन होगा। इसके बनने से राजधानी के व्यस्त मार्गों पर जाम की समस्या में कमी आएगी और आवाजाही तेज होगी। इसके अलावा रांची रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक वैकल्पिक फोर लेन सड़क बनेगी। दोनों ओर फुटपाथ और कवर्ड साइकिल ट्रैक होगा। ट्रैक के ऊपर सोलर पैनल, जिससे सड़क रोशन रहेगी। ग्रीनफील्ड कॉरिडोर, गजीबो, बैठने की बेंच और प्राथमिक सुविधाएं होंगी। इसके बनने से एयरपोर्ट तक जाने के लिए वैकल्पिक तेज रफ्तार मार्ग उपलब्ध होगा। हटिया, डोरंडा, हीनू और एचइसी क्षेत्र के लोगों को रांची रेलवे स्टेशन तक त्वरित और सुगम पहुच होगी।

अन्य परियोजनाओं पर विचार: मुख्यमंत्री ने हरमू मुक्ति धाम से रेडिशन ब्लू तक फ्लाईओवर और हिनू पुल से जगन्नाथपुर तक स्वर्णरेखा नदी पर फ्लाइओवर जैसे अन्य प्रस्तावों पर भी विचार करने की बात कही है।

आर्थिक और सामाजिक लाभ: इन परियोजनाओं से न केवल ट्रैफिक जाम की समस्या कम होगी, बल्कि स्थानीय रोजगार, निवेश और औद्योगिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने समयबद्ध क्रियान्वयन और नियमित समीक्षा का निर्देश देते हुए कहा कि यह पहल झारखंड को आधुनिक और विकसित राज्य बनाने की दिशा में एक अहम कदम है।

जमशेदपुर-साकची फ्लाइओवर बनने से जाम से मिलेगी निजात

मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि रांची की तर्ज पर जमशेदपुर, डालटनगंज और अन्य शहरों में भी ट्रैफिक सुधार की योजनाएं बनाई जाएं। इसके तहत जमशेदपुर-साकची सिटी फ्लाइओवर परियोजना (लंबाई 2.54 किमी) जाम की समस्या से राहत देगा। वहीं, डालटनगंज-गढ़वा वैकल्पिक कॉरिडोर से चारों दिशाओं को जोड़ने वाला गोलाकार एलिवेटेड कॉरिडोर, ट्रैफिक संतुलन में मदद करेगा। एनएचएआइ के ट्रांजिशन पॉइंट्स पर सुधार से रामगढ़, डालटनगंज, बरकाकाना जैसे स्थानों पर सुरक्षा और जंक्शन सुधार पर जोर दिया।

अरगोड़ा चौक-कटहल मोड़-चापू टोली एलिवेटेड फ्लाइओवर
- फ्लाइओवर की लंबाई: 1.75 किलोमीटर
- फ्लाइओवर की चौड़ाई: 10 मीटर
- नीचे की सड़क: 7 मीटर

करमटोली-मोराबादी-साइंस सिटी फ्लाइओवर एवं रिंग रोड तक फोर लेन
- फ्लाइओवर की लंबाई: 2.2 किलोमीटर
- फ्लाइओवर की चौड़ाई: 10 मीटर
- फोर लेन सड़क लंबाई : 5 किलोमीटर (साइंस सिटी से रिंग रोड तक)

रांची रेलवे स्टेशन से एयरपोर्ट तक वैकल्पिक फोर लेन सड़क
- सड़क की लंबाई: 4.7 किलोमीटर
- एलिवेटेड रोड: 800 मीटर

SACRED CHILD ACADEMY
PLAY SCHOOL
Pre Nursery
KG - I
Nursery
KG - II
ADMISSION OPEN

Tiril Road, Kokar, Ranchi
9661169815

संसद का मानसून सत्र 21 से, होगा हंगामेदार

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। संसद का मानसून सत्र सोमवार 21 जुलाई से शुरू होने वाला है। पहले यह सत्र 12 अगस्त तक चलने वाला था, अब इसे बढ़ा दिया है। सत्र 21 अगस्त तक चलेगा और इस दौरान दोनों सदनों की कुल 21 बैठकें होंगी। सरकार की तरफ से इस सत्र में कई विधेयक पेश किए जायेंगे। इसमें से कुछ मुद्दे ऐसे है जिस पर हंगामा हो सकता है। इसमें पहलगाम से लेकर बिहार में मतदाता सूची के पुनरीक्षण तक कई मुद्दे शामिल है। इस एक महीने लंबे सत्र के लिए विपक्ष ने पूरी तैयारी कर ली है। विपक्ष सरकार को विभिन्न मुद्दों पर घेरने की पूरी तैयारी में है। इसे लेकर इंडिया गठबंधन की बैठकें जारी हैं। हालांकि इस गठबंधन में तृणमूल कांग्रेस और आप जेसी कुछ पार्टियां शामिल नहीं हो रही हैं, फिर भी वे सरकार से तीखे सवाल पूछने को तैयार हैं। उधर, सरकार भी विपक्ष के सवालो का जवाब देने की तैयारी कर रही है।

ऑपरेशन सिंदूर पर ट्रंप के बयान बनेगा मुद्दा: विपक्ष ने ऑपरेशन सिंदूर के मुद्दे को प्रमुखता से उठाने का मन बनाया है। खासकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस संबंध में दिये गये बयानों को लेकर। ट्रंप ने कई बार दावा किया है कि उन्होंने भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध विराम करवाया था। राहुल गांधी पहले ही 'नरेंद्र सरेंडर' जैसा बयान दे चुके हैं। विपक्ष इस मुद्दे पर सरकार को पूरी तैयारी के साथ घेरने की कोशिश करेगा। विदेश मंत्री जयशंकर के सीजफायर पर दिये गये बयान को लेकर भी विपक्ष उन्हें कटघरे में खड़ा करने की कोशिश करेगा।

सहायक आचार्य के गणित और विज्ञान का रिजल्ट जारी

रांची (आजाद सिपाही)। झारखंड प्रारंभिक विद्यालय प्रशिक्षित सहायक आचार्य संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 का रिजल्ट जारी होना शुरू हो गया है। शुक्रवार की देर रात गणित और विज्ञान विषय का रिजल्ट जारी कर दिया गया। लगभग 1600 अभ्यर्थियों का रिजल्ट जारी हुआ है, जबकि झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) ने सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन में 2734 अभ्यर्थियों को बुलाया था। गणित और विज्ञान विषय में 5008 पदों के लिए सिर्फ 2734 अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, इसमें से सिर्फ 1600 का ही रिजल्ट जारी हुआ है। शेष अभ्यर्थी जिनका सर्टिफिकेट वेरीफिकेशन हो चुका है, उनके रिजल्ट के बारे में आयोग द्वारा कोई सूचना नहीं दी गयी है। इससे अभ्यर्थियों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बताते चलें कि जेएसएससी ने झारखंड हाइकोर्ट में शपथ पत्र दायर किया था कि सहायक आचार्य परीक्षा के गणित और विज्ञान का रिजल्ट जुलाई में जारी होगा।

हिंदूवादी नेता भैरव सिंह गिरफ्तार

- रांची में चुटिया पुलिस की कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। चुटिया थाना क्षेत्र में पार्किंग ठेकेदारी को लेकर हुए विवाद और मारपीट मामले में पुलिस ने सख्त कार्रवाई करते हुए हिंदूवादी नेता भैरव सिंह को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना ने बीते कुछ दिनों से रांची में राजनीतिक और सामाजिक हलकों में चर्चा को तेज कर दिया था। घटना रांची के सुजाता चौक के पास स्थित बिग बाजार इलाके की बताई जा रही है, जहां पार्किंग ठेके को लेकर दो पक्षों के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि सड़क पर ही मारपीट की नौबत आ गयी। इस मामले में भैरव सिंह को नामजद आरोपी बनाया गया था। पुलिस ने मामले की छानबीन के बाद आरोपी भैरव सिंह को पंडरा इलाके से गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के बाद भैरव सिंह को मेडिकल जांच के लिए रांची सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां आवश्यक प्रक्रिया पूरी करने के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। कोर्ट के आदेश के बाद भैरव सिंह को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। चुटिया थाना प्रभारी ने बताया कि यह कार्रवाई कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपराधिक गतिविधियों पर लगाम लगाने के उद्देश्य से की गयी है। पुलिस आगे भी इस मामले से जुड़े अन्य आरोपियों की तलाश में जुटी हुई है।

Euro Kids Pre-School
EUROKIDS GLOBAL SCHOOL
CBSE PATTERN
Play Group | Nursery | Euro Jonior (LKG) | Euro Senior (UKG)
AGE GROUP 1.8 TO 6 YEARS
OFFERS YOU
Class 1 | Class 2 | Class 3 | Class 4 | Class 5

ADMISSION OPEN
KOKAR RIMS ROAD, TUNKI TOLA, RANCHI
7903079507, 8092334348

SYMBIOSIS PUBLIC SCHOOL
(Affiliated to Central Board of Secondary Education, New Delhi) upto 10+2
NH-33, Near Toll Gate, Bundu, Ranchi-835204 JHARKHAND
TEACHERS REQUIREMENT
PGT (IX -XII) :-MATHEMATICS,ACCOUNTS, BUSINESS STUDIES.
QUALIFICATION: Post Graduate with B.Ed.
PGT (IX -XII) :-COMPUTER SCIENCE
QUALIFICATION: MCA
PGT (IX -XII) :-PHYSICAL EDUCATION
QUALIFICATION: Masters Degree in Physical Education
TGT (VI -VIII) :- HINDI,SCIENCE,MATHEMATICS
QUALIFICATION : Graduate in respective subjects with B.Ed.
WELLNESS TEACHER : Post Graduate in Psychology
SPECIAL EDUCATORS : Post Graduate or Diploma in Special Education
LIBRARIAN: B.lib /M.lib with expertise in using library software.
NOTE :-
- Candidates should have at least 2 years of experience in a reputed CBSE/ICSE School.
- Freshers with exceptional academic record may apply.
- Only shortlisted candidates will be called for the interview and demonstration classes.
Interested candidates should Email their detailed resume along with hand written application and recent passport size photograph to symbiosisbundu@gmail.com latest by 27th July '2025.
ADMISSION OPEN
FOR CLASS XI | LIMITED SEATS
Contact No : 9835108162

YBN UNIVERSITY
Ranchi, Jharkhand
Ph.D. Admission Notification-2025
This is for the information of all concerned that the Y.B.N. University, Ranchi (Jharkhand) has scheduled to conduct YBNU-Ph.D. Entrance Test - 2025 (Research Eligibility Test) in the Schools of Agriculture, Arts & Humanities, Science, Commerce & Management, Computer Science & IT, Engineering & Technology, Law, Pharmacy and Education on 12th August 2025. The Prospectus and seat matrix (including Application Form) for the above-mentioned entrance test is available on University website: https://www.ybnu.ac.in/ To apply, please visit the website https://www.ybnu.ac.in/ Contact Information: For any queries, please contact the Admission Cell at: 70612 61557, 97095 00400
Sd/-
Controller of Examinations
Y.B.N. University
Ranchi (Jharkhand)
Note : Y.B.N. University, Ranchi, is accepting rolling applications for faculty positions across all its Schools and Colleges. Candidates will be invited for interviews as vacancies arise. Interested applicants can apply online by submitting their applications with all supportive documents as per UGC guidelines to hr@ybnu.ac.in.

राष्ट्रपति देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी

- 31 जुलाइ को आयेंगी, प्रशासन ने शुरू की तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 31 जुलाई को देवघर आयेंगी। वह देवघर एम्स में आयोजित होने वाले पहले दीक्षांत समारोह में शामिल होंगी। राष्ट्रपति के आगमन को लेकर जिला प्रशासन और एम्स प्रबंधन ने तैयारियां शुरू कर दी है। देवघर एम्स का यह पहला दीक्षांत समारोह है, जिसे भव्य और ऐतिहासिक बनाने की तैयारियां की जा रही हैं। कार्यक्रम का आयोजन एम्स के ऑडिटोरियम में होगा, जहां लगभग एक हजार लोगों के बैठने की व्यवस्था है। एम्स प्रबंधन ने सभी अधिकारियों को उनकी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं, और तैयारियां पूरे जोर-शोर से चल रही हैं।

48 छात्रों को मिलेगी डिग्री, चार को मेडल: दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू 48 छात्रों को डिग्री प्रदान करेंगी। इनमें से चार मेधावी छात्रों को विशेष सम्मान मिलेगा, जिसमें एक छात्र को गोल्ड मेडल, एक को सिल्वर मेडल, एक को ब्रॉन्ज मेडल और एक अन्य छात्र को डिग्री दी जायेगी। शेष छात्रों को एम्स प्रबंधन और विशिष्ट अतिथियों द्वारा डिग्री वितरित की जायेगी।

मंदिर में पूजा की कोई सूचना नहीं

देवघर में श्रावणी मेला चल रहा है। हर दिन हजारों की संख्या में श्रद्धालु देवघर पहुंच रहे। इस दौरान राष्ट्रपति के अगमन को लेकर प्रशासन विशेष तैयारी में जुटा है। देवघर के एसडीओ रवि कुमार ने बताया कि राष्ट्रपति 31 जुलाई को एम्स के दीक्षांत समारोह में भाग लेंगी। फिलहाल, बाबा बैद्यनाथ मंदिर में पूजा करने को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं मिली है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
Subscribe NOW

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 20 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

रांची की स्वच्छता रैंकिंग में गिरावट को लेकर नगर निगम हुआ सचेत

■ 32वें से 37वें स्थान पर खिसक कर देश का सबसे चौथा गंदा शहर बना रांची

■ नगर की साफ-सफाई की व्यवस्था में सुधार की जरूरत, लोगों का सहयोग भी जरूरी

■ जगह-जगह कुड़ेदान, ठोस कचरा प्रबंधन, सीवरेज-ड्रेनेज की व्यवस्था मजबूत करनी होगी

■ स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग को लेकर नगर विकास विभाग भी गंभीर

■ रैंकिंग जरूर निराशाजनक, लेकिन आने वाले दिनों में जरूर सुधार होगा: नगर निगम

आजाद सिपाही विशेष

दो दिन पहले स्वच्छता सर्वेक्षण 2024-25 के नतीजों ने रांची के साथ-साथ पूरे झारखंड की हकीकत सामने ला दी है। इस नतीजे के अनुसार सर्वेक्षण में शामिल 10 लाख से अधिक आबादी वाली श्रेणी में देश के 40 सबसे गंदे शहरों में झारखंड की राजधानी रांची चौथे स्थान पर है। इस श्रेणी में देश का सबसे गंदा शहर मदुरै है। उसके बाद लुधियाना दूसरा सबसे गंदा शहर है। उसके बाद चेन्नई और रांची का स्थान है। पिछले साल इस सर्वेक्षण में रांची को 32वां स्थान हासिल हुआ था, लेकिन इस बार वह फिसल कर 37वें स्थान पर चला गया। यहां बड़ा सवाल यह उठता है कि साफ-सफाई के मामले में रांची की इस शर्मनाक स्थिति के लिए जिम्मेवार कौन है। क्या इस स्थिति के लिए केवल रांची नगर निगम को जिम्मेवार ठहराया जा सकता है या फिर रांची के आम लोग भी इसके लिए जिम्मेवार हैं। इस सवाल के जवाब में केवल इतना कहा जा सकता है कि रांची नगर निगम के साथ रांची के लोग भी इस स्थिति के लिए जिम्मेवार हैं। रांची की साफ-सफाई की तरफ किसी का भी ध्यान नहीं है। लोग जहां-तहां कचरा फेंकते हैं और नगर निगम भी उसका निपटारा अपने हिसाब से करता है। दुनिया में शायद रांची एकमात्र ऐसा शहर है, जहां कचरा फेंकने के लिए कूड़ेदान नहीं है। कुछ साल पहले शहर में कूड़ेदान दिखता था, लेकिन अब तो यह दिखाई भी नहीं देता। यह सब तब हो रहा है, जब रांची नगर निगम राज्य में टैक्स वसूलने के मामले में पहले स्थान पर है। क्या है रांची में गंदगी का कारण और क्या हो सकता है इसे दूर करने का उपाय, बता रहे हैं **आजाद सिपाही के विशेष संवाददाता राकेश सिंह।**

राकेश सिंह

झारखंड का सिर एक बार फिर शर्म से झुक गया है। राज्य की राजधानी रांची एक बार फिर स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में पिछड़ गयी है। दो दिन पहले राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की उपस्थिति में घोषित स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 के नतीजों में रांची को 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर की श्रेणी में 37वां स्थान मिला। इस साल के सर्वेक्षण में इस श्रेणी में 40 शहर शामिल किये गये थे। नतीजे का मतलब यही है कि रांची देश का चौथा सबसे गंदा शहर है। रांची से नीचे चेन्नई, लुधियाना और मदुरै हैं। झारखंड के लिए संतोष की बात यही रही कि 10 लाख से कम आबादी वाले शहर की श्रेणी में जमशेदपुर को तीसरे सबसे स्वच्छ शहर का खिताब मिला और बुंडू को झारखंड का सबसे स्वच्छ शहर का खिताब हासिल हुआ।

टैक्स कलेक्शन में आगे, पर साफ-सफाई भी करें

हैरानी की बात यह है कि रांची नगर निगम टैक्स कलेक्शन के मामले में राज्य के सभी निकायों से आगे है, लेकिन जब बात साफ-सफाई की आती है, तो तस्वीर एकदम उलटी नजर आती है। रांच नगर निगम द्वारा टैक्स भरपूर वसूला जाता है, लेकिन सफाई के मामले में रांची नगर निगम नाकाम साबित हो रहा है।

इन कारणों से पिछड़ गयी रांची

स्वच्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में रांची के पिछड़ने के कई कारण हैं। यह हैरत की बात है कि पिछले पांच वर्षों से रांची टॉप 30 में भी जगह नहीं बना पा रही है, जबकि रांची शहर की सफाई पर नगर निगम हरेक माह करीब छह करोड़ रुपये खर्च करता है। शहर की सफाई और स्वच्छ पर्यावरण के नाम पर 50 करोड़ रुपये से अधिक खर्च करके विभिन्न मशीनों की खरीदारी की गयी है। शहर में ठोस कचरा प्रबंधन लागू कर दिया गया है। इसके बावजूद शहर से नियमित रूप से कूड़े का उठाव नहीं हो रहा है। सर्वेक्षण की रिपोर्ट के अनुसार रांची में मात्र 58 फीसदी घरों से ही कूड़े का उठाव हो रहा है। जल-मल निकासी के लिए सीवरेज-ड्रेनेज सिस्टम का अभाव है और 40 फीसदी सार्वजनिक शौचालय भी साफ नहीं होते हैं। सफाई व्यवस्था में सुधार लाने के लिए पिछले 24 वर्षों से प्रयास हो रहे हैं, लेकिन परिणाम बेहतर नहीं निकल रहे हैं। साफ-सफाई के मोर्चे पर रांची के पिछड़ने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, लेकिन मुख्य रूप से इसके पीछे कागजी योजना, शून्य कार्यान्वयन और दिखावे की मॉनिटरिंग है। इसके अलावा आम लोगों में साफ-सफाई के प्रति जागरूकता का अभाव और सामूहिक इच्छाशक्ति का नहीं होना भी इसका कारण है।

कूड़ेदान का अभाव

पहले बात कचरा प्रबंधन की। रांची शायद दुनिया का एकमात्र शहर है, जहां कचरा फेंकने के लिए कोई नियत स्थान नहीं है और न ही कूड़ेदान की व्यवस्था है। कुछ साल पहले शहर में कूड़ेदान की व्यवस्था की गयी थी, लेकिन अब यह कहीं भी नजर नहीं आता। इसका नतीजा यह हुआ है कि लोग जहां-तहां कचरा फेंकते हैं और नगर निगम के लोग मनमर्जी के हिसाब से उसे उठाते हैं। इतना ही नहीं, नगर निगम के लोग नाली का कचरा भी सड़क पर ही छोड़ देते हैं, जिससे वह दोबारा नाली में चला जाता है।

सीवरेज-ड्रेनेज का अभाव

शहर के मात्र नौ वार्डों में सीवरेज-ड्रेनेज प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। पिछले एक दशक में मात्र 80 प्रतिशत काम हुआ है। सभी घर सीवर लाइन से नहीं जुड़े हैं। इस पर करीब तीन सौ करोड़ रुपये खर्च हो गये, फिर भी लोगों को फायदा नहीं मिला। शेष बचे 44 वार्डों में सीवरेज-ड्रेनेज का अभी तक डीपीआर ही बना है। काम कब तक शुरू होगा, इसका पता नहीं है।

कागजी योजनाएं

रांची नगर निगम में अब बड़ी-बड़ी कागजी योजनाएं बनती हैं। ठोस कचरा प्रबंधन लागू करने की योजना 13 वर्षों से बन रही है, लेकिन आज तक यह पूरी तरह धरातल पर नहीं उतरी, क्योंकि यह योजना व्यावहारिक नहीं है। कंसल्टेंट योजना बनाकर देते हैं और अफसर उसकी व्यवहारिकता समझे बिना उसे लागू कर देते हैं। इसी का नतीजा है कि साफ-सफाई नहीं दिखती। घरों से नियमित कूड़ा नहीं उठता। फिर भी निगम के कर्मचारी गीला-सूखा कूड़ा अलग नहीं देने वाले घरों से कूड़ा नहीं उठाने की धमकी देते हैं।

शहर की सफाई की निगरानी करें

रांची दुनिया का एकमात्र ऐसा शहर है, जहां नगर निगम की कोई जिम्मेदारी नहीं है। कोई अफसर या कर्मी आम लोगों की न तो शिकायत सुनता है और न सुझाव पर ही ध्यान देता है। कई बार तो साफ-सफाई के लिए निगम कर्मियों और आम लोगों के बीच झगड़े तक हो जाते हैं। इसके साथ साफ-सफाई की निगरानी भी नहीं होती है। कोई ऐसा सिस्टम नहीं है, जहां से पूरे शहर की सफाई की निगरानी की जा सके।

नगर विकास विभाग भी गंभीर

स्वस्छता सर्वेक्षण की रैंकिंग में पिछड़ने को नगर विकास विभाग ने भी गंभीरता से लिया है। राज्य के नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू कहते हैं, हम इस मामले को लेकर नगर निगम के अधिकारियों से बातचीत कर रहे हैं। झारखंड के शहरों को साफ रखने के लिए सरकार के स्तर पर हरसंभव कदम उठाये जायेंगे। इसमें निराश होने की जरूरत नहीं है।

अधिकारी ने कहा, हम लगातार काम कर रहे हैं, मदद करें

इस पूरे मामले पर नगर आयुक्त सुशांत गौरव ने बातचीत की और प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि नगर निगम सफाई व्यवस्था को बेहतर करने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस बार की रैंकिंग जरूर निराशाजनक है, लेकिन आने वाले दिनों में सुधार किया जायेगा। उन्होंने इस मामले में आम लोगों से मदद करने की अपील भी की।

विकास योजनाओं को गति देने के लिए उद्योग सचिव ने दिल्ली में की बैठक

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के दिशा निर्देश पर राज्य में विकास योजनाओं को गति देने के उद्देश्य को लेकर उद्योग सचिव अरवा राजकमल और ज़ियाडा के प्रबंध निदेशक वरुण रंजन ने शनिवार को दिल्ली में विभिन्न संस्थानों के प्रतिनिधियों के साथ अलग-अलग बैठक की।

झारखंड प्रतिनिधिमंडल ने नयी दिल्ली में जापानी अंतरराष्ट्रीय सहयोग एजेंसी (जेआइसीए) इंडिया की अपर मुख्य विकास विशेषज्ञ अदिति पुरी के साथ एक बैठक की। इसमें जेआइसीए ने औद्योगिक विकास, स्वास्थ्य अवसंरचना और कौशल विकास पर झारखंड के कार्यों की सराहना की और रणनीतिक सहयोग की संभावनाओं में गहरी रुचि व्यक्त की।

उद्योग सचिव ने जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेइटीआरओ) इंडिया के मुख्य महानिदेशक सुजुकी ताकाशी से मुलाकात की। जेइटीआरओ ने झारखंड को जापानी निवेशकों से जोड़ने के लिए हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया है। दोनों पक्ष नये निवेश अवसरों को खोलने के लिए आउटरीच कार्यक्रमों पर सहमति बनी है। जबकि एक बैठक नयी दिल्ली स्थित झारखंड भवन में एनइसी कॉरपोरेशन के कॉरपोरेट स्ट्रेटेजी के रयोहेई आइबा के साथ हुई। आइटी सॉल्यूशन, दुर्लभ मृदा खनिज खनन के लिए डिजिटल तकनीकों और एनइसी के सहयोग से एक जापानी भाषा अकादमी की स्थापना में संयुक्त उद्यम के अवसरों की खोज करेगी। एनइसी ने झारखंड की डिजिटल परिवर्तन यात्रा में उसके साथ साझेदारी करने में गहरी रुचि व्यक्त की।

श्रावणी मेला : श्रद्धालुओं की सेवा

गर्मी से राहत देने के लिए शुरू की गयी इंद्र वर्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। बाबानगरी देवघर में राजकीय श्रावणी मेला 2025 कई मायनों में खास है। ऐसे में बाबा बैद्यनाथ की नगरी आने वाले देवतुल्य श्रद्धालुओं को गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से मिस्ट कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है ताकि जलार्पण हेतु कतारबद्ध श्रद्धालुओं को लगातार उमस भरी गर्मी में ठंडक महसूस होती रहे। इसके अलावे मिस्ट कूलिंग सिस्टम का उपयोग जलार्पण हेतु कतारबद्ध श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु संस्कार मंडप के दोनों तलों पर किया गया है। साथ ही नेहरू पार्क होल्डिंग पॉइंट के दोनों पंडाल में मिस्ट कूलिंग सिस्टम का उपयोग किया गया है। इसके अलावे कांवरिया पथ में दुम्मा से खिजुरिया तक गर्मी से राहत प्रदान करने के उद्देश्य से श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु कुल 11 जगहों पर इंद्र वर्षा की व्यवस्था के अलावा आवश्यक अनुसार पानी के फुहारों व छिड़काव की व्यवस्था रुटलाइन में सुनिश्चित की गयी है।

आइएएस पूजा सिंघल के खिलाफ नहीं मिली अभियोजन की स्वीकृति

प्रवर्तन निदेशालय ने अदालत से मांगी अभियोजन की स्वीकृति

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। राज्य सरकार ने मनी लाउंड्रिंग के आरोपी आइएएस अधिकारी पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति नहीं दी है। इडी ने सरकार से मनी लाउंड्रिंग के आरोपों के मद्देनजर अभियोजन स्वीकृति मांगी थी। 120 दिनों बाद भी सरकार से जवाब नहीं मिलने के बाद प्रवर्तन निदेशालय (इडी) ने पिटीशन दायर कर न्यायालय से सरकार की तरफ से जवाब नहीं मिलने को अभियोजन स्वीकृति मानने का अनुरोध किया है।

इडी ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में करीब पांच महीना पहले राज्य सरकार से पूजा सिंघल के खिलाफ अभियोजन स्वीकृति मांगी थी। नवंबर 2024 से पहले तक मनी लाउंड्रिंग के आरोप में

किसी अधिकारी के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार से अभियोजन स्वीकृति लेने की जरूरत नहीं होती थी।

इस मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका दायर की गयी थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर सुनवाई के बाद नवंबर 2024 में दिये गये फैसले में सरकारी अधिकारियों के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए सरकार की अनुमति को आवश्यक बताया था।

इडी ने सुप्रीम कोर्ट के इसी फैसले के आलोक में पूजा सिंघल के खिलाफ राज्य सरकार से मुकदमा चलाने की अनुमति मांगी थी। लेकिन सरकार ने चार महीना गुजर जाने के बावजूद पूजा सिंघल के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति नही दी थी। इसके बाद इडी की ओर से ट्रायल कोर्ट में एक पिटीशन दायर किया गया। कोर्ट में दायर पिटीशन में कहा गया है कि सरकार ने निर्धारित 120 दिनों के भीतर अभियोजन स्वीकृति नहीं दी है। इडी की ओर से ट्रायल कोर्ट से यह अनुरोध किया गया है कि सरकार की चुप्पी को अभियोजन स्वीकृति मानी जाये। इसके लिए इडी की ओर से सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिये गये कई दिशा निर्देशों को बतौर उदाहरण पेश किया गया है।

आजाद सिपाही | झारखंड में सबसे ज्यादा देखा जाने वाला चैनल
200000 Subscribers
VIEWERSHIP 5 Crore 90 lakh+
12 Crore + Watch Time (min)
YouTube Channel
1 Channel
आजाद सिपाही Subscribe NOW

वेदर

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	31.8 °c	23.0 °c
सूर्यास्त (आज) :		18.37 बजे
सूर्योदय (कल) :		05.13 बजे

हाइकोर्ट ने कांग्रेस-झामुमो गठबंधन को मारा है जोरदार तमाचा : बाबूलाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर मुद्दों को लेकर कई अटैक किये गये हैं। पहला उन्होंने नगर निकाय चुनाव को लेकर सवाल खड़े किये हैं। सोशल मीडिया पोस्ट पर लिखा है कि नगर निकाय चुनाव नहीं कराने के कारण हाइकोर्ट ने कांग्रेस-झामुमो गठबंधन को जोरदार तमाचा मारा है। राज्य के कई नगर निकायों का कार्यकाल पांच वर्ष पूर्व ही समाप्त हो चुका है। बीते दो साल से अधिक समय से पूरे प्रदेश में नगर निकायों को सिर्फ प्रशासकों के भरोसे चलाया जा रहा है।

नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार छीन लिया : परिवारवाद की राजनीति करने वाली कांग्रेस-झामुमो ने शहरी क्षेत्र के नागरिकों का लोकतांत्रिक अधिकार छीन कर उन्हें बुनियादी नागरिक सुविधाओं से वंचित कर दिया है। स्वच्छता नहीं होने के कारण नालियां बजबजा रही हैं, चारों ओर गंदगी का अंबार लगा हुआ है, सड़कें क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं फिर भी राजनीतिक कुंठा में सरकार निकाय चुनाव नहीं करा रही है। लोकतंत्र का गला घोंटने वाली इस सरकार को जनता कभी माफ नहीं करेगी।

झारखंड सरकार संविधान पर कर रही हमला : नेता प्रतिपक्ष ने कहा है कि झारखंड सरकार संविधान पर हमला कर रही है और रूल ऑफ लॉ का गला घोंट रही है। ये वक्तव्य झारखंड हाइकोर्ट का है। हाइकोर्ट ने 4 जनवरी 2025 को अधिसूचना जारी करके सरकार को नगर निकाय चुनाव तीन हफ़्ते के भीतर कराने का निर्देश दिया था। आज 19 जुलाई है, ना चुनाव करवाये गये ना ही कोर्ट से मांगे गये चार माह के समय में चुनाव की कोई तैयारियां की गयीं।

इस तरह हाईकोर्ट के आदेश की अवहेलना करना दिखाता है कि राज्य सरकार न्यायपालिका का कितना सम्मान करती है। जब कोर्ट ने वापस इस मुद्दे पर सरकार से जवाब मांगा तो बहाना दिया गया कि राज्य निर्वाचन आयोग की नियुक्ति नहीं की गयी है। मुख्यमंत्री लोकतंत्र और संविधान के हर संस्थान को अपने अधीन रखकर उसे नियंत्रित करना चाहते हैं।

डीजीपी की नियुक्ति पर खड़े किये सवाल

लोकतंत्र की आत्मा के खिलाफ यह सरकार का कोई पहला काम नहीं है, डीजीपी की नियुक्ति से लेकर स्थानीय निकायों में चुनाव कराने तक सरकार ने संविधान के नियमों के साथ खिलवाड़ किया है, उन्हें तोड़ मरोड़ कर अपने राजनीतिक हित के लिए प्रयोग किया है। हर संवैधानिक संस्था को मृतप्राय कर देने का षड्यंत्र रचा है, ताकि सरकार द्वारा किये जा रहे अन्याय व अत्याचार के विरुद्ध आवाज उठाने की कोई संभावना ही ना रहे। सरकार कितनी भी कोशिश कर ले, इस तानाशाही का अंत निश्चित है। इंदिरा गांधी ने भी संविधान की हत्या और लोकतांत्रिक संस्थाओं को नियंत्रित करने का प्रयास किया था, परंतु उस आपातकाल के काले अध्याय का अंत कैसा हुआ, राज्य सरकार को याद रखना चाहिए।

जान जोखिम में डालकर बच्चे जा रहे स्कूल : बाबूलाल

रांची (आजाद सिपाही)। सिमडेगा जिले में स्कूली बच्चे जान जोखिम में डालकर स्कूल जाने को मजबूर हैं। इस मुद्दे को लेकर नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य सरकार पर को घेरा है। बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर तस्वीर साझा करते हुए लिखा कि मुख्यमंत्री, मंत्री और अफसरों के बच्चे जहां महंगे निजी स्कूलों में तमाम सुविधाओं के साथ पढ़ाई कर रहे हैं, वहीं गरीब परिवारों के बच्चों को स्कूल पहुंचने के लिए खतरनाक रास्तों से गुजरना पड़ रहा है। उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया कि गरीब बच्चों की शिक्षा और सुरक्षा सरकार की प्राथमिकता में शामिल नहीं है। उन्होंने लिखा, झारखंड के सिमडेगा जिले में स्कूली बच्चे जान जोखिम में डालकर नाला पार कर स्कूल जा रहे हैं। अबुआ सरकार बच्चों को स्कूल तक सुरक्षित पहुंचाने के लिए बुनियादी व्यवस्था तक करने में असफल रही है। उन्होंने यह भी दावा किया कि प्रदेश के अन्य हिस्सों से भी ऐसी कई चिंताजनक तस्वीरें सामने आयी हैं, जहां मासूमों को हर दिन जोखिम भरे रास्तों से होकर स्कूल जाना पड़ता है।

निकाय चुनाव : आजसू का राज्य सरकार पर निशाना

ओबीसी आरक्षण नहीं देना चाहता है झामुमो-कांग्रेस : सुदेश महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। आजसू पार्टी प्रमुख एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुदेश कुमार महतो ने झारखंड में नगर निकाय चुनाव न कराने पर झारखंड हाइकोर्ट की सख्त टिप्पणी को लेकर राज्य सरकार पर निशाना साधा है। श्री महतो ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस की सरकार पिछड़ों को आरक्षण नहीं देना चाहती। साथ ही स्थानीय निकायों को अफसरों के भरोसे चलाना चाहती है। उन्होंने कहा कि हाइकोर्ट की टिप्पणी से स्पष्ट हो गया कि झामुमो और कांग्रेस को लोकतांत्रिक मूल्यों में भरोसा नहीं।

श्री महतो ने कहा कि झामुमो-कांग्रेस नगर निकाय में ओबीसी को आरक्षण नहीं देना चाहते और इसे टालने का बहाना ढूंढते रहते हैं। राज्य सरकार गंभीर रहती तो काफी पहले ट्रिपल टेस्ट करवा कर नगर निकाय चुनाव करवा सकती थी। जब आजसू पार्टी ने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया तब सरकार ओबीसी आरक्षण के लिए ट्रिपल टेस्ट करवाने पर मजबूर हुई।

श्री महतो ने कहा कि राज्य सरकार ने जानबूझकर ट्रिपल टेस्ट अभी तक पूरा नहीं किया और विगत एक वर्ष से ओबीसी आयोग के अध्यक्ष का पद खाली रखकर

ट्रिपल टेस्ट में देरी की साजिश की गयी। विगत 4 माह से मुख्य निर्वाचन आयुक्त का पद भी नहीं भरा जा रहा है। इससे साबित हो जाता है कि झामुमो-कांग्रेस लोकतंत्र और संविधान को कमजोर करने में जुटे हैं। श्री महतो ने कहा कि नगर निकायों में जनप्रतिनिधि नहीं होने के कारण स्वच्छता, बुनियादी ढांचा और शहरी विकास जैसे मुद्दों पर जनता की उपेक्षा की जा रही है। श्री महतो ने कहा कि राज्य में कानून का शासन चले, राज्य सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए। सरकार संविधान और लोकतंत्र का गला नहीं घोट सकती। नगर निकाय चुनाव टालकर जनता को उनके हक से वंचित करने का अधिकार सरकार को नहीं है।

राशिफल

डॉ एनके बेरा | 9431114351

मेष किसी नये कार्य आरंभ करने से पूर्व परिवार में विचार-विमर्श करें, कठिनाइयों पर विजय।

वृष रुके हुए कार्य में तेजी, उत्साह-उमंग भरा रहेगा, भ्रमण के साधन बनेंगे,नये लोगों से संपर्क।

मिथुन आत्मविश्वास की वृद्धि, नये कार्ययोजनाओं के प्रति रूचि बढ़ेगी।

कर्क काम की गति बढ़ेगी, सुख-संसाधनों की वृद्धि, व्यापारिक विस्तार की योजना।

सिंह कामकाज का विस्तार, आप उन्नति के मार्ग की ओर प्रशस्त होंगे, संकल्पित कार्य पूरा होगा।

कन्या बहुत दिनों से चली आ रही इच्छाओं की पूर्ति होगी, व्यवसाय में सफलता।

तुला कुछ संघर्षों के बाद नौकरी-सरकारी कार्यों में आशातीत सफलता मिलेगी।

वृश्चिक चतुर्दिक हर्ष तथा उल्लास का वातावरण रहेगा, संयम, धैर्य से काम आसान होंगे।

धनु आय के नये स्रोत बनेंगे, प्रभावशाली व्यक्तित्व का विकास, षड्यंत्र विफल रहेगा।

मकर नये व्यवसाय का आरंभ हो सकता है, परिवार में मांगलिक कार्य संपन्न होगा।

कुंभ समसामयिक प्रयास सफल, विद्या-बुद्धि-प्रतिभा का विकास होगा, महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे।

मीन आमदनी के नये स्रोत बनेंगे, मान-सम्मान, पद-प्रतिष्ठा, धन-ऐश्वर्य की वृद्धि।

रांची की बेटी रवीना ने बॉलीवुड में बिखेरा अभिनय का जलवा

फिल्म मर्डरबाद में पुलिस इंस्पेक्टर आदिति रावत का किया दमदार रोल

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। रांची की प्रतिभाशाली बेटी रवीना की नयी हिंदी फिल्म मर्डरबाद विगत 18 जुलाई को देशभर के सिनेमाघरों में रिलीज हो गयी है। फिल्म में रवीना ने पुलिस इंस्पेक्टर आदिति रावत की महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनके अभिनय और स्क्रीन प्रेजेंस को दर्शकों से सराहना मिल रही है।

यह जानकारी झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने दी। उन्होंने बधाई देते हुए कहा कि रवीना ने झारखंड और मारवाड़ी समाज का नाम रोशन किया है।

सर्राफ ने बताया कि रवीना मूलतः रांची की निवासी हैं और झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व महामंत्री की पुत्री हैं। उन्होंने लोरेटो कॉन्वेंट हाइस्कूल, डोरंडा से स्कूली शिक्षा और संत जेवियर्स कॉलेज से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्होंने मुंबई का रुख किया।

मुंबई पहुंच कर इन्होंने कई विज्ञापनों में चर्चित कलाकारों के साथ काम किया जिनका प्रसारण विभिन्न चैनलों एवं यूट्यूब पर होता रहा है। फिल्म के निर्देशक अनरव चटर्जी हैं नकुल रोशन शहदेव, कनिका कपूर, शारीब हाशमी, सलोनी बत्रा, मनीष चौधरी, अमोल गुप्ता, अंजन श्रीवास्तव, मसुदा अख्तर, सुब्रत दत्ता, बरूण चंदा, विभा छिब्बर और उदय टिकेकर इस फिल्म के अन्य कलाकार हैं। शान कुशल इस फिल्म के एक्शन डायरेक्टर हैं। इस फिल्म की शूटिंग राजस्थान एवं दार्जिलिंग (पश्चिम बंगाल) में हुई है।

रवीना को बधाई देनेवालों में झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल, महामंत्री विनोद कुमार जैन, ललित कुमार पोद्दार, पवन पोद्दार, राजेंद्र केडिया, मनोज चौधरी, कौशल राजगढ़िया अनिल कुमार अग्रवाल सहित अन्य के नाम शामिल हैं।

इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी का वीडियो वायरल होने के बाद सियासी बवाल

कृष अंसारी में सेवा की भावना सहज रूप से मौजूद है, आखिर वह पूर्व सांसद फुरकान अंसारी का पोता है : इरफान अंसारी

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी का एक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह अलग-अलग अस्पतालों में नजर आ रहे हैं। वह रिम्स के अलावा धुर्वा स्थित निजी अस्पताल पारस में भी गये। उनको रिम्स में मरीजों से हालचाल पूछते देखा गया। इस दौरान उनके साथ कुछ युवक भी मौजूद थे। वायरल वीडियो में कृष के साथ मौजूद युवक कहते सुने जा रहे हैं कि ये मंत्री के बड़े बेटे हैं। आप अपनी समस्याएं बता सकते हैं। इस वीडियो को लेकर इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी पर अस्पतालों में निरीक्षण के आरोप लग रहे हैं। यह मुद्दा चर्चा का विषय बन गया है। हालांकि इस वीडियो की सत्यता की पुष्टि आजाद सिपाही नहीं करता है। हालांकि झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इन आरोपों को खारिज कर दिया है। अपने बेटे के वायरल वीडियो पर झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में कहा- सच्चाई को समझें। मेरे बेटे कृष को गलत तरीके से घसीटा जा रहा है। मेरे बेटे कृष अंसारी को लेकर जो बातें कुछ मीडिया माध्यमों और राजनीतिक मानसिकता के लोग फैला रहे हैं वो निराधार, भ्रामक और दुर्भावनापूर्ण हैं। कृष रिम्स में किसी निरीक्षण या नेतागिरी के लिए नहीं गया था। वह अपने शिक्षक आदित्य कुमार झा के पिता को देखने गया था। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी आगे लिखते हैं कि बीती रात कुछ आदिवासी हमारे आवास पर मदद के लिए पहुंचे थे। ये लोग रिम्स में अपने परिजनों के इलाज को लेकर परेशान थे। उनके आग्रह पर ही कृष मानवीय आधार पर वहां गया था ताकि उनकी तकलीफ को कम किया जा सके। संयोग से एक वरिष्ठ पत्रकार बंधु के परिजन भी रिम्स में भर्ती थे, जिनको मदद की जरूरत थी। कृष ने इंसानियत के नाते इन लोगों की मदद की। बात केवल इतनी सी है। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने आगे कहा कि आज जिस तरह इस घटना को तोड़-मरोड़ कर और राजनीति का रंग चढ़ाकर बगैर तथ्यों के पेश किया जा रहा है वह दुखद और चिंताजनक है। कृष एक होनहार छात्र है। वह छुट्टियों में रांची आया हुआ है। उसमें सेवा की भावना सहज रूप से मौजूद है। आखिर वह पूर्व सांसद फुरकान अंसारी का पोता है जिन्होंने झारखंड के अलग राज्य के आंदोलन में अहम भूमिका निभाई थी। ऐसे परिवार में जन्मे युवक में सेवा का स्वाभाविक संस्कार होना अचरज नहीं है। क्या अब मदद करना भी अपराध है?

स्वास्थ्य मंत्री के बेटे ने इंस्टा से डिलीट किये सभी पोस्ट

रांची (आजाद सिपाही)। स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी के बेटे कृष अंसारी का हॉस्पिटल निरीक्षण करना महंगा पड़ गया। ऐसा सियासी बवाल मचा कि कृष अंसारी को अपने सोशल मीडिया अकाउंड (इंस्टाग्राम) से सारा पोस्ट डिलीट करना पड़ा।

पुंदाग में ज्वेलरी शॉप में पांच लाख की चोरी

गैस कटर से शटर काटकर गहने उड़ाये

सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया, इसमें आठ से दस की संख्या में चोर नजर आ रहे

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। पुंदाग के सेल सिटी स्थित 'श्रेष्ठ ज्वेलर्स' में शुक्रवार देर रात चोरों ने बड़ी वारदात को अंजाम दिया। चोर गैस कटर की मदद से दुकान का शटर काटकर अंदर घुसे और करीब पांच लाख रुपये से अधिक के सोने-चांदी के आभूषण लेकर फरार हो गये। शनिवार सुबह जब स्थानीय लोग मॉर्निंग वॉक पर निकले तो उन्होंने देखा कि दुकान का शटर टूटा हुआ है। इसकी सूचना उन्होंने तुरंत दुकानदार को दी। दुकान मालिक मौके पर पहुंचे और चोरी की घटना देखकर हैरान रह गये। उन्होंने बताया कि चोरी गये जेवरों की कीमत पांच लाख से ज्यादा है। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस भी मौके पर पहुंची। हटिया डीएसपी प्रमोद मिश्रा ने बताया कि फोरेंसिक टीम को बुलाकर जांच करायी गयी है। दुकान के सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली गयी है, जिसमें आठ से दस की संख्या में चोर नजर आ रहे हैं। पुलिस अब फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान और गिरफ्तारी की दिशा में आगे की कार्रवाई कर रही है।

महेंद्र सिंह धोनी ने लगायी दिउड़ी मां के दरबार में हाजिरी

पत्नी साक्षी और बेटी जीवा संग की देवी की आराधना

आजाद सिपाही संवाददाता

तमाड़। झारखंड के लाडले और भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने अपनी पत्नी साक्षी और बेटी जीवा के साथ दिउड़ी मां के दरबार में हाजिरी लगायी। धोनी एक काले रंग की कार से पहुंचे थे। बुंडू के डीएसपी ओमप्रकाश और एसडीएम किस्टो कुमार बेसरा ने चुनरी ओढ़ाकर स्वागत किया। उनके स्वागत में नगाड़ा भी बजाया गया। उन्होंने विधि-विधान के साथ दिउड़ी मां की पूजा की। पूजा करने वाले मनोज पंडा ने कहा कि धोनी मां का आशीर्वाद लेना कभी नहीं भूलते हैं। आमतौर पर वे अकेले या मित्रों के साथ आते हैं लेकिन लंबे अरसे बाद अपनी पत्नी और बेटी के साथ पहुंचे थे।

महेंद्र सिंह धोनी के माता के दरबार में पहुंचने की सूचना मिलते ही आसपास के इलाकों से काफी संख्या में प्रशंसक वहां उमड़ पड़े। उनके साथ सेल्फी लेने के लिए होड़ मच गयी। उनके आगमन से लेकर रांची रवानगी तक बुंडू पुलिस पूरी तरह मुस्तैद रही।

धोनी खुद कार ड्राइव कर माता के दरबार पहुंचे थे। दरअसल, धोनी की दिउड़ी माता के प्रति असीम आस्था रही है। वे हर खास मौके पर माता की शरण में जरूर आते हैं। लंबे अरसे बाद वह अपनी बेटी और पत्नी के साथ पूजा करने पहुंचे थे। धोनी की पहचान भारत के सबसे सफल कप्तानों में होती है। उनके नेतृत्व में भारतीय टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप, वन क्रिकेट वर्ल्ड कप और आइसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीता है।

शानदार उपलब्धियों के लिए धोनी को 2008 में सर्वोच्च खेल सम्मान मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार मिला था। उन्हें पद्मश्री और पद्म भूषण से भी नवाजा गया है। आइपीएल सीजन संपन्न होने के बाद से धोनी रांची में हैं। अक्सर जेएससीए ग्राउंड में नजर आते हैं।

फार्मासिस्ट काउंसिल में झारखंड के लोगों को नियुक्त करे राज्य सरकार : देवेंद्रनाथ

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची। झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा (जेएलकेएम) के केंद्रीय उपाध्यक्ष देवेंद्रनाथ महतो ने कहा है कि हेमंत सरकार फार्मासिस्ट के सरकारी पद पर कार्यरत किसी झारखंडी कर्मी को ही सदस्य और रजिस्ट्रार के पद पर नियुक्त करे। ऐसा नहीं होने पर आगामी 23 जुलाई को झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल बरियातू कार्यालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन किया जायेगा। देवेंद्रनाथ ने उक्त मामले को लेकर नेपाल हाउस में शनिवार को स्वास्थ्य विभाग के अपर सचिव अजय कुमार सिंह से मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। देवेंद्रनाथ ने कहा कि झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल के प्रभारी निबंधक सह सचिव प्रशांत कुमार पांडेय का कार्यकाल बीते 13 अप्रैल को समाप्त हो गया है। इसके बाद उनका छह माह के

लिए औपबंधिक नियुक्ति की गयी थी जो तीन माह से गैर कानूनी तरीके से प्रभार पर बैठे हुए हैं। फरवरी 2022 से कोई स्थाई निबंधक सह सचिव की नियुक्ति नहीं हो पायी है। राज्य में फार्मासिस्टों के निबंधन, निबंधित फार्मासिस्टों के नवीकरण, कोर्स और परीक्षा संचालन को लेकर झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल गठित है। फार्मेसी एक्ट के तहत अध्यक्ष, सचिव और सदस्यों का कार्यकाल पांच वर्ष है। काउंसिल के 15 सदस्यों में से चार पदेन सदस्यों को छोड़कर 11 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त हो चुका है। बीते 11 जुलाई को काउंसिल के उपाध्यक्ष जादूनाथ मार्डी का निधन हो गया है। वहीं पांच मनोनीत सदस्यों का कार्यकाल दो वर्षों जबकि छह निर्वाचित सदस्यों का कार्यकाल छह माह पूर्व समाप्त हो चुका है। 15 में से 11 सदस्यों का कार्यकाल समाप्त होने से राज्य का फार्मासिस्ट काउंसिल चरमरा गया है। इसलिए इस बार किसी झारखंडी को अवसर दिया जाये।

उन्होंने कहा कि झारखंड राज्य फार्मेसी काउंसिल के पांच नामित सदस्यों को सरकार की ओर से मनोनीत किया जा रहा है। इसमें कोई भी सदस्य सरकारी फार्मासिस्ट पद पर कार्यरत नहीं हैं, जो अनिवार्य आहर्ता के मानक को पूर्ण नहीं करता।

आजाद सिपाही
रांची, रविवार, 20 जुलाई, 2025
www.azadsipahi.in

सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा ने विधायक को सौंपा मांग पत्र

कोडरमा (आजाद सिपाही)। सहायक अध्यापक संघर्ष मोर्चा राज्य निर्णय के आलोक में कोडरमा जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार राय के नेतृत्व में शनिवार को मांग पत्र विधायक डॉ नीरा यादव को सौंपा गया। समान कार्य समान वेतन, 2018 में किये गये पारा शिक्षक पर केश दर्ज वापस लेने, अनुकम्पा नियुक्ति शिथिल हो तत्पश्चात परिवार को सहायक अध्यापक पद पर नियुक्त करने, सेवा निवृत्त 60 वर्ष के जगह 62 वर्ष में करने 1700 सौ सेवा मुक्त सहायक अध्यापक को पुनः सेवा में वापस रखने की मांग की गयी। विधायक डॉ नीरा यादव ने कहा कि मेरी सरकार ने वेतनमान देने के लिए नियमावली बनायी थी सिर्फ कैबिनेट से पारित नहीं किया जा सका था क्योंकि संगठन कुछ तकनीकी सुधार हेतु विरोध करते रहे। कल्याण कोष में 10 करोड़ रुपये पारा शिक्षक की मृत्यु दुर्घटना के सहायता के लिए फिक्स कराया गया था लेकिन वर्तमान सरकार कुछ भी नहीं दिया जो काफी चिंता का विषय है। मेरी पूरी संवेदना आप सभी के साथ में हैं आपकी मांग को लेकर पूरी प्रमुखता से विधानसभा के पटल पर रखूंगी। जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार राय ने कहा कि वर्तमान सरकार 2019 में हर चुनावी सभा में कहा था कि मेरी सरकार आते ही तीन महीने के अंदर हम समान काम समान वेतन देंगे। लेकिन सरकार सहायक अध्यापक को सिर्फ और सिर्फ ठगने का कार्य किया। यदि सरकार मांग पूरा नहीं करती है तो 4 अगस्त से 7 अगस्त तक मानसून सत्र में विधानसभा घेराव किया जायेगा। मांग पत्र सौंपने वाले में जिला अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार राय, सलीम अंसारी, सुभाष सिंह, संजीत भारती, पोखराज साव, कैलाश राम, पंकज सिंह, द्वारिका यादव, संजय साव, मनोज यादव, वीरेंद्र दास, सीता राम कुमार, राजेन्द्र पासवान, गजाधर यादव, छोटू साव, अशोक कुमार, मनोज यादव, रामस्वरूप यादव, शंकर साव, विनोद यादव समेत दर्जनों सहायक अध्यापक मौजूद थे।

सहायक अध्यापकों ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

बरही (आजाद सिपाही)। बरही विधानसभा के सहायक शिक्षकों ने विधायक मनोज कुमार यादव अपनी विभिन्न मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा। शिक्षकों ने सरकार और विभागीय अधिकारियों द्वारा समान कार्य वेतन और सम्मान न दिये जाने पर गहरी नाराजगी जतायी है। शिक्षकों ने कहा कि अधिकांश सहायक अध्यापक टेट और विभागीय मूल्यांकन परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके हैं, इसके बावजूद उन्हें उचित वेतनमान और सेवा शर्तें नहीं दी जा रही हैं। वहीं, संस्कृत और मदरसा विद्यालयों में बिना टेट योग्यताओं के भी शिक्षकों को 9300-34800 वेतनमान और पुरानी पेंशन का लाभ दिया जा रहा है। शिक्षकों ने कहा कि भारत सरकार के कार्मिक और प्रशिक्षण विभाग का स्पष्ट निर्देश है कि समान कार्य के लिए समान वेतन दिया जाये। विधायक को सौंपे ज्ञापन में शिक्षकों ने कहा कि समान कार्य के लिए समान वेतन, रघुवर सरकार के समय दर्ज मुकदमों को वापस लेने, अमृत योजना अंतर्गत कार्यरत मृत शिक्षकों के आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति दी जाये, सहायक शिक्षकों की सेवानिवृत्ति आयु 60 से बढ़ाकर 62 वर्ष की जाये, फर्जी संस्थान के नाम पर सेवा से मुक्त करने के निर्णय को रद्द करने की मांग शामिल है। शिक्षकों ने कहा कि सरकार हमारी जायज मांगों को नहीं मानती है तो बाध्य हो कर शिक्षक के अवसर पर झारखंड के सभी शिक्षक मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे।

श्रम विभाग ने कार्यशाला का किया आयोजन

विष्णुगढ़ (आजाद सिपाही)। विष्णुगढ़ प्रखंड मुख्यालय सभागार में श्रम नियोजन प्रशिक्षण और कौशल विभाग के द्वारा अंतरराज्यीय प्रवासी श्रमिक निर्माण श्रमिक असंगठित श्रमिक अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक के कल्याणकारी योजनाओं के बारे में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें बताया गया कि कोई भी प्रवासी श्रमिक श्रमाधान पोर्टल में निबंधन करवा कर ही बाहर जायें, ताकि उनकी जान माल की सुरक्षा हो सके वहीं निर्माण श्रमिक के लिए 110 रुपया जमा करना पड़ता है। जिससे कल्याणकारी योजना का लाभ मिल सके वहीं असंगठित श्रमिक के लिए निःशुल्क है। प्रवासी श्रमिक का पंजीकृत भी निःशुल्क प्रक्रिया श्रमधान पोर्टल पर है। उक्त जानकारी झारखंड प्रवासी श्रमिक के नियंत्रण कक्ष से आये रांची के शिखा लकड़ा ने दी। श्रम अधीक्षक अनिल देव रंजन श्रमिकों के कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गयी। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासी श्रमिक के लिए प्रवासी भारतीय बीमा योजना कंपनी नियोक्ता के द्वारा किया जाता है, वैसे श्रमिक जो अंतरराष्ट्रीय बाहर जाना चाहते हैं। श्रमिक पूरा नियुक्ता का जांच करके ही कंपनी के साथ जायें। रहने खाने यात्रा भत्ता पेयजल मेडिकल सेवा सभी नियुक्ता द्वारा पूरी जानकारी बेहतर तरीके से जानकारी कर ले तभी बाहर जायें। कार्यशाला में मुख्य रूप से उपस्थित प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने कहा कि सभी पंचायत सचिव, वार्ड सदस्य, मुखिया एक रजिस्टर मेंटेन करें। ताकि सरकार के पास एक आंकड़ा रहता है और कहीं कुछ अनहोनी घटना घटने पर प्रशासन मदद कर सके। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से श्रम विभाग से रवि कुमार पांडेय, सुभाष कुमार, सरिता राणा, सूरज कुमार, प्रत्यूष कुमार, श्रमिक मित्र राजेश्वर महतो, मुखिया उत्तम महतो, झारखंडी एकता परिषद के असलम अंसारी, पसस महताब हुसैन, मुखिया तपेश्वर रजक, रामचंद्र यादव, राजेंद्र मंडल, चेतलाल महतो, छोटी शर्मा, कैलाश महतो, दुलारचंद पटेल, उमा देवी, सुमित के अलावा बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि मौजूद थे।

स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन

खपरियावा (आजाद सिपाही)। शनिवार को सावंत इंटर कॉलेज, खपरियावा में स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से एक दिवसीय आयुर्वेदिक स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कॉलेज के सचिव राम किशोर सावंत के सहयोग से आयोजित इस शिविर में संजीवनी आयुर्वेदिक क्लिनिक, रामगढ़ के डॉ. रंजीत कुमार सिंह द्वारा लोगों की निःशुल्क जांच की गयी। शिविर में आधुनिक इलेक्ट्रॉनिक मशीनों की सहायता से पचास से अधिक ग्रामीणों के विभिन्न रोगों की जांच की गयी। जांच के लिए मात्र 50 रुपये का नाममात्र रजिस्ट्रेशन शुल्क लिया गया, जबकि सभी जांच और आवश्यक दवाइयां निःशुल्क प्रदान की गयी। लोगों को उनके रोग की स्थिति के अनुसार परामर्श और औषधियां दी गयी, जिससे स्थानीय लोगों में खासा उत्साह देखा गया। इस शिविर की सफलता के लिए कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य और अन्य शिक्षकों के साथ उपस्थित ग्रामीणों ने डॉ. सिंह व उनकी टीम की सराहना की। सभी ने कॉलेज प्रबंधन के इस सामाजिक योगदान की प्रशंसा करते हुए इसे समाजहित में प्रेरणादायक बताया। स्वास्थ्य शिविर से न केवल स्थानीय लोगों को लाभ मिला, बल्कि आयुर्वेदिक चिकित्सा पद्धति के प्रति भी जागरूकता बढ़ी। ग्रामीणों ने ऐसे शिविरों के नियमित आयोजन की मांग की है।

राधा गोपाल इस्पात फैक्ट्री के फर्नेस क्वाइल में धमाका, कोई हताहत नहीं

आजाद सिपाही संवाददाता

बरही। बरही के जियाडा औद्योगिक प्रक्षेत्र स्थित राधा गोपाल इस्पात फैक्ट्री के फर्नेस क्वाइल में जोरदार धमाका हो गया। घटना सुबह करीब 8 बजकर 5 मिनट में हुई, जो फैक्ट्री के एक नंबर फर्नेस में हुई। जब बॉयलर भट्ठी के पास लगा क्वाइल पंक्चर हो गया। इस दौरान लगातार चार से पांच बार हुई धमाके की आवाज दूर-दूर तक सुनाई दी। हालांकि सबसे बड़ी बात यह रही कि इस घटना में कोई मजदूर घायल नहीं हुआ। घटना के दौरान कार्यस्थल पर सुरेंद्र भुइंया, नागेंद्र भुइंया समेत चार मजदूर और एक क्रेन ऑपरेटर सतीश यादव मौजूद थे, जो पूरी तरह सुरक्षित हैं। घटना की सूचना पाकर बरही विधायक मनोज कुमार यादव, एसडीओ जोहन टुडू, एसडीपीओ अजीत कुमार बिमल और थाना प्रभारी आभास कुमार फैक्ट्री पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। मौके पर पहुंचे भाजपा जिला उपाध्यक्ष रमेश ठाकुर, 20 सूत्री अध्यक्ष इकबाल रजा, स्थानीय उपमुखिया प्रतिनिधि मो. इजहार, मो. सागीर, मो. सेराज उर्फ चांद, मो. असलम, सिक्की यादव, आदि स्थानीय ग्रामीणों ने फैक्ट्री में सुरक्षा मानकों की अनदेखी और नियमित मेंटेनेंस नहीं होने का आरोप लगाया। साथ ही आसपास के लोगों ने प्रदूषण से हो रही परेशानी की भी शिकायत की। ग्रामीणों ने प्रशासन से इस दिशा में ठोस कदम उठाने की मांग की। प्रशासनिक अधिकारियों ने मामले की जांच शुरू करने की बात कही है। घटना के वक्त फैक्ट्री का कोई मालिक या प्रबंधक मौके पर मौजूद नहीं था।

क्रेटा और पंच जैसी गाड़ियों से शराब की हो रही तस्करी

27 पेटी विदेशी शराब के साथ एक गिरफ्तार

शराब की खेप बिहार भेजने की थी तैयारी

आजाद सिपाही संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग उत्पाद विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए विदेशी शराब की तस्करी का भंडाफोड़ किया है। विभाग ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए झारखंड-बिहार की सीमा पर स्थित चौपारण थाना क्षेत्र के चेक पोस्ट चोरदाहा के समीप से दो लग्जरी वाहनों से कुल 27 पेटी विदेशी शराब जब्त कीया है। इसकी बाजार कीमत दो लाख रुपये से अधिक आंकी जा रही है। इस मामले में उत्पाद विभाग ने एक शराब तस्कर को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान चतरा जिले के इटखोरी निवासी निर्भय कुमार सिंह के रूप में की गयी है। सहायक आयुक्त शिवकुमार साहू ने बताया कि आरोपी झारखंड के विभिन्न जिलों से बिहार में अवैध तरीके से शराब की आपूर्ति कर रहा था। आगे बताया कि विभाग को जैसे ही इसकी गुप्त सूचना मिली, तत्काल टीम गठित कर कार्रवाई की गयी शराब के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि तस्करी के इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान कर जल्द ही और गिरफ्तारियां की जायेंगी। अभियान में उत्पाद विभाग के सहायक आयुक्त शिवकुमार साहू, एसआई सुमितेश कुमार समेत उत्पाद विभाग में कार्यरत सुरक्षा बल और होमगार्ड के जवान शामिल थे।

बुढ़वा महादेव पहाड़ का सीढ़ी जर्जर

बड़कागांव(आजाद सिपाही)। बड़कागांव प्रसिद्ध पर्यटन स्थल बुढ़वा महादेव पहाड़ में चढ़ने वाले सीढ़ी जर्जर हो गया है। सावन के इन दोनों बुढ़वा महादेव जाने वाले भक्तों को पहाड़ चढ़ने में कठिनाई हो रही है। बुढ़वा महादेव में जल चढ़ाने वाले शिव भक्तों का भीड़ हर दिन बढ़ता जा रहा है। सोमवारी और पूर्णिमा के दिन भव्य भीड़ उमड़ती है। शिव भक्त पिंटू गुप्ता, अवध किशोर मेहता ने बताया कि सीढ़ियों का जर्जर होने से चढ़ने में दिक्कत होती है। इधर राज मिस्त्री माहेश्वरी राम ने बताया कि नेतलाल महतो के नेतृत्व में 75 साल पहले राजमिस्त्री प्रकाल राम, प्रयाग राम और देवकी राम द्वारा सीढ़ियां का निर्माण कराया गया था, तब से पहाड़ में चढ़ने में आसानी होती थी। लेकिन अब सीढ़ियों को टूट जाने से पहाड़ में चढ़ने के दौरान भक्तों को थकावट लगता है। बड़कागांव के शिव भक्त और बुढ़वा महादेव विकास सा शांति समिति के अध्यक्ष दामोदर प्रसाद मेहता ने वन विभाग, सांसद व विधायक से सीढ़ी निर्माण करने की मांग की है।

आरपीएफ ने गांजा तस्कर को ट्रेन से किया गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। ऑपरेशन नार्कोस के तहत आरपीएफ ने शनिवार को लगभग साढ़े 5 केजी गांजा के साथ एक युवक को ट्रेन से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान बैजू कुमार उर्फ देवराज, पिता स्वर्गीय राजेंद्र चौधरी थाना नसीरगंज रोहतास बिहार के रूप में की गयी। इस संबंध में आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि गुप्त सूचना पर धनबाद अपराध शाखा, आरपीएफ और जीआरपी के संयुक्त छापेमारी अभियान के दौरान ट्रेन के सामान्य बोगी में सफर कर रहे पिट्ठू बैग के साथ एक युवक को संदीग्ध अवस्था में देखा गया। तलाशी के दौरान युवक के बैग में रखे तीन प्लास्टीक रैपर में पैक लगभग साढ़े 5 केजी गांजा बरामद किया गया। जिसका अनुमानित मूल्य 82 हजार आंकी गई है। पूछताछ में आरोपी युवक ने तीन अन्य आरोपियों के भी नाम बतायें, जो उसके साथ तस्करी में शामिल थे। आरपीएफ ने युवक को पोस्ट लाकर इसकी सूचना जिला प्रशासन को दी। जिसके बाद एसडीओ रिया सिंह द्वारा प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी सीओ हलधर सेठ के नेतृत्व में बरामद गांजा का वजन कराया गया। आरपीएफ प्रभारी दीपक कुमार ने बताया कि गवाहो की मौजूदगी में जब्ती सूची बनाते हुए आरोपी को जीआरपी के हवाले किया गया। छापेमारी अभियान में आरपीएफ के उप निरीक्षक सुशील कुमार, आरक्षी जितेंद्र कुमार, विकास कुमार और रेल थाना जीआरपी के आरक्षी सुनील कुमार पासवान, विकास पंडित वह धनबाद अपराध शाखा के जवान शामिल थे।

ग्रीन तिलैया क्लीन तिलैया के लिए स्वयंसेवी संगठनों को आगे आने की जरूरत: डीसी

झुमरीतिलैया (आजाद सिपाही)। श्री अग्रसेन भवन झुमरीतिलैया में मारवाड़ी युवा मंच की प्रेरणा शाखा के तत्वाधान में सावन मिलन समारोह आया सावन झूम के.. का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि उपायुक्त ऋतुराज उपस्थित हुए। उन्होंने कहा कि प्रेरणा शाखा महिला सशक्तिकरण के रूप में जो सेवा कर रही है वह अच्छी पहल है। उन्होंने कहा कि ग्रीन तिलैया क्लीन तिलैया बनाने के लिए और सामाजिक, स्वयंसेवी संगठन को आगे आने की जरूरत है। आगे कहां की बुक फेयर के तहत लोगों को किताबें भी उपलब्ध कराने की जरूरत है ताकि जरूरतमंद लोगों को उपलब्ध कराया जा सके। उन्होंने कहा कि रेडियो सिटी बनाने के साथ-साथ ध्वजाधारी धाम, तिलैया डैम को पर्यटन क्षेत्र का दर्जा भी उपलब्ध होगा। मौके पर 200 लोगों को पौधे वितरण भी किये गये। मारवाड़ी युवा मंच की सहायक मंडल मंत्री श्रेया केडिया ने कहा कि एक छत के नीचे इस तरह का मेला लोगों के लिए प्रेरणा का स्रोत बना है। प्रेरणा शाखा की अध्यक्ष सारिका लड्ढा ने कहा कि 16 स्टॉल इस मेले में लगाये गये। मेले में चांदी के आभूषण, मधुबनी आर्ट, सूरत की ज्वेलरी, हस्तशिल्प, रियो का नवीनतम संग्रह, स्वादिष्ट व्यंजनों के स्टाल लगाये गये। मौके पर विशिष्ट अतिथि अग्रवाल के रूप में अग्रवाल समाज के अध्यक्ष कैलाश चौधरी, चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष प्रदीप केडिया, महेश दारूका, सुरेश जैन, अरविंद चौधरी, संजय अग्रवाल, मनोज केडिया, प्रदीप हिसारिया, जैन समाज के पूर्व अध्यक्ष सुशील छाबड़ा, जैन विद्यालय के अध्यक्ष किशोर पांडया चंद्रशेखर जोशी, संतोष लड्ढा, अनिमेष आनंद, मारवाड़ी युवा मंच के अध्यक्ष राहुल जैन, सचिव अंकित केडिया, कोषाध्यक्ष राहुल चौधरी, सचिव आकृति चौधरी, कोषाध्यक्ष नेहा बजाज, नेहा हिसारिया, शालू चौधरी, प्रियंका अग्रवाल, प्रिया अग्रवाल, दीपा गुप्ता, स्नेह अग्रवाल, कृतिका मोदी, काजल गुप्ता, स्नेहा चौधरी, मीना हिसारिया, निशा संघई, शीतल पोद्दार, प्रगति चौधरी आदि मौजूद थे।

लाइफलाइन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर

विधायक डॉ नीरा यादव और अधिकारियों ने शिविर स्थल का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

कोडरमा। जिला प्रशासन कोडरमा और इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में लाइफलाइन एक्सप्रेस प्रोजेक्ट के अंतर्गत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 11 जुलाई से 30 जुलाई 2025 तक कोडरमा जंक्शन रेलवे स्टेशन पर किया जा रहा है। इस विशेष शिविर में जिले के हजारों नागरिक विभिन्न रोगों की निःशुल्क जांच और इलाज की सुविधा का लाभ ले रहे हैं। इसी क्रम में शनिवार को विधायक कोडरमा डॉ. नीरा यादव, विधायक बरही मनोज कुमार यादव, उपायुक्त ऋतुराज और जिला परिषद अध्यक्ष रामधन यादव ने शिविर स्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने पंजीकरण कक्ष, ओपीडी एरिया और ट्रेन पर उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं का अवलोकन किया। शिविर की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने सीएससी चंदवारा में भर्ती मरीजों से भी मुलाकात कर उन्हें दी जा रही सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की और समुचित व्यवस्था बनाये रखने का निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया। इस अवसर पर अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह, इम्पैक्ट इंडिया फाउंडेशन के प्रतिनिधि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी और बड़ी संख्या में लाभुक नागरिक उपस्थित थे।

बीमारियों से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। बरकट्ठा साहु टोला में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के द्वारा बरसाती बीमारियों से बचाव को लेकर जागरूकता अभियान चलाया गया। स्वास्थ्य कर्मियों और सहिया दीदी के द्वारा बरसात के मौसम में होने वाले मौसमी बीमारी मलेरिया, फाइलेरिया, डायरिया, डेंगू इत्यादि रोगों से बचाव संबंधित जानकारी दी गयी। अभियान मुखिया प्रमिला देवी की उपस्थिति में चलाया गया। लोगों को बताया गया कि किस तरह इन रोगों से सावधानी बरत कर बचा जा सकता है। इसे लेकर स्वास्थ्य कर्मियों और मुखिया ने घर-घर जाकर लोगों को जागरूक किया। साथ ही जिन लोगों के घर में पानी जमा करके रखा गया था उनको हटाने को कहा है। क्योंकि इसी पानी में डेंगू एवं मलेरिया के मच्छर पनपते हैं। अभियान में एमपीडब्ल्यू किशन राम, बीटीटी प्रकाश पंडित, सहिया साथी सुनीता देवी, सहिया दीदी सायरा खातून, पार्वती देवी, सोनाली देवी, रेणु देवी, खुशबू देवी, मंजू देवी, शिवानी देवी समेत अन्य लोग उपस्थित थे।

पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट कोयला खनन परियोजना का हुआ उद्घाटन

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। एनटीपीसी माइनिंग लिमिटेड ने आज एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल करते हुए पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट कोयला खनन परियोजना का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (कोयला खनन) नवीन जैन ने परियोजना का उद्घाटन किया। उनके साथ पकरी बरवाडीह और पीबी-एनडब्लू परियोजना प्रमुख सुब्रत कुमार दाश भी उपस्थित रहे। उद्घाटन समारोह की शुरूआत पारंपरिक पूजा अर्चना से हुई, जिसके उपरांत नारियल फोड़ा गया और पहले ओवरबर्डन ट्रक को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस ऐतिहासिक क्षण के साक्षी बने एनटीपीसी की अन्य कोयला खनन परियोजनाओं — चट्टी बरियातू, केरेडारी और बादम कोयला खनन परियोजना के परियोजना प्रमुख, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारीगण और बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण। पीबी-एनडब्लू परियोजना में 138.96 मिलियन टन की खनन योग्य कोयला भंडार है, जिसकी वार्षिक उत्पादन क्षमता 3 मिलियन टन निर्धारित की गयी है। यह परियोजना 52 वर्षों की संचालन अवधि के साथ एनटीपीसी की दीर्घकालिक ईंधन सुरक्षा और ऊर्जा स्थिरता के लक्ष्यों को मजबूती प्रदान करेगी। एनटीपीसी माइनिंग सतत खनन प्रथाओं, सामुदायिक सहभागिता और सुरक्षा उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्ध है। पकरी बरवाडीह नॉर्थ वेस्ट परियोजना न केवल कोयला उत्पादन क्षमताओं को सुदृढ़ बनायेगी, बल्कि क्षेत्र में सामाजिक-आर्थिक विकास को भी प्रोत्साहित करेगी।

उपायुक्त ने मिशन वात्सल्य और ओल्ड एज होम का किया निरीक्षण

हजारीबाग (आजाद सिपाही)। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह ने शनिवार को मिशन वात्सल्य (सृजन फाउंडेशन) और ओल्ड एज होम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की समीक्षा की। मिशन वात्सल्य में उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था, बच्चों की देखरेख, स्टाफ ड्यूटी, साफ-सफाई, सीसीटीवी और गेट की स्थिति की जांच की बच्चों का प्रोपर वैक्सीनेशन हो, उन्हें किसी प्रकार की कोई परेशानी न हो, इसके लिए उपायुक्त ने डीसीपीओ को साप्ताहिक निरीक्षण करने का आदेश दिया। ओल्ड एज होम में उपायुक्त ने बुजुर्गों से संवाद कर उनकी आवश्यकताओं की जानकारी ली। चिकित्सीय जांच, स्वच्छता, कंबल, दवाइयां और बैठने की सुविधा सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

पलांडू में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

बड़कागांव (आजाद सिपाही)। स्वास्थ्य बुजुर्ग दिवस के मौके पर हजारीबाग जिला स्वास्थ्य केंद्र के निर्देशानुसार बड़कागांव प्रखंड के तलसवार पंचायत के ग्राम पलांडू में शनिवार को बड़कागांव स्वास्थ्य विभाग द्वारा शिविर का आयोजन किया गया। स्वास्थ्य कर्मी और सी एच ओ मुकेश गोस्वामी ने कहा कि यह दिवस प्रत्येक माह के तीसरे शनिवार को हर स्वास्थ्य उपकेंद्र में मनाया जाता है। इस लिए समय-समय पर सभी जरूरत मंद लोगों को विभाग के द्वारा आवश्यक सामग्री दिया जायेगा। कार्यक्रम में उपस्थित स्वास्थ्य कर्मी और सी एच ओ मुकेश गोस्वामी, स्वास्थ्य सहिया उषा देवी, गीता देवी, मंजू देवी, अनिता देवी, गेनसी देवी, गहनी देवी, फूलकुमारी देवी, मंगर महतो, प्रभु महतो, कोल्हा महतो, रीझन महतो, चैता महतो, गुरुदयाल करमाली, खेदु महतो और ललित महतो उपस्थित थे।

बिजली चोरी रोकथाम को लेकर छापामारी अभियान

बरकट्ठा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के ग्राम बरकंनगांगों और बरकट्ठा में बिजली चोरी रोकथाम को लेकर छापामारी अभियान चलायी गयी। बरकट्ठा विद्युत कनीय अभियंता अभिषेक आनंद ने कार्रवाई करते हुए 22 लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज कराया है। कनीय अभियंता ने ग्राम बरकंनगांगों निवासी छोटी महतो, राहुल दास, त्रिलोकी रविदास, छोटी रविदास, दिनेश दास, देवी दास, नसरुद्दीन अंसारी, ईश्वर रविदास, झब्बू पासवान, चंद्रदेव पासवान, विनोद पासवान, सरजू राम, पवन राम, मदन राम, सकलदेव पासवान, संजय पासवान, छोटी पासवान तथा ग्राम बरकट्ठा निवासी विजय मोदी, जुनैद खान, कमाल खान, सुनीता देवी, सुरेश प्रसाद को बिजली चोरी करते हुये पकड़ा है। इस बाबत कनिय अभियंता अभिषेक आनंद ने बरकट्ठा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। बताया की यह अभियान बिजली बिल बकाया रखने और पोल से टोका लगाकर अतिरिक्त फेज खींचकर विद्युत उर्जा की चोरी करते हुए पकड़े गये हैं। जिनपर विद्युत विभाग के द्वारा आर्थिक जुमार्ना लगाते हुए थाने में मामला दर्ज कराया गया। कनिय अभियंता अभिषेक आनंद ने बताया की बिजली चोरी रोकथाम को लेकर चलाया जा रहा अभियान आगे भी जारी रहेगा।

छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन

उरीमारी (आजाद सिपाही)। एसएसडीएवी पब्लिक स्कूल सयाल में शनिवार को वार्षिक छात्रवृत्ति वितरण समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें उत्कृष्ट शैक्षणिक प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि झारखंड मुक्ति मोर्चा के हजारीबाग जिला अध्यक्ष संजीव बेदिया ने विद्यालय के शिक्षक, शिक्षिकाओं और छात्रों की कड़ी मेहनत की सराहना की। उन्होंने अगले साल के परिणामों के लिए अपनी ओर से अतिरिक्त छात्रवृत्ति देने का वादा भी किया। जिससे छात्रों को और प्रोत्साहन मिलेगा। कार्यक्रम में रामविलास यादव, संजय शर्मा, बीरेंद्र पासवान, अर्जुन सिंह और बुल्लू सिन्हा मौजूद थे। उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए छात्रवृत्ति मिली जिसमें एलकेजी अर्शिता सिंह, आहान पात्रा, दुर्गा कुमारी, सुगंधा कुमारी, रूहान। यूकेजी प्राची कुमारी, विवान कुमार, श्रेयांश उरांव, आयांश कुमार चौधरी, अंकित सोरेन। वहीं कक्षा वन में आराध्या अदिति, श्रेयांश साहू, अंकुश राज शर्मा। कक्षा टू में अरुण मुंडा, अनन्या चौधरी, असिसा सोरेन, अमर कुमार, वीर कुमार। कक्षा तीन में शिवांश कुमार गुप्ता, अनन्या कुमारी, अंश ओजस, समर्थ कुमार यादव, मोहित कुमार, अनिका कुमारी। कक्षा चार में एमडी इख्तियार याह्या, अपूर्व गुप्ता, शहरेयार रजा, अनुश्री कुमारी। कक्षा पांच में शौर्य कुमार, श्रेयांश कुमार, शिवम सोरेन। कक्षा छह में तुलिका रॉय, आरुश हंसदा, अंकित उरांव, अयान रजा शामिल हैं। इस अवसर पर बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए माता पिता उपस्थित थे। स्कूल के निदेशक अब्दुल मजीद और प्रधानाचार्या नीलम कुमारी के साथ-साथ शिक्षक कल्याण रॉय, आसिफ हुसैन, रीना कुमारी, ललिता एक्का, प्रीति सिंह, सिया सिंह, इमरान आलम, स्नेहा कुमारी, साधना कुमारी, सरिता कुमारी और अमान अख्तर मौजूद रहे। प्रधानाचार्या नीलम कुमारी ने कहा कि यह दिन कड़ी मेहनत और लगन का जश्न मनाता है, और वे मुख्य अतिथि के सहयोग के लिए आभारी हैं। एस एसडीएवी पब्लिक स्कूल सयाल छात्रों को उनकी पूरी क्षमता तक पहुंचने में मदद करने के लिए प्रतिबद्ध है।

एला एंगलाइज विद्यालय में वेदा मैटिक का आयोजन

भुरकुंडा (आजाद सिपाही)। एला एंगलाइज सीनियर सेकेंडरी विद्यालय बिरसा चौक भुरकुंडा में 17 जुलाई से चल रहे तीन दिवसीय वेदा मैटिक प्रतियोगिता का शनिवार को समापन हो गया। इस विशेष आयोजन में कक्षा 6 से 10 तक के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को वैदिक गणित की बुनियादी और उन्नत तकनीकों से परिचित कराना था, जिससे उनकी गणनात्मक दक्षता, तर्कशक्ति और मानसिक गणना क्षमता में अभूतपूर्व वृद्धि हो सके। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के प्रधानाचार्य विजयंत कुमार ने दीप प्रज्वलन व सरस्वती वंदना के साथ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि ह्यवैदिक गणित हमारी प्राचीन परंपरा का हिस्सा है, जो आज के प्रतिस्पर्धात्मक युग में छात्रों के लिए अत्यंत लाभकारी सिद्ध हो सकती है। इससे विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और तार्किक सोच विकसित होती है। आयोजन के दौरान छात्रों को वैदिक गणित के रोचक सूत्रों के माध्यम से कठिन से कठिन गणनाएं कुछ ही क्षणों में हल करना सिखाया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत मानसिक गणना, मौखिक क्विज और समयबद्ध गणितीय प्रश्नों की श्रृंखला आयोजित की गयी, जिसमें छात्रों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। विद्यालय में पहली बार आयोजित यह वेदा मैटिक कार्यक्रम छात्रों और अभिभावकों के लिए प्रेरणास्पद रहा, जिससे निश्चित रूप से गणित के प्रति रुचि बढ़ेगी और भविष्य में ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के विकास में सहायक सिद्ध होंगे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक अभिषेक कुमार ने किया। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय परिवार के सभी शिक्षकों व कर्मियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

अंधविश्वास के कारण की गयी व्यक्ति की हत्या

चतरा (आजाद सिपाही)। प्रतापपुर थाना क्षेत्र के टंडवा पंचायत अंतर्गत बरवाकोचवा गांव में अंधविश्वास के चलते कैल भारती नामक व्यक्ति की धारदार हथियार से निर्मम हत्या कर दी गयी। यह दिल दहला देने वाली घटना शुक्रवार रात की है। सूत्रों के अनुसार, इस जघन्य वारदात का मुख्य वजह ओझा-गुनी जैसी कुप्रथा बताया जा रहा है। घटना की सूचना मिलते ही प्रतापपुर थाना प्रभारी अपने दलबल के साथ तत्काल बरवाकोचवा गांव पहुंच कर घटना की जानकारी लिया तथा शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया। पुलिस गहनता से हर पहलू की जांच कर रही है ताकि इस अमानवीय कृत्य को अंजाम देने वाले दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार सजा दी जा सके।

किसान माह समारोह का आयोजन

चतरा (आजाद सिपाही)। बैंक ऑफ इंडिया, विकास भवन शाखा परिसर में किसान माह समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य कृषकों को बैंकिंग सेवाओं, ऋण योजनाओं और वित्तीय सशक्तिकरण की जानकारी देना था। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि बैंक ऑफ इंडिया के उप आंचलिक प्रबंधक (ऋण वसूली विभाग) खीरोध चंद्र साहु उपस्थित थे। इनके साथ अग्रणी जिला प्रबंधक अहसन अहमद, JSLPS के जिला प्रबंधक (वित्तीय समावेशन) आमोद कुमार सिंह, वरिष्ठ शाखा प्रबंधक चतरा शाखा चंद्रकांत मनी, शाखा प्रबंधक हेमंत कुमार, स्टार कृषि विकास केंद्र से प्रवीण कुमार, किसान और महिला स्वयं सहायता समूह (सखी मंडल) की सदस्यगण उपस्थित थे। इस मौके पर अग्रणी जिला प्रबंधक अहसन अहमद ने उपस्थित किसानों और समूह की महिलाओं को किसान क्रेडिट कार्ड योजना के संचालन, पात्रता, ऋण माफी योजना और बैंकिंग नियमों की जानकारी विस्तारपूर्वक दी। मुख्य अतिथि उप आंचलिक प्रबंधक खीरोध चंद्र साहु ने बैंकिंग प्रणाली, कृषि ऋण, ट्रैक्टर आ कृषि यंत्रों के लिए ऋण प्रक्रिया की जानकारी दी और किसानों को बैंक से जुड़कर अपनी आय बढ़ाने हेतु प्रेरित किया। इस मौके पर किसानों के बीच ऋण स्वीकृति पत्रों का वितरण और दो लाभुकों को ट्रैक्टर का ऋण स्वीकृति पत्र भी प्रदान किया गया।

नये प्रधानाचार्य श्रीप्रवीण ने संभाला पदभार

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। शहर के बाजार समिति स्थित रामप्रसाद चंद्रभान सरस्वती शिशु विद्या मंदिर में शनिवार को नये प्रधानाचार्य के रूप में श्रीप्रवीण ने पदभार ग्रहण किया। इस दौरान विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने उनका स्वागत किया और उन्हें बधाई दी। श्रीप्रवीण के पदभार ग्रहण करने से विद्यालय में नए युग की शुरूआत होने की उम्मीद है, जिसमें छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। विद्यालय के छात्रों और शिक्षकों ने श्रीप्रवीण के अनुभव और योग्यता की सराहना की है और उनके नेतृत्व में विद्यालय को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की उम्मीद करते हैं। प्रधानाचार्य ने भी अपने पदभार ग्रहण करने के बाद छात्रों और शिक्षकों को संबोधित करते हुए कहा कि वे विद्यालय को और भी बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे और छात्रों को सर्वांगीण विकास के अवसर प्रदान करेंगे। उन्होंने आचार्य, दीदी के साथ बैठक कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष बल देने को कहा। वहीं, चालक, उपचालक और अन्य कर्मचारी के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये। मौके पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सचिव शंकर लाल अग्रवाल ने भी उनका स्वागत किया।

एसपी अजय कुमार ने प्रेस वार्ता कर पूरे मामले की दी जानकारी

पांडेय गिरोह के चार अपराधी गिरफ्तार

एक देसी कट्टा, दो गोली, दो मोटरसाइकिल और मोबाइल किया जब्त

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। पांडेय गिरोह के सक्रिय अपराधियों पर रामगढ़ पुलिस ने एक बार फिर बड़ी कार्रवाई की है। भुरकुंडा जुबली कॉलेज में रंगदारी मांगने पहुंचे चार अपराधियों को पुलिस ने दबोचा है। उनके पास से एक देसी कट्टा, दो गोली, दो मोटरसाइकिल, मोबाइल जप्त किया गया है। इस मामले की जानकारी शनिवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने प्रेस कांफ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में हजारीबाग जिले के गिद्दी थाना क्षेत्र अंतर्गत गिद्दी ए मेन गेट निवासी शुभम कुमार सिंह उर्फ बिट्टू उर्फ चुसनी, धरम करमाली, विशाल सिंह उर्फ बाबू और टेहराटांड निवासी श्रवण कुमार गंझू शामिल हैं।

कॉलेज भवन निर्माण करा रहे मुंशी पर ताना बंदूक: एसपी अजय कुमार ने बताया कि पांडेय गिरोह के सदस्यों के द्वारा 9 जुलाई और 12 जुलाई को फोन कर रंगदारी मांगी गयी थी। कॉलेज भवन निर्माण कार्य में लगे ठेकेदारों को लगातार रंगदारी के लिए फोन जा रहा था। जब ठेकेदार ने पैसे नहीं पहुंचाये, तो शुक्रवार को दिनदहाड़े गैंग के सदस्यों ने शुभम कुमार सिंह के नेतृत्व में दहशत फैलाने की कोशिश की। दो बाइक पर सवार चारों अपराधी जुबली कॉलेज पहुंचे। वहां बाउंड्री फांधकर वे अंदर घुसे। वहां उन्होंने मौजूद मुंशी पर कट्टा तान दिया। इस दौरान फायरिंग कर दहशत फैलाने की कोशिश की। इसी बीच पुलिस को अपराधियों की सूचना मिली। तत्काल पतरातू एसडीपीओ गौरव गोस्वामी, भुरकुंडा थाना प्रभारी निर्भय कुमार गुप्ता, पतरातू थाना प्रभारी शिवलाल कुमार गुप्ता, बरकाकाना ओपी प्रभारी उमाशंकर वर्मा पूरी टीम के साथ वहां पहुंचे और अपराधियों को घेर लिया। अपराधियों ने भागने की नाकाम कोशिश भी की।

ओम प्रकाश साहू के निर्देश पर मांगी जा रही थी रंगदारी : गिरफ्तार शुभम, धरम, श्रवण और विशाल से पुलिस ने पूछताछ की। इस दौरान उन लोगों ने गिरोह के ओम प्रकाश साहू का नाम लिया। ओम प्रकाश साहू के निर्देश पर ही यह चारों रंगदारी लेने और दहशत फैलाने गये थे।

शुभम का रहा है आपराधिक इतिहास : गिरोह के सक्रिय सदस्य शुभम कुमार सिंह का आपराधिक इतिहास रहा है। वह पिछले दो वर्षों से गिरोह के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा था। उसके खिलाफ गिद्दी थाने में ही चार मामले दर्ज हैं। इसके अलावा भुरकुंडा ओपी क्षेत्र में भी दो मामले दर्ज हो गये हैं।

रामगढ़ में आतंक मचा रहे कोढ़ा गैंग का सरगना रामकुमार गिरफ्तार

रामगढ़। शहर में चोरी और छिंतई की वारदातों से आतंक मचाने वाला कोढ़ा गैंग का पदार्फाश हो गया है। रामगढ़ थाना प्रभारी डॉ पीके सिंह ने प्रसिद्ध कोढ़ा गैंग के सरगना रामकुमार यादव उर्फ अमन कुमार को गिरफ्तार कर लिया है। वह अपने एक साथी के साथ रांची रोड रेलवे स्टेशन पर किसी वारदात को अंजाम देने पहुंचा था। इसी दौरान उसे गिरफ्तार करने में पुलिस सफल रही। इस मामले की जानकारी शनिवार को रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने बताया कि गिरफ्तार कोढ़ा गैंग के सरगना राम कुमार यादव के पास से एक देसी कट्टा, दो जिंदा गोली, तीन खोखा, 9 एमएम का दो जिंदा गोली,? चोरी किए गए सोने के चेन का टूटा हुआ हिस्सा, चोरी की बाइक, मास्टर चाबच आदि बरामद हुआ है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात कोड गैंग के सरगना रामकुमार यादव उर्फ अमन कुमार अपने दोस्त राहुल कुमार यादव के साथ रांची रोड रेलवे स्टेशन पहुंचा था। उन लोगों के पास हथियार थे, इसलिए किसी अप्रिय घटना को अंजाम देने की योजना भी बना चुके थे। पुलिस को जैसे ही सूचना मिली छापेमारी शुरू हुई ।पुलिस टीम को देखकर काले रंग के अपाचे बाइक पर बैठकर राम और राहुल भागने लगे। पुलिस ने उस बाइक का पीछा किया। इसी दौरान इफीको को गेट के पास बाइक अनियंत्रित होकर पलट गई। इस हादसे में राम यादव जख्मी हो गया। बाइक पर सवार एक अन्य व्यक्ति जंगल झाड़ी का लाभ उठाकर भागने में सफल रहा। एसपी अजय कुमार ने बताया कि कोढ़ा गैंग ने अपने अपराध के तरीके में कुछ बदलाव किया है। पहले गैंग के सदस्य चोरी और छिंतई की घटनाओं को अंजाम देने के बाद लोकल मार्केट में ही उसे बेचते थे। रामगढ़ थाना प्रभारी इंस्पेक्टर पीके सिंह ने बताया कि रामकुमार यादव और उसके साथियों ने मिलकर पटना से बाइक चोरी की थी। बिहार राज्य के कटिहार जिला अंतर्गत कोढ़ा थाना क्षेत्र के नया टोला जुराबगंज निवासी रामकुमार यादव ने दहशत की कहानी भी बयां की है। पूछताछ के दौरान रामगढ़ थाना क्षेत्र में चोरी और छिंतई की कई वारदातों में राम यादव ने अपने संलिप्तता स्वीकार की है।रामगढ़ थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर डॉ पी के सिंह, सब इंस्पेक्टर उपेंद्र कुमार, सुमंत कुमार राय, राजेश मुंडा, बीरबल हेंब्रम, आरक्षी बबन राम, बासुदेव मरांडी, मिथलेश यादव, हवलदार राकेश कुमार शामिल थे।

आहार टूटने से किसानों की बढ़ी परेशानी यातायात भी बाधित

हंटरगंज / चतरा(आजाद सिपाही)। प्रखंड के उरैली गांव में चार दिन पूर्व हुए अतिवृष्टि के कारण कई आहार क्षतिग्रस्त हो गये। जिसमें सबसे ज्यादा नुकसान उरैली बुढ़वा आहर में कई जगहों पर दरार हो गया तथा एक जगह आधा पिंड टूटकर बह गया है। जिसके कारण आहर का पानी भी बह गया और आने जाने वाले लोगों को परेशानी हो रहा है। इस संबंध में स्थानीय मुखिया संजय सिंह और पंचायत समिति सदस्य रीता देवी ने अंचल अधिकारी और प्रखंड प्रमुख ममता कुमारी से आहर की मरम्मती आपदा प्रबंधन से करवाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आहार से किसानों की फसल की बुआई और रोपाई और समय समय पर सिंचाई किया जाता था। आहर की मेढ़ से लोगों का आवागमन हो रहा था। आहार का मेंढ़ टूट जाने से खासकर बच्चों को स्कूल जाना मुश्किल हो गया है। पंचायत समिति सदस्य रिता देवी ने बताया कि आहार का निर्माण नहीं हुआ तो बारिश होने के बाद सारा पानी बहकर लीलाजन नदी में चला जायेगा और किसानों को भारी क्षति होगा। इस संबंध में स्थानीय मुखिया ने बताया कि मुखिया का फंड में डेढ़ वर्षो से राशि नहीं आ रहा है। जिसके कारण मरम्मती का कार्य नहीं किया जा सकता है ।वही आपदा प्रबंधन से इसे बनवाने का आश्वसन दिया है।

कुजू वन प्रक्षेत्र में वन महोत्सव कार्यक्रम, लिया पौधरोपण संरक्षण संकल्प

हमारा अस्तित्व वनों पर आधारित: निर्मल महतो

आजाद सिपाही संवाददाता

कुजू। वन पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन विभाग के निर्देश पर रामगढ़ वन प्रमंडल के तत्वावधान में सर्वोदय निकेतन स्कूल, कुजू के समीप कुजू वन प्रक्षेत्र में वन महोत्सव का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मांडू विधायक निर्मल महतो और विशिष्ट अतिथि कुजू ओपी प्रभार प्रभारी अख्तर अली, सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल, विधायक प्रतिनिधि नरेश महतो, कुजू दक्षिणी मुखिया राकेश मेहता रॉक, कुजू पश्चिमी मुखिया जयकुमार ओझा, कुजू पूर्वी मुखिया ललिता देवी, पूर्व मुखिया अशोक कुमार, सर्वोदय निकेतन प्राचार्य सूर्यनाथ यादव शामिल रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों को पौधा भेंटकर देकर किया गया। कार्यक्रम के दौरान विधायक निर्मल महतो ने कहा कि वन ही जीवन है। वनों को संयोजकर रखने से हमें जीने के लिए शुद्ध हवा मिलेगा।

हमारा अस्तित्व वनों पर ही आधारित है। वनों से हमें मानसिक और शारीरिक शांति मिलती है। उन्होंने लोगों से मां के नाम एक एक पौधा लगाने की अपील की। तत्पश्चात आगत अतिथियों समेत स्थानीय पत्रकारों ने वन भूमि पर दर्जनों छायादार और फलदार पौधरोपण किया। इधर, कार्यक्रम के दौरान स्कूली बच्चों ने स्वागत गान और वन संरक्षण कविताएं प्रस्तुत की। वहीं, स्थानीय कलाकारों ने झारखंड संस्कृति से जुड़ी गायन कर लोगों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुजू रेंजर बटेश्वर पासवान व संचालन वनरक्षी देवेंद्र धर ने किया। मौके पर वनपाल आनंद कुमार, प्रभारी वनपाल यशवंत कुमार, रंजीत कुशवाहा, शिक्षक सत्यप्रकाश वर्मा, विस सांसद मीडिया प्रभारी रीमा कुमारी, जयकिशोर महतो, तेजनाथ महतो, कुजू वन समिति अध्यक्ष रंजीत कुमार, छोटकीडुंडी समिति अध्यक्ष वीरू महतो, वनरक्षी पवन अग्रवाल, रोहित कुमार, नीतेश मुंडा, अजीत कुमार, संजय कुमार, सरेंद्र कुमार, शिकारी हेम्ब्रोम, फुलेश्वर साव, नीतेश गुप्ता, रमेश चौधरी, गुलाम नबी, राजू नायक समेत कई लोग शामिल रहे।

दादी जी का झूला और सिंघारा उत्सव धूमधाम से मना

आजाद सिपाही संवाददाता

रामगढ़। श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट के तत्वाधान में शनिवार को शहर बिजुलिया तालाब रोड स्थित श्री रानी सती दादी मंदिर में दादी जी का झूला और सिंघारा उत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सदस्यों द्वारा मीठे-मीठे भजनों के बीच दादी भक्तों द्वारा दादी जी के हाथों में मेहंदी लगायी गयी। इस उत्सव के लिए दादी जी की अनन्य भक्त सुनीता चौधरी चास बोकारो को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया था। जिन्होंने अपने मधुर भजनों और धमाल के बीच सभी दादी भक्तों को झूमने पर मजबूर कर दिया। वही, दादी जी के दरबार को खुशबूदार विदेशी फूलों से सिंगार किया गया था, जो अलौकिक दरबार देखते ही बन रहा था। महाआरती और प्रसाद वितरण के साथ उत्सव का समापन किया गया। इस उत्सव में श्री रानी सती महिला मंगल समिति की सदस्य सुधा अग्रवाल, अनीता अग्रवाल, मंजू अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, सीमा मोदी, अनीता शर्मा, शशि जैन, शीला जैन, तरुण मित्तल, संजना अग्रवाल, निर्मल अग्रवाल, प्रीति जैन, बुलबुल अग्रवाल, नीतू अग्रवाल, पिंकी अग्रवाल, रीता अग्रवाल, प्रमिला अग्रवाल, नीलम अग्रवाल सहित दर्जनों दादी भक्त शामिल थी। उत्सव को सफल बनाने में श्री मारवाड़ी सेवा ट्रस्ट के सुनील अग्रवाल, महेंद्र अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, महावीर बोदिया, मुरारी अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, इंदर अग्रवाल आदि का योगदान रहा।

सांसद ने महिलाओं के बीच पोषण किट का किया वितरण

देश में स्वस्थ-मां स्वस्थ-शिशु रहे, केंद्र सरकार का है संकल्प : सांसद मनीष जायसवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

रजरप्पा। 19 जुलाई 2025 को हजारीबाग लोकसभा के सांसद मनीष जयसवाल के नेतृत्व में रामगढ़ जिला अंतर्गत दुलमी प्रखंड मुख्यालय में गेल (इंडिया) लिमिटेड के सीएसआर योजना अंतर्गत वित्त प्रदत्त 2025 देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से दुलमी में स्वास्थ्य मेला सह पोषण किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली मां और बच्चों(6 माह से 36 माह तक) को कुपोषण से बचाना है, ताकि स्वस्थ मां और स्वस्थ शिशु के संकल्प को हम साकार कर सकें। उक्त कार्यक्रम का आयोजन दुलमी ब्लॉक परिसर में किया गया, जिसमें 450 लाभार्थियों का निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण करने के साथ-साथ पोषण किट वितरण किया गया है।

सांसद ने बताया कि सभी माताओं बहनों की उपस्थिति और सहभागिता से इस प्रयास को और अधिक प्रभावशाली बनाती है, आने वाले समय में और भी व्यापक स्तर पर ऐसे आयोजन किये जायेंगे, ताकि अधिक से अधिक परिवारों तक स्वास्थ्य लाभ और पोषण कीट का लाभ पहुंचाया जा सके। सांसद ने बताया कि विगत माह मई और जून में पतरातु में 2400 पोषण किट वितरण किया जा चुका है, विगत दिनांक 17 जुलाई 2025 चरही में कुल 450 लाभार्थी को पोषण किट प्रदान किया, साथ ही साथ आज दुलमी में भी 450 लाभार्थियों को किट वितरण कराया गया है। जायसवाल ने बताया कि इस अभियान के अंतर्गत कुल 3300 परिजनों से यानी की कुल 20 हजार मतदाताओं के घर तक सीधा किट का लाभ पहुंचाया गया है। कार्यक्रम के आयोजनकर्ता युथ ऑफ इंडिया फाउंडेशन द्वारा किया गया है। इस कार्यक्रम से जनता में व्यापक खुशी की लहर है, जनसामान्य ने बताया की ऐसा भव्य कार्यक्रम दुलमी में होने से प्रधानमंत्री और मनीष जयसवाल के प्रति हमसभी लोग आभार जताते है। वहीं रामगढ़ जिला सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल ने कहा कि हमारे सांसद के द्वारा अपने लोकसभा क्षेत्र के लोगों के लिए लगातार नये नये जनकल्याणकारी योजना चलाई जा रही है। काफी प्रशंसनीय है। पोषण कीट वितरण कार्यक्रम के माध्यम से आज 450 गर्भवती महिलाओं के बीच पोषण कीट वितरण किया गया यह कीट गर्भवती महिलाओं के साथ साथ उनके आने वाले बच्चों के स्वास्थ्य को भी मजबूत करेगा। हमारे सांसद के द्वारा लोकसभा क्षेत्र में सरकारी विद्यालयों के बच्चों के बीच खेल सामग्री भी वितरण की जा रही है जिसमें क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन, बॉलीबॉल है। अपने साल भर के कार्यकाल मे ही अपने कार्य करने की सक्रियता को इन्होंने दर्शाया है।

वहीं जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता ने कहा कि हमारे सांसद ने सभी वर्गों के लिए लगातार कार्य कर रहे है। कार्यक्रम में बीजेपी के वरिष्ठ नेता व सांसद प्रतिनिधि राजीव जायसवाल बीजेपी रामगढ़ जिला अध्यक्ष प्रवीण मेहता, प्रखंड विकास पदाधिकारी अमित कुमार मिश्रा,दुलमी अंचल अधिकारी किशोरी यादव, बीजेपी रामगढ़ जिला महामंत्री विजय जायसवाल, छोटन सिंह, दुलमी प्रखंड के सांसद प्रतिनिधि बिक्की महतो,दुलमी मण्डल अध्यक्ष नरेश कुमार, वरिष्ठ बीजेपी नेता इंद्रदेव साव, बीजेपी नेता बबली सिंह,मच्छेंद्र कुमार,नवल मिश्र, रोहित केवट,बालेश्वर पांडे, गुलाब साव, रंजित नायक, कुंदन ठाकुर, संजय भगत, बाल्मीकि पहान, राजन पटेल, अमरनाथ रविदास, निसार अंसारी, प्रदीप कुमार, विनोद कुमार, बलराम महतो, राजेंद्र प्रजापति और दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

पीवीयूएनएल प्लांट के अड़चन को दूर करने के लिए हुई त्रिपक्षीय वार्ता

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। झारखंड की महत्वपूर्ण पतरातू विद्युत ऊर्जा निगम लिमिटेड की अड़चन लगभग खत्म हो गयी है। ग्रामीणों के साथ प्लांट प्रबंधन के संबंध बेहतर करने के लिए रामगढ़ जिला प्रशासन ने शनिवार को बेहद अहम बैठक की। इस बैठक में ग्रामीणों ने अपनी बातें रखी। जिस पर प्लांट प्रबंधन और जिला प्रशासन ने अपना पक्ष रखा। सहमति बनने के बाद पीवीयूएनएल का काम रसदा, बालकुदरा, जयनगर और गेगदा गांव में एक बार फिर से शुरू हो जायेगा। जमीन का सर्वे, भू अर्जन, नौकरी, ठेकेदारी, प्रदूषण, फसल क्षति, विस्थापित पहचान पत्र, सहकारी समिति निर्माण जैसे मुद्दे पर गंभीरता पूर्वक चर्चा हुई और ग्रामीणों को पूर्ण रूप से सहयोग करने का आश्वासन मिला। रामगढ़ डीसी फैज अक अहमद मुमताज की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में बड़कागांव विधायक रोशन लाल चौधरी भी मौजूद थे। बैठक के दौरान सर्वप्रथम डीसी द्वारा पतरातू प्रखंड में पीवीवीएनएल पावर प्लांट चालू करने को लेकर आ रही समस्याओं से सभी को अवगत कराया गया। इस दौरान सर्वे, भूअर्जन, नौकरी, ठेकेदारी कार्य, फसल क्षति, विस्थापित पहचान पत्र, सहकारी समिति निर्माण, फाइनेंसियल लिटरेसी, ग्रीवांस सेल निर्माण सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर पीवीयूएनएल के अधिकारियों, विधायक और संबंधित ग्राम के निवासियों के साथ चर्चा की गयी। मौके पर ग्राम के निवासियों द्वारा अपने पक्ष को सभी के समक्ष रखा गया। जिस पर डीसी एवं पीवीयूएनएल के अधिकारियों द्वारा कई महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गयी। बैठक में एसपी अजय कुमार, डीएफओ नीतीश कुमार, अपर समाहर्ता गीतांजलि कुमारी, अनुमंडल पदाधिकारी अनुराग कुमार तिवारी, भूमि सुधार उपसमाहर्ता दीप्ति प्रियंका कुजूर, प्रभारी पदाधिकारी गोपनीय शाखा रविंद्र कुमार गुप्ता, अंचल अधिकारी पतरातू, पीवीयूएनएल पदाधिकारी, रैयत सहित अन्य उपस्थित थे।

इंश्योरेंस फेल होने का दिया झांसा, ठग लिये 5.21 लाख

रामगढ़ (आजाद सिपाही)। साइबर क्रिमिनल्स फोन पर ही लोगों को अपने मायाजाल में फंसा कर उनकी गाढ़ी कमाई ठग रहे हैं। देशभर में ऐसे ठगों से बचने के लिए लगातार जागरूकता अभियान भी चल रहा है। इसके बावजूद लोग साइबर क्रिमिनल्स के झांसे में आ रहे हैं। रामगढ़ में एक बार फिर साइबर ठगी का एक बड़ा मामला सामने आया है। यहां इंश्योरेंस फेल होने का झांसा देकर साइबर क्रिमिनल्स ने 5 .21 लाख रुपए ठग लिए। इस मामले में बरकाकाना ओपी क्षेत्र के नया नगर निवासी मिथिलेश विश्वकर्मा पिता स्वर्गीय परीखा मिस्त्री ने रामगढ़ साइबर थाने में शनिवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि 13 जून को उनके मोबाइल पर एक कॉल आया। सामने वाले व्यक्ति ने अपनी पहचान मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के मुख्य शाखा गुड़गांव, हरियाणा के प्रबंधक के रूप में दी। उसने मिथिलेश विश्वकर्मा को मैक्स लाइफ इंश्योरेंस के फेल होने की बात कही। बातों ही बातों में उसने मिथिलेश विश्वकर्मा को अपने मायाजाल में फंसा लिया। इसके बाद मिथिलेश विश्वकर्मा ने 5 लाख 21 हजार 863 रुपए अलग-अलग ट्रांजैक्शन में उसे ट्रांसफर कर दिए। इतनी मोटी रकम ट्रांसफर करने के बावजूद जब मिथिलेश विश्वकर्मा को किसी भी प्रकार का कोई रिजल्ट नहीं मिला तो उनके होश उड़ गए।

उन्होंने पुलिस को बताया की बेटी की पढ़ाई के लिए उन्होंने यह रकम बचा कर रखी थी। वह अपना इंश्योरेंस चलाते थे। शायद इसी वजह से वह साइबर ठगों के जाल में फंस गए। इस घटना के बाद उन्हें ऐसा आघात लगा कि वह कोई कदम नहीं उठा पाए। एक महीने बाद उन्होंने रामगढ़ साइबर थाने में सूचना दर्ज कराई है। साइबर थाने के पदाधिकारियों ने आम नागरिकों को अलर्ट रहने की हिदायत दी है। अधिकारियों के अनुसार कोई भी व्यक्ति फोन पर किसी भी तरह की बात अगर करता है तो उसपर भरोसा ना करें। कोई भी सूचना अगर मैसेज, फोन कॉल या व्हाट्सएप पर आता है तो वे नजदीकी ब्रांच में इसकी जानकारी को वेरीफाई करें। किसी भी तथ्य को बिना वेरीफाई किए पैसों का ट्रांजैक्शन ना करें। कोई भी व्यक्ति फोन पर अगर ओटीपी मांगता है तो वह शेयर ना करें।

AFFIDAVIT

As per Affidavit Ref. No. 3383 date 19/07/2025. I, Jahid Ali, S/o Leyakat Mian, aged date of birth-24/03/1982, by faith-Islam, by occupation-Business, by nationality-Indian, R/o Vill-Ara Sarubera P.O-Sarubera P.S-Mandu, Distt-Ramgarh (Jharkhand) do hereby solemnly affirm and declare as follows :-
1. That my actual and correct name is Jahid Ali S/o Leyakat Mian which has been mentioned in my Aadhaar card bearing No-6061 6400 6035 Pan Card Voter ID Card Driving Licensing, Bank Passbook. 2. That my name has ben mentioned as Mohammad Jahid S/o. Liyakat Miyan in my passport vide No. K5491297. 3. That Jahid Ali S/o Leyakat Mian and Mohammad Jahid S/o. Liyakat Miyan, Both Name are same and single person i.e myself and my father.
4. that this affidavit is required for authority concern.

अमेरिका की कार्रवाई लेकिन काम अभी अधूरा

अमेरिका ने पाकिस्तान समर्थित और पहलगाम हमले के गुनहगार The Resistance Front (टीआरएफ) को वैश्विक आतंकी संगठन घोषित कर दिया है। यह भारत के प्रयासों की जीत है, लेकिन अभी हमले के दोषियों को न्याय के कटघरे में लाया जाना बाकी है। यह भी देखना होगा कि अमेरिकी कार्रवाई से पाकिस्तान पर कितना दबाव बनता है। जब तक इस्लामाबाद आतंकियों को स्पॉन्सर करता रहेगा, तब तक इस तरह के फ्रंट खड़े होते रहेंगे।

लश्कर का प्रॉक्सी : टीआरएफ पाकिस्तान के लश्कर-ए-तैयबा का ही एक चेहरा है। जब लश्कर और उसके सरगना हाफिज सईद पर कार्रवाई के लिए पाकिस्तान पर वैश्विक दबाव बढ़ने लगा, तो 2019 में उसने टीआरएफको प्रॉक्सी के तौर पर खड़ा कर दिया, तब से यह संगठन भारत में आतंकवाद को बढ़ावा दे रहा है। यह जम्मू-कश्मीर में आतंकियों की घुसपैठ ही नहीं, हथियारों और ड्रग्स की तस्करी में भी शामिल है। सरकार ने 2023 में इस पर बैन लगाया था।

बैन बेअसर : टीआरएफ को संसाधन और समर्थन दे रहा लश्कर-ए-तैयबा पहले ही ग्लोबल टेररिस्ट ग्रुप घोषित है। इसी तरह आतंकी मसूद अजहर के जैश-ए-मोहम्मद पर भी प्रतिबंध लगे हुए हैं। इसके बावजूद ये दोनों आतंकवादी संगठन सक्रिय हैं। दिखाने के लिए हाफिज सईद को जेल में रखा गया है, लेकिन उसकी गतिविधियां पहले की तरह जारी हैं और बाहर उसके बेटे तल्हा सईद ने आतंक फैलाने की कमान संभाल रखी है।

पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की भी भूमिका रही है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद डॉनल्ड ट्रंप उनकी मेजबानी करते दिखे। यही नहीं, पाकिस्तान के एयर चीफ ने भी अमेरिका का दौरा किया।

पाकिस्तान पर दबाव : लश्कर या जैश जैसे आतंकी संगठन अमेरिकी प्रतिबंधों के बावजूद खत्म नहीं हो पा रहे, क्योंकि उन्हें पाकिस्तान की तरफ से खुराक मिल रही है। जब इस्लामाबाद पर दबाव बढ़ता है, तो वह दिखावटी कदम उठा लेता है और आतंकवाद का कोई एक नया चेहरा तैयार कर दिया जाता है। टीआरएफ के मामले में अमेरिका को पाकिस्तान के सामने यह मुद्दा उठाना चाहिए कि लश्कर पर बैन होने के बावजूद कैसे उसने एक दूसरा फ्रंट बना लिया?

अमेरिकी नीति : सीमापार आतंकवाद को लेकर वॉशिंगटन का नजरिया भारत से अलग दिखता है। पहलगाम हमले के पीछे पाकिस्तानी सेना प्रमुख असीम मुनीर की भी भूमिका रही है, लेकिन कुछ ही दिनों बाद डॉनल्ड ट्रंप उनकी मेजबानी करते दिखे। यही नहीं, पाकिस्तान के एयर चीफ ने भी अमेरिका का दौरा किया। अगर अमेरिका टीआरएफ पर बैन का कोई सार्थक नतीजा देखना चाहता है, तो उसे पाकिस्तानी सेना पर प्रेशर बनाना चाहिए।

भारत के लिए मौका : पहलगाम हमले और पाकिस्तान के बीच कनेक्शन के कई सबूत सामने हैं। FATF ने भी मान लिया है कि बाहरी सपोर्ट के बिना इतना बड़ा हमला नहीं हो सकता था। टीआरएफ पर एक्शन का इस्तेमाल भारत को पाकिस्तान की घेरेबंदी करने और वैश्विक मंच पर उसे फिर से बेनकाब करने में करना चाहिए।

अभिमत
आजाद सिपाही

भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी और भाषावादी देश है। यहां प्रमुख रूप से और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं के अतिरिक्त लगभग 1600 से अधिक मातृभाषाएं, बोलियां हैं, जिनका अपना इतिहास, संस्कृति और साहित्य है। इस विविधता को न समझ पाने का लाभ आक्रांताओं के रूप में आये मुगलों और अंग्रेजों ने उठाया और भारतीय भाषाओं के सिर पर अपनी भाषाओं को थोप दिया। उर्दू और हिंदी मिल कर हिंदुस्तानी हो गयी और अंग्रेजी राजकाज में इस्तेमाल होने लगी।

भाषा विवाद अपनी राजनीति चमकाने और अस्तित्व के लिए

देश में भाषा को लेकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले दल हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हुए अपनी अस्मिता, संस्कृति और यहां तक कि साहित्य और सिनेमा तक के लिए खतरा बताते हैं। एक झूठ, कि हिंदी को जबरदस्ती लादा जा रहा है, निरंतर फैलाते रहते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हिंदी के बिना इन भाषाई ठेकेदारों का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

पूरन चंद सरीन

महाराष्ट्र में हिंदी बोलने पर मराठी भाषियों के एक वर्ग द्वारा विरोध और मारपीट करने की घटनाएं और कुछ नहीं, बल्कि एक संवेदनशील मुद्दे की आड़ लेकर अपनी राजनीतिक जमीन को उपजाऊ बनाए रखने की कोशिश है। यह परिपाटी बन गयी है कि जब भी लगे कि जनता को गुमराह कर अपना उल्लू सीधा करना है, तो भाषा की लड़ाई शुरू कर दो और यह केवल एक राज्य तक सीमित नहीं, देश भर में यह पैंतरा अपनाया जाता है। इससे किसका लाभ होता है, इसे समझना होगा।

भाषाओं का संगम : भारत विश्व का सबसे अधिक आबादी और भाषावादी देश है। यहां प्रमुख रूप से और सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त भाषाओं के अतिरिक्त लगभग 1600 से अधिक मातृभाषाएं, बोलियां हैं, जिनका अपना इतिहास, संस्कृति और साहित्य है। इस विविधता को न समझ पाने का लाभ आक्रांताओं के रूप में आये मुगलों और अंग्रेजों ने उठाया और भारतीय भाषाओं के सिर पर अपनी भाषाओं को थोप दिया। उर्दू और हिंदी मिल कर हिंदुस्तानी हो गयी और अंग्रेजी राजकाज में इस्तेमाल होने लगी।

जिन प्रदेशों में उनकी अपनी भाषाओं का बोलबाला था, उन पर भी अंग्रेजी लाद दी गयी।

राजनीतिक दलों को अपने स्वार्थ पूरे करने होते हैं और यह तब ही हो सकता है, जब वे किसी न किसी बात पर लोगों के बीच बिखराव पैदा कर सकें।

महात्मा गांधी को अंग्रेजों की चाल समझने में देर नहीं लगी। उन्होंने देखा कि हिंदी एक बहुत बड़े क्षेत्र में बोली जाती है, लेकिन पूरे देश में नहीं। उन्हें लगा होगा कि हिंदी को सर्वमान्य और पूरे देश को जोड़ कर रखने वाली भाषा बनाया जा सकता है, क्योंकि लड़ना है, तो अपनी एक भाषा तो होनी ही चाहिए। अगर हिन्दी को स्वीकार्य भाषा बनाना है, तो सबसे पहले उन राज्यों में इसे पहुंचाना होगा, जहां उनकी अपनी भाषाएं समृद्ध तो हैं, लेकिन उनके देशव्यापी बनने की संभावना नहीं है और हिंदी अपने विविध रूपों में आधे भारत द्वारा बोली और समझी जाती है।

आजादी की लड़ाई में हिंदी का प्रयोग सब जानते हैं। स्वतंत्र हुए तो कुछ नेताओं पर अंग्रेजी का नशा सिर चढ़ कर बोल रहा था और वे इसमें पारंगत होने की लालसा के अतिरिक्त अंग्रेजों को यह दिखाने में लगे रहते थे कि उनके जाने के बाद उन्होंने इसे पूरे देश की भाषा बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। जो अहिन्दी भाषी हिंदी सीख कर यह उम्मीद लगाये बैठे थे कि उन्हें रोजगार मिलने में आसानी होगी, उन्हें भारी झटका लगा, क्योंकि हिंदी की कद्र तो हिंदी भाषी राज्यों में ही नहीं थी, बल्कि सब जगह अंग्रेजी का बोलबाला था। इससे उन्हें अपने साथ धोखा हुआ, जैसा लगा और उन्होंने हिंदी के विरोध में झंडा उठा लिया, अपनी आवाज को इतना बुलंद किया कि देश भर में हिंदी विरोध की लहर फैल गई।

सरकार की अक्षमता : सरकार की नीति के अनुसार व्यावहारिक रूप से सभी प्रशासनिक कार्य केंद्र और सभी राज्यों में अंग्रेजी में होने लगे लेकिन क्योंकि हिंदी को भी कानून में अंग्रेजी के बराबर रखा गया था, इसलिए लीपापोती भी करनी थी। विद्वानों की ऐसी मंडली बनाई, जिसने अंग्रेजी शब्दों का हिंदी में ऐसा भ्रष्ट और घटिया अनुवाद किया कि उन्हें बोलना भी मुश्किल था।

उल्लेखनीय यह है कि ये सब अंग्रेजी में ही काम करते थे और उसी के पैरोकार थे लेकिन नाम हिंदी का लेते थे। ऐसे में हमारी जो क्षेत्रीय भाषाएं थीं, वे अलग-थलग पड़ कर अपनी पहचान बनाने का संघर्ष करने लगीं। इसका परिणाम यह हुआ कि वे अपने प्रदेश में हिंदी प्रदेशों से नौकरी या व्यापार करने आये लोगों का विरोध करने लगे। मराठी न बोल पाने पर पिटाई कर देना इसका ही उदाहरण है।

देश में भाषा को लेकर अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने वाले दल हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हुए अपनी अस्मिता, संस्कृति और यहां तक कि साहित्य और सिनेमा तक के लिए खतरा बताते हैं। एक झूठ, कि हिंदी को जबरदस्ती लादा जा रहा है, निरंतर फैलाते रहते हैं, जबकि सच्चाई यह है कि हिंदी के बिना इन भाषाई ठेकेदारों का कोई अस्तित्व ही नहीं है।

क्या महाराष्ट्र में हिंदी के बिना सिनेमा बन सकता है? तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में हिंदी के बिना काम चल सकता है? अन्य राज्यों की भाषाएं हिंदी के सहयोग बिना क्या अपना विस्तार कर सकती हैं?

हिंदी में अनुदित या रूपांतरित होकर सभी भाषाओं का श्रेष्ठ और राष्ट्रीय तथा विश्व स्तरीय साहित्य यदि पुस्तकों, नाटकों तथा सिनेमा के माध्यम से प्रसारित होता है, तो इसका अर्थ यह है कि सभी भाषाएं इसके वर्चस्व को स्वीकार करती हैं। लेकिन यह बात राजनीतिज्ञों को सबसे ज्यादा अखरती है कि उनके प्रदेश में, मिसाल के तौर पर हिंदी और मराठी भाषी लोग कैसे एक-दूसरे के साथ गलबहियां करते हैं और मिलजुल कर काम करते हैं। इस बात से किसी को कोई आपत्ति नहीं है कि उनके प्रदेश में उनकी भाषा को प्रोत्साहन मिले, लेकिन यदि इसके साथ ही हिंदी को भी रखा जाये, तो इससे राष्ट्रीय एकता को मजबूती मिलेगी, इसका विरोध क्यों होता है? राजनीतिक दलों को अपने स्वार्थ पूरे करने होते हैं और यह तब ही हो सकता है, जब वे किसी न किसी बात पर लोगों के बीच बिखराव पैदा कर सकें।

सरकार की मजबूरी : यह संयोग नहीं एक प्रयोग था कि तत्कालीन प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री को यह आदेश देना पड़ा कि जब तक अहिन्दी भाषी राज्य न चाहें, अंग्रेजी सरकारी कामकाज की भाषा बनी रहेगी। आज तक यही कायम है। इससे हिंदी की प्रतिष्ठा तो कम हुई ही, लेकिन क्षेत्रीय भाषाओं को भी कुछ नहीं मिला। वे सभी अंग्रेजी के अधीन काम करती हैं। तीन भाषाएं पढ़ने की नीति शुरू से गलत साबित हुई, क्योंकि इसे अमल में लाने के लिए दोगली नीति अपनाई गयी। हिंदी थोपे जाने का भ्रम इसी नीति ने पैदा किया। लोग भाषा को लेकर एक दूसरे से नफरत करने और आपस में लड़ने लगे। या तो जैसा है, वही स्वीकार करें, जैसे कि अंग्रेजी की अनिवार्यता और हिंदी सहित सभी भाषाएं उसके माध्यम से ही फले-फूलें अथवा कुछ और जिसके जरिए भारतीय भाषाओं के सामने उनकी पहचान का संकट न हो।

कोल्हान की खबरें

आरएसबी ग्लोबल ने 'एक पहल' की तीसरी वार्षगांठ मनायी

आजाद सिपाही संवाददाता

जमशेदपुर। देश की अग्रणी ऑटो व नॉन-ऑटो घटक निर्माण कंपनी आरएसबी ग्लोबल ने अपने महिला सशक्तिकरण मंच 'एक पहल' की तीसरी वर्षगांठ पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया।शनिवार को ह्लएक कदम, अनेक सपनेह्व की थीम पर आयोजित कार्यक्रम मे विभिन्न इकाइयों की महिला कर्मचारियों ने आत्मविश्वास और उत्साह के साथ भाग लिया।इस अवसर पर प्रेरणास्पद महिलाओं में पद्मश्री एवं द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता सह तीरंदाजी कोच पूर्णिमा महतो,अर्थशास्त्री, लेखिका व सामाजिक उद्यमी डॉ. पूर्णिमा डोरे,एवरेस्ट फतह करने वाली ओडिशा की सबसे युवा पर्वतारोही स्वर्णलता दलाई ने अपने जीवन संघर्ष और उपलब्धियों को साझा करते हुए महिलाओं को स्वावलंबन,नेतृत्व और सतत विकास के लिए प्रेरित किया।कार्यक्रम में ह्लकल की खोज, आज का बोझह्व नामक मंचन के माध्यम से प्लास्टिक प्रदूषण पर सार्थक संदेश दिया गया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ, टीम लीडरों के प्रेरक वक्तव्य और प्रतीकात्मक गतिविधियों ने आयोजन को जीवंत बना दिया। कार्यक्रम का संचालन जया सिंह और गजल भामरे ने प्रभावशाली ढंग से की।आरएसबी की कार्यकारी निदेशक निर्मला बेहरा के द्वारा प्रारंभ की गई ह्यएक पहलह्न अब एक सशक्त आंदोलन बन चुकी है। जो स्वास्थ्य और स्वच्छता,शिक्षा और विकास, सुरक्षा, सामुदायिक सेवा पर आधारित है।मौके पर उत्कृष्ट योगदान के लिए बिंदिया खंडका, मोनिका पैरा (कम्युनिटी इनिशिएटिव) और सुनिता भट्टमिश्र (सेफ्टी) को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।निर्मला बेहरा ने कहा एक छोटा कदम भी बड़े सपनों की नींव रख सकती है। ह्यएक पहलह्न आज आरएसबी की जनकेंद्रित संस्कृति और सामाजिक उत्तरदायित्व का उदाहरण बन चुका है। उन्होंने कहा नव-निर्वाचित पिलर लीडरों के साथ ह्यएक पहलह्न अब नवीन ऊर्जा और दृष्टिकोण के साथ सामाजिक बदलाव की दिशा में एक नए चरण में प्रवेश कर रही है।

पटमदा के प्रतिभावान बच्चे हुए सम्मानित

आजाद सिपाही सवांददाता

पटमदा। झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ भवन बेलटांड़ में बुद्धिजीवी मंच पटमदा की ओर से भव्य प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। शनिवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष राजकुमार सिंह शामिल हुए। मौके पर उन्होंने राष्ट्रीय साधन सह मेधा छात्रवृत्ति परीक्षा और मेडिकल इंजीनियरिंग प्रवेश परीक्षाओं के सफल विद्यार्थियों को सम्मानित किया। राजकुमार सिंह ने कहा पटमदा क्षेत्र शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति की ओर अग्रसर है, जो अत्यंत हर्ष की बात है। उन्होंने विद्यार्थियों को अनुशासन और समर्पण के साथ पढ़ाई करने की सलाह दी।श्री सिंह ने कहा सफलता निश्चित है यदि लक्ष्य स्पष्ट हो। उन्होंने आश्वासन दिया जरूरतमंद छात्रों की पढ़ाई में हरसंभव मदद की जाएगी।मौके पर जिला परिषद सदस्य प्रदीप बेसरा, थाना प्रभारी करमपाल भगत, समाजसेवी हाराधन महतो व जगदीश प्रसाद मंडल और इंटर कॉलेज जाल्ला के प्राचार्य अरुण कुमार ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। सभी ने बुद्धिजीवी मंच के पहल की सराहना की।इस अवसर पर पटमदा और बोड़ाम प्रखंड के सफलता प्राप्त 40 से अधिक बच्चों को पाठ्य सामग्री देकर सम्मानित किया गया।मौके पर नीट (मेडिकल प्रवेश परीक्षा) में सफल बोड़ाम की अर्पिता महतो,इंटर टॉपर एवं बीएचयू छात्र मनोज महतो,और जेईई मेंस सफल पटमदा के उत्तम कुमार सिंह को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।इस अवसर पर बुद्धिजीवी मंच पटमदा के अध्यक्ष गोपाल कुमार, सचिव कल्याण कुमार गोराई, कोषाध्यक्ष विजय कुमार मंडल, मिहिर कुमार प्रमाणिक, निताई चंद्र गोराई, रवींद्र नाथ सिंह और बृंदावन महतो समेत कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन निताई चंद्र गोराई व धन्यवाद ज्ञापन मिहिर कुमार प्रमाणिक ने की।यह आयोजन न केवल प्रतिभाशाली बच्चों को सम्मानित करने का माध्यम बना बल्कि क्षेत्र में शिक्षा के प्रति उत्साह और प्रेरणा का संदेश भी दिया।

सिदगोड़ा सूर्यधाम की जलाभिषेक यात्रा 28 जुलाई को, हजारों महिलाएं लेंगी भाग

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। श्रावण मास की तीसरी सोमवारी पर (28 जुलाई) सिदगोड़ा सूर्यधाम में आयोजित होने वाली भव्य जलाभिषेक यात्रा की तैयारियां जोरों पर हैं। बारीडीह हरि मंदिर मैदान से प्रातः 7 बजे यात्रा आरंभ होगी, जिसमें हजारों महिलाएं भाग लेंगी।समिति के वरिष्ठ सदस्य मिथिलेश सिंह यादव व खेमलाल चौधरी के नेतृत्व में विभिन्न क्षेत्रों में जनसम्पर्क व बैठकें जारी है।यात्रा में गंगाजल से जलाभिषेक, भक्तिमय झांकियां, गीत-संगीत और जयघोष शामिल रहेंगे।यात्रा के बाद मंदिर परिसर में भोग-प्रसाद का वितरण होगा और परिसर को फूल व विद्युत सज्जा से सजाया जाएगा। बैठक में सुधा यादव, उर्मिला दास, बिमला साहू समेत कई महिलाएं उपस्थित रहीं।

गम्हरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिव्यांग वृद्ध की मौत का मामला गरमाया

सरायकेला (आजाद सिपाही)। गम्हरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ओपीडी के सामने बीते दिनों एक दिव्यांग वृद्ध की मौत के मामले का डीसी ने संज्ञान में लिया। स्थानीय पूर्व पार्षद और ग्रामीणों ने मौत के लिए स्वास्थ्य केंद्र की लापरवाही को जिम्मेदार ठहराते हुए निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कार्रवाई की मांग की थी।शनिवार को डीसी नीतीश कुमार सिंह ने सरायकेला सिविल सर्जन को त्वरित जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिए।डीसी ने स्पष्ट किया जांच रिपोर्ट के आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी।सिविल सर्जन ने बताया डीसी के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम का गठन किया गया। टीम पूरे मामले की जांच पड़ताल कर रही है। उन्होंने आश्वासन दिया जांच निष्पक्ष तरीके से की जाएगी और यदि किसी की लापरवाही पाई गई तो प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।वही क्षेत्र के स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीणों में भारी आक्रोश देखा गया। उनका आरोप है स्वास्थ्य केंद्र में समय पर इलाज न मिलने और कर्मचारियों की उदासीनता के कारण दिव्यांग वृद्ध की जान गई है। उन्होंने चेतावनी दी यदि दोषियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो वे बड़ा आंदोलन करेंगे।अब सबकी निगाहें सिविल सर्जन द्वारा सौंपे जाने वाली जांच रिपोर्ट और प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं। ग्रामीणों की मांग है दोषियों की पहचान कर उन्हें जल्द से जल्द दंडित किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो सके।

समय कंस्ट्रक्शन प्रा. लि. में करोड़ों के गबन का आरोप, निदेशक राजेश सिंह ने कराया मामला दर्ज

जमशेदपुर (आजाद सिपाही)। समय कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड के निदेशक राजेश कुमार सिंह ने कंपनी के तीन अन्य निदेशकों अनूप रंजन, राम प्रकाश पांडेय और राजीव कुमार पर करोड़ों रुपये गबन करने के मामले में साकची थाना में मामला दर्ज कराया। राजेश कुमार सिंह के अनुसार अप्रैल 2017 से नवंबर 2024 के बीच करीब 9.06 करोड़ रुपए के गबन किया गया।उन्होंने आरोप लगाया उक्त राशि ब्याज और ब्याज के नाम पर फर्जी दस्तावेजों के माध्यम से कंपनी से निकाल ली गई, जबकि संबंधित निदेशकों ने न तो कंपनी में कोई पूंजी लगाई थी और न ही कोई लोन दिया था। उन्होंने कहा पूरा कृत्य एक आपराधिक षड्यंत्र और फर्जीवाड़े के तहत किया गया। राजेश सिंह ने बताया जब उन्होंने इसका विरोध किया और हिसाब मांगा, तो तीनों निदेशकों ने उन्हें और उनकी पत्नी को निदेशक पद से हटाने का प्रयास किया। जिसके विरुद्ध उन्होंने एनसीएलटी कोलकाता में केस दायर किया। कोर्ट ने कंपनी संरचना में बदलाव पर रोक लगा दी।

ग्रामीण विकास सचिव से मिले पोटका विधायक

जर्जर सड़कों की मुआवजे की उठाई मांग

आजाद सिपाही संवाददाता

रांची/पोटका। पोटका विधायक संजीव सरदार ने मंगलवार को ग्रामीण विकास विभाग के सचिव के. श्रीनिवासन से शिष्टाचार मुलाकात की। शनिवार को मुलाकात के दौरान विधायक ने पोटका प्रखंड में जर्जर सड़कों की मरम्मत और भारी बारिश से प्रभावित ग्रामीण परिवारों को तत्काल आवासीय मुआवजा और सहायता प्रदान करने की मांग प्रमुखता से रखी।विधायक श्री सरदार ने कहा पोटका के कई गांवों की सड़कें वर्षों से जर्जर हालत में हैं।ग्रामीणों को रोजमर्रा की आवाजाही में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने सचिव से अनुरोध किया ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत आने वाली योजनाओं के माध्यम से इन सड़कों का शीघ्र पुनर्निर्माण कराया जाए।वही विधायक ने हाल ही में हुई भारी वर्षा के कारण कई ग्रामीणों के घरों के क्षतिग्रस्त होने और आजीविका प्रभावित होने की जानकारी दी। उन्होंने पीड़ित परिवारों को बाबा साहब भीमराव अंबेडकर आवास योजना के तहत जल्द से जल्द राहत उपलब्ध कराने की मांग की।साथ ही विधायक श्री सरदार ने अबुआ आवास योजना में शामिल लाभुकों की सूची में हुई स्कोरिंग गड़बड़ी पर भी चिंता जताई। उन्होंने बताया त्रुटिपूर्ण स्कोरिंग के चलते कई वास्तविक जरूरतमंद परिवारों के नाम सूची में नीचे चले गए हैं, जिससे वे योजना के लाभ से वंचित रह सकते हैं।विधायक ने सचिव से अनुरोध किया सूची में संशोधन कर वास्तविक पात्रों का चयन सुनिश्चित किया जाए, ताकि सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ सही व्यक्तियों तक पहुंच सके।सचिव के. श्रीनिवासन ने विधायक की बातों को गंभीरता से लेते हुए उन्हें आश्वस्त किया सरकार पोटका क्षेत्र में सड़क निर्माण कार्यों को प्राथमिकता देगी।उन्होंने बताया आपदा प्रभावित परिवारों को आवासीय सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

उपायुक्त ने निर्माणाधीन जेल का किया निरीक्षण

उपकारा नगर ऊंटारी को शीघ्र शुरू करवाने की दिशा में तेजी लाने का निर्देश

एनएच-39 झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा पर विधि-व्यवस्था की भी की समीक्षा

आजाद सिपाही संवाददाता

बंशीधर नगर। शनिवार को उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी दिनेश कुमार यादव ने नगर ऊंटारी स्थित उपकारा (सब-जेल) का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भवन निर्माण की प्रगति, सुरक्षा मानकों, जल-विद्युत आपूर्ति, कैदियों के आवासीय प्रावधानों एवं मूलभूत सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। उपायुक्त ने जेल परिसर के सभी वार्डों का स्वयं निरीक्षण करते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि नगर ऊंटारी उपकारा को शीघ्र कार्यशील बनाया जायेगा, ताकि जिला में कारागार प्रबंधन और अधिक व्यवस्थित एवं प्रभावी हो सके। साथ ही, कारा के निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अभियंताओं को कड़ी हिदायत दी गई। उपायुक्त ने स्पष्ट किया कि आगामी वर्ष की शुरूआत से उपकारा को पूरी तरह से संचालन में लाने का लक्ष्य रखा गया है।

इस निरीक्षण के उपरांत उपायुक्त श्री यादव ने गढ़वा-झांसी राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-39) पर झारखंड-उत्तर प्रदेश सीमा स्थित बिलासपुर चेक पोस्ट का भी दौरा किया। वहां उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्र की विधि-व्यवस्था, पुलिस बल की तैनाती, निगरानी तंत्र एवं यातायात व्यवस्था की समीक्षा की।

उन्होंने निर्देश दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में सुरक्षा व्यवस्था को सतत मजबूत बनाये रखा जाये। संदिग्ध गतिविधियों पर पैनी निगरानी और वाहनों की नियमित जांच सुनिश्चित की जाये, ताकि राज्य की सीमाओं पर कानून व्यवस्था चाक-चौबंद बनी रहे।

इस अवसर पर उपायुक्त के साथ अनुमंडल पदाधिकारी सह जेल अधीक्षक गढ़वा संजय कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी नगर ऊंटारी प्रभाकर मिर्धा, भवन प्रमंडल के कार्यपालक अभियंता प्रेमलाल सिंह, अंचल अधिकारी नगर ऊंटरी विकास कुमार सिंह सहित जिला एवं पुलिस प्रशासन के अन्य वरीय अधिकारी भी उपस्थित थे।

सभी प्रखंड, अंचल तथा अन्य सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण लगातार किया जायेगा : उपायुक्त

बंशीधर नगर (आजाद सिपाही)। शनिवार को उपायुक्त दिनेश कुमार यादव द्वारा गढ़वा जिले के नगर ऊंटारी प्रखंड का दौरा करते हुए अनुमंडल कार्यालय श्री बंशीधर नगर, प्रखंड -सह- अंचल कार्यालय नगर ऊंटारी एवं नगर पंचायत कार्यालय श्री बंशीधर नगर का औचक निरीक्षण किया गया। उक्त कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री यादव द्वारा संबंधित कार्यालय प्रधान एवं उनके अधीन अन्य पदाधिकारियों, कर्मियों को अपने-अपने कार्यालय में दैनिक उपस्थिति निश्चित रूप से दर्ज करते हुए सरकारी कार्यों को निष्पादित करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपरोक्त सभी कार्यालयों की उपस्थित पंजी मंगाई गयी और कर्मियों को बुलाकर बातचीत किया गया। इस अवसर पर प्रखंड एवं अंचल कार्यालय में आए हुए ग्रामीणों से भी उपायुक्त ने संवाद कर उनके समस्याओं के समाधान हेतु संबंधित पदाधिकारियों को निदेशित किया। निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त श्री यादव ने पाया कि प्रखंड -सह- अंचल कार्यालय, नगर ऊंटारी के कार्यालय परिसर में ही छात्रों के लिए सरकारी योजनाओं के तहत वितरण किये जाने वाले साईकल असेंबल की जा रही है, जिसे प्रखंड परिसर के शालीन वातावरण के विरुद्ध मानते हुए इसे अनुचित ठहराया और कड़ी आपत्ति जतायी, साइकिल फिटिंग का कार्य किसी अन्य स्थान पर करने हेतु निर्देशित किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने सरकारी कार्यालयों के परिसर में गंदगी एवं अव्यवस्था नहीं फैलाने एवं कार्यालय परिसर को स्वच्छ रखने का निर्देश दिया। उपायुक्त ने कहा कि जिले के सभी प्रखंड, अंचल तथा अन्य सरकारी कार्यालयों का औचक निरीक्षण आगे भी लगातार किया जायेगा। निरीक्षण के दौरान यदि कोई भी कर्मी या पदाधिकारी अनुपस्थित पाये गये अथवा कार्यों में लापरवाही बरती गयी, तो निश्चित रूप से उनके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई सुनिश्चित की जायेगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को यह भी निर्देशित किया कि कार्यालय में ससमय उपस्थिति सुनिश्चित करते हुए समयबद्ध ढंग से सभी सरकारी कार्यों का निष्पादन किया जाये।

कांडी पुलिस ने 6 माह से लापता विक्षिप्त महिला को परिजनों से मिलाया

मिली जानकारी के अनुसार बीते शुक्रवार की शाम करीब 6:30 बजे चोराटी पहाड़ के पास एक महिला संदिग्ध अवस्था में पायी गयी, जो ठीक से बोल नहीं पा रही थी

आजाद सिपाही संवाददाता

कांडी। कांडी थाना क्षेत्र में एक सराहनीय मिसाल पेश करते हुए पुलिस ने एक विक्षिप्त महिला को उसके परिजनों से मिलाने में सफलता हासिल की है। मिली जानकारी के अनुसार, बीते शुक्रवार की शाम करीब 6:30 बजे चोराटी पहाड़ के पास एक महिला संदिग्ध अवस्था में पायी गयी, जो ठीक से बोल नहीं पा रही थी। महिला के पास एक थैला मिला, जिस पर 'पांकी बाजार' लिखा था। इस आधार पर कांडी पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए पांकी थाना से संपर्क साधा। पांकी पुलिस के सहयोग से महिला की पहचान परमिला देवी, पति विनेश उरांव, निवासी शिंजुआ, थाना पांकी, जिला पलामू के रूप में की गई। महिला के पुत्र बैजनाथ उरांव ने बताया कि उनकी मां करीब 6 माह पूर्व लापता हो गई थीं, जिसकी रिपोर्ट पांकी थाना में दर्ज करायी गयी थी। शनिवार को कांडी पुलिस द्वारा महिला को उनके पुत्र के सुपुर्द कर दिया गया। इस कार्य को लेकर परिजनों में खुशी की लहर है, वहीं स्थानीय लोगों ने कांडी पुलिस की सक्रियता और मानवता भरे कदम की जमकर प्रशंसा की है।

उपायुक्त का कार्यालय, हजारीबाग।

(जिला ग्रामीण विकास शाखा)

-: प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अन्तर्गत रिक्त पदों पर नियुक्ति संबंधी आवश्यक सूचना :-

जिला ग्रामीण विकास शाखा, हजारीबाग द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना–ग्रामीण अन्तर्गत प्रखण्ड समन्वयक एवं लेखापाल–सह–कम्प्यूटर ऑपरेटर के रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु अभ्यर्थियों से प्राप्त आवेदनों के आधार पर प्रारम्भिक औपबंधिक सूची जिले के वेबसाईट www.hazaribag.nic.in पर अपलोड किया गया है।

अभ्यर्थी अपनी जन्म तिथि, शैक्षणिक योग्यता के प्राप्तांक एवं अनुभव प्रमाण पत्र आदि की जॉच कर अपनी आपत्ति दिनांक 29/07/2025 तक कार्यालय अवधि में साक्ष्य सहित सीधे इस कार्यालय में समर्पित कर सकते हैं। निर्धारित तिथि के पश्चात् अभ्यर्थियों के दावा/ आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

उप विकास आयुक्त,
हजारीबाग।

PR 357777 Hazaribag(25-26)D

बीएचएमएस के जूनियर बैच ने अपने सीनियर स्टूडेंट के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया

आजाद सिपाही संवाददाता

गढ़वा। देवकी महावीर होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेज एंड रिसर्च हॉस्पिटल में बीएचएमएस के जूनियर बैच ने अपने सीनियर बीएचएमएस बैच 2018-19 और 2019-20 के लिए एक भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम गुरुपद संभवराम ऑडिटोरियम में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बीडीएसयू के कुलाधिपति दिनेश प्रसाद सिंह और बीडीएसयू के कुलपति प्रोफेसर (डॉ.) एमके सिंह उपस्थित थे।

कार्यक्रम में सीनियर छात्रों को सम्मानित किया गया। कुलाधिपति ने अपने संबोधन में बच्चों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देते हुए एक अच्छा होम्योपैथिक चिकित्सक बनकर समाज में वंचित और गरीब लोगों को इलाज देने का आह्वान किया। कुलपति ने अपने संबोधन में छात्रों को सफल होम्योपैथिक चिकित्सक बनने की शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर, कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर (डॉ.) केशवेंद्र कुमार तिवारी ने अपने भाषण में सीनियर छात्रों को उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं और जूनियर छात्रों को उनके आयोजन के लिए बधाई दी। कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ और सभी उपस्थित लोगों ने इसका आनंद लिया।

बाबाधाम के लिए युवा जत्था हुआ रवाना

रमना (आजाद सिपाही)। रमना प्रखंड के हरादाग कला के भारी संख्या में बाबाधाम के लिए जत्था युवा जागरण मंच के तत्वधान में रवाना हुए। इसके पूर्व स्थानीय मंदिरों में गाजे बाजे व पूजा अर्चना के बाद रवाना हुए। इस अवसर पर कावरियो ने बोल बम,जय भोलेनाथ आदि के गगन चुंबी नारे लगाये। इस अवसर पर कावरियों ने कहा कि घर परिवार गांव घर के खुशहाली को लेकर बाबा भोलेनाथ का दर्शन कर प्रार्थना करेंगे। इस दरम्यान पूरा क्षेत्र भक्तिमय हो गया। इस मौके पर मंच के कोषाध्यक्ष डॉक्टर अशोक चौधरी, सकेंद्र चौधरी, विनोद चौधरी, नंदलाल चौधरी, कमलेश चौधरी, वार्ड सदस्य रामनाथ चौधरी, बुद्धि नारायण साह, संतोष साह, संतान साह, अनिल चौधरी, जितेंद्र, सुनील, सोभन, विमलेश, तुलसी चौधरी, राजेंद्र सिंह सहित कई लोग मौजूद थे।

थाना दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम

भंडरिया (आजाद सिपाही)। भंडरिया थाना परिसर मे थाना दिवस के अवसर पर पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें कुल डेढ़ सौ छायादार एवं फलदार पौधे लगाये गये। इस कार्यक्रम में सीडीपीओ रोहित रंजन सिंह व थाना प्रभारी सह इंस्पेक्टर अभिजीत गौतम मिश्रा संयुक्त रूप से पौधा रोपण कर इसकी शुरूआत की। इस अवसर पर एसडीपीओ रोहित रंजन सिंह ने कहा कि वृक्षों के बिना जीवन संभव नहीं है। यह हमारा कर्तव्य है कि हम अधिक से अधिक पौधा लगायें और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करें। इस मौके पर उपस्थित किशोर कुमार दिलीप रंजन व सभी थाना परिसर के पदाधिकारी उपस्थित थे।

उपायुक्त का कार्यालय, कोडरमा (जिला आपूर्ति शाखा)

आम–सूचना

एतद् द्वारा सूचीत किया जाता है कि प्रखण्ड आपूर्ति पदाधिकारी, कोडरमा जिला से प्राप्त प्रतिवेदन के आलोक में PHH, AAY एवं GREEN राशन कार्डधारियों अन्तर्गत विभिन्न कारणों से निम्न अयोग्य लाभुको का नाम विलोपित का आदेश दिया जाता है जो निम्नवत है:–

क्र०	प्रखण्ड का नाम	कार्डधारी की श्रेणी	विलोपित किए जाने का कारण	रद्दीकरण के लिए राशन कार्ड की संख्या	अयोग्य सदस्यों की संख्या
01	चन्दवारा	NFSA अन्तर्गत PHH, AAY एवं GREEN राशन कार्डधारियों	01 (एक) वर्ष या उससे अधिक दिनों से/समय से खाद्यान्न का उठाव नहीं किया जाना।	193	364
02	डोमचांच			332	742
03	जयनगर			102	224
04	झुमरी तिलैया			332	841
05	कोडरमा			290	604
06	नगर पंचायत कोडरमा			72	172
07	मरकच्चो			305	689
08	सतगाँवा			464	1288
			कुल:–	2090	4924

1. झारखण्ड लक्षित जन वितरण प्रणाली (नियंत्रण) आदेश 2024 के कंडिका 6 (X) (ग) में प्रावधानित है कि छः माह से अधिक अवधि से जन वितरण प्रणाली दुकान से सरकार द्वारा प्रदत्त किसी भी प्रकार की सामग्री का उठाव नहीं किए जाने पर राशन कार्ड रद्दीकरण योग्य होगा।
2. विलोपन हेतु अयोग्य कार्डधारियों/लाभुकों की विस्तृत विवरणी (राशन कार्ड के साथ) जिला कोडरमा के वेबसाईट www .koderma.nic.in पर उपलब्ध है।
3. अगर किसी कार्डधारी/लाभुक को उनके राशन कार्ड के विलोपित होने पर आपत्ति है तो दिनांक 25.07.2025 तक कार्यालय में अपना दावा आपत्ति दर्ज करा सकते है।

जिला आपूर्ति पदाधिकारी,
कोडरमा।

PR.NO.357715 Food Public Distribution and Consumer Affairs(25-26):D

आरके पब्लिक स्कूल, उचरी, मझिआंव में नये बदलाव : एफ एफ – II परीक्षा परिणाम घोषित

आजाद सिपाही संवाददाता

मझिआंव। शनिवार को आरके पब्लिक स्कूल, उचरी, मझिआंव में अलख नाथ पांडेय एवं नये प्रधानाचार्य केआर झा के द्वारा एफ ए-II की परीक्षा के परिणाम घोषित किये गये। इस अवसर पर अभिभावकों और शिक्षकों की उपस्थिति रही, जिसमें छात्रों की शैक्षणिक प्रगति पर चर्चा की गयी। इस सम्मेलन के साथ ही एक और महत्वपूर्ण आयोजन हुआ, स्कूल की नयी टाटा बस का उद्घाटन किया गया। अपने संबोधन में निदेशक पांडेय ने नये प्राचार्य केआर झा का सभी अभिभावकों से परिचय कराते हुए कहा कि विद्यालय के लिए हर्ष का विषय है कि श्री झा ने प्राचार्य के रूप में यहां योगदान किया। इन्हें बिहार, झारखंड, एवं अरुणाचल प्रदेश के विभिन्न प्रतिष्ठत विधालयों में शिक्षण का अनुभव है। ये रांची के ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में उप प्राचार्य एवं प्रभारी प्राचार्य के रूप में काम कर चुके हैं। श्री झा सीबीएसई के प्रसिद्ध रिसोर्स पर्सन और मास्टर ट्रेनर हैं। इनका लाभ विद्यालय को निश्चित मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से उनके विद्यार्थियों के शैक्षणिक विकास में निरंतरता आयेगी, इस तरह के नवाचारी कदम छात्रों की शिक्षा और सुविधाओं में बदलाव लायेंगे। उपस्थित अभिभावकों ने विद्यार्थियों की प्रगति, विद्यालय की सुविधाएं, साफ -सफाई एवं हरा भरा प्रांगण होने पर प्रसन्नता अभिव्यक्त करते हुए कहा है कि हमें विश्वास है कि आगे भी स्कूल प्रबंधन के द्वारा इसी तरह के निर्णायक फैसले छात्रों के हित में लिए जायेंगे।

थाना दिवस पर 24 जमीनी मामलों की हुई सुनवाई

बरडीहा (आजाद सिपाही)। बरडीहा थाना परिसर में शनिवार को थाना दिवस का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता बीडीओ सह सीओ राकेश सहाय ने की। कार्यक्रम के दौरान भूमि विवाद सहित अन्य मामलों से संबंधित कुल 24 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से अंचल स्तर के मामलों का तत्काल निपटारा किया गया। जबकि जिला स्तरीय मामलों को अग्रेतर कार्रवाई के लिए जिला मुख्यालय भेजा गया। इस अवसर पर थाना प्रभारी ऋषिकेश कुमार सिंह ने उपस्थित ग्रामीणों को ट्रैफिक नियमों के पालन को लेकर भी जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बारिश के मौसम में सड़कों पर फिसलन अधिक होती है, ऐसे में दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन चलाते समय सीट बेल्ट का उपयोग अत्यंत आवश्यक है। सुरक्षा के लिहाज से यह नियम जीवन रक्षक सिद्ध हो सकते हैं। कार्यक्रम में कई अन्य पदाधिकारी एवं कर्मी भी उपस्थित थे।

कार्यालयः– अभिहित अधिकारी–सह–अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, कोडरमा

(खाद्य सुरक्षा शाखा)

प्रेस विज्ञप्ति

खाद्य करोबारकर्त्ता के लिए आम सूचना आगामी त्योहारें के मद्देनजर सभी खाद्य कारोंबारियों मिठाई दुकान संचालक रेस्टोरेंट/ढाबा/होटल संचालक थोक विक्रेता खुदरा एवं फुटकर विक्रेता वितरक फल/सब्जी विक्रेता दवा विक्रेता मीट/मुर्गा/मछली विक्रेता एवं Fast Food विक्रेता इत्यादि को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित बिन्दुओं का शत–प्रतिशत अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगे:–

1. मिठाई बनाने वाले खाद्य कारोबारियों को सख्त निर्देश दिया जाता है कि मिठाईयों को सुरक्षित एवं अत्याधिक आकर्शक बनाने एवं रखने के लिए आवांछित केमिकल एवं स्वास्थ्य पर प्रतिकूल असर डालने वाले अखाध/औधोगिक आकर्शक रंगों का उपयोग नहीं करेंगे। साथ ही FSSAI द्वारा अधिकृत प्राकृतिक एवं कृत्रिम रंगों का मिठाईयों में उपयोग तय मानक (100 Ppm या 100 mg/L) के अनुरूप ही करेंगे।
2. विभिन्न प्रकार के मिठाईयों में जैसें :– खोवा/मावा/रसगुल्ला/छेना में आरारोट/आटा/मैदा/सूजी इत्यादि काजू बर्फी में गुलकोज,आटा,मैदा एवं धी में रिफाइन/तेल इत्यादि का मिलावट नहीं करेंगे।
3. अपने–अपने खाद्य प्रतिश्ठानों में FSSAI License/Registration no. का प्रमाण–पत्र अपने परिसर के प्रमुख स्थान पर दर्शाना सुनिश्चित करेंगे।
4. विभिन्न खाद्य पदार्थो का निर्माण करते समय सभी कर्मियों के द्वारा संबंधित मिठाई/संस्तरा/होटल/ढाबा में Handgloves, Hairnet, बाल ढकने का टोपी एवं Mask आदि का उपयोग करवाना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही खाद्य परिसर का समुचित साफ–सफाई रखना सुनिश्चित करेंगे।
5. यदि किसी कारण वश अभी तक FSSAI License/Registration no नहीं लिया है अथवा Renewal नहीं कराया है, तो सात दिनों के अन्दर WWW.foscos.Fssai.gov.in_पर जाकर Online वार्शिक कारोबार के अनुसार (12 लाख से कम FSSAI Registraation एवं 12 लाख से अधिक, FSSAI License) आवेदन करना सुनिश्चित करेंगे।
6. ज्ञात हो कि बिना Valid FSSAI License/ Registration के खाद्य कारोबार करने पर अधिकतम 10 लाख रूप्ये तक का जुर्माना हो सकता है।
7. पैकेट बद खाद्य पदार्थ बिना FSSAI License No., बनाने या पैकिंग की तिथि Expiry की तिथि, Batch no., Nutritional सूचना इत्यादि के कय–विकय करना FSS Act.2006 की धारा–52 के तहत दंडनीय अपराध है।
8. सभी खाद्य पदार्थो को केवल लाइसेंस प्राप्त या रजिस्टर्ड विक्रेताओं से ही खरीदने एवं बेचने के साथ ही इसका रिकॉर्ड रखना सुनिश्चित करेंगे।
9. तले भुने हुए गर्म खाद्य पदार्थो जैसे–समोसे,पकौडे,जलेबी,कचरी,बरा,ढुसका आदि को अखबार प्रिन्टेंड पेपर एवं प्लास्टिक/पॉलिथीन में देना सख्त मना है।
10. सभी होटल एवं रेस्टोरेंट के सुचालकों द्वारा उनके यहाँ कार्यरत कर्मियो का नियमाकुल स्वास्थ्य जॉच कराना एवं मेडिकल फिटनेस प्रमाण–पत्र रखना आवश्यक है। साथ ही पानी की गुणवत्ता की जॉच का प्रमाण पत्र भी रखना सुनिश्चित करेंगे।
11. होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई विक्रेता एवं अन्य फास्ट फूड दुकानदार विशेश रूप से दूध,पनीर,खोवा/मावा इत्यादि फूड लाईसेंसधारी वेंडर से ही लेंगे एवं उक्त वेंडर का फूड लाईसेंस व बिल दुकान में रखना सुनिश्चित करेंगे। निरीक्षण के कम में अज्ञात स्त्रोत से प्राप्त सामग्रियों को जॉच कर,जप्त एवं नश्ट करते हुए नियामानुसार कार्रवाई की जा सकती है।
12. सभी स्ट्रीट फूड वेंडर मेला क्षेत्र में लगने वाले अस्थाई स्ट्रीट वेंडर सहित बिकी कि जाने वाले खाद्य सामग्रियों को ठीक से ढक कर रखेंगे एवं वैध FSSAI फूड लाईसेंस/रजिस्ट्रेशन लेकर ही कारोबार करेंगे।
13. सडक/नाला किनारे एवं खुले में मुर्गा मॉस एवं मछली दुकानों का संचालन करना पूर्णतः प्रतिबंधित है।साथ ही सभी मीट विक्रेता अपने परिसर में ब्लैक (Black) शीश लगा करके ही कारोबार करना सुनिश्चित करेंगे।

उपरोक्त सभी दिशा–निर्देशों का अनुपालन नहीं करने पर खाद्य सुरक्षा एवं अधिनियम–2006 की सुसंगत धाराओं के तहत विधि–सम्मत कार्रवाई की जायेगी।

Note :- साथ ही उपभोक्ताओं को भी सूचित किया जाता है कि यदि किसी खाद्य कारोबारी के द्वारा मिलावटी Expiry अथवा किसी प्रकार का अवमानक खाद्य सामग्री दिया जाता है,तो इसकी शिकायत खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी,कोडरमा मो0 9971838804 तथा Food Safety Connect App पर अवश्य करें।

इसे अति आवश्यक समझा जाय।

अभिहित अधिकारी–सह–
अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी,
कोडरमा।

PR 357731 Health Med Edu and Family Welfare(25-26)D

बिजली पोल गाड़ने में लापरवाही, ग्रामीणों ने उठाये निर्माण की गुणवत्ता पर सवाल

आजाद सिपाही संवाददाता

डंडई। प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली व्यवस्था सुधारने के उद्देश्य से पोल लगाये जा रहे हैं, लेकिन निर्माण कार्य में भारी अनियमितता और लापरवाही सामने आ रही है। शनिवार को रारो गांव स्थित सकील अंसारी, रमेश राम, जमील अंसारी, कमलेश राम, मुस्तकीम अंसारी और विजय प्रजापति के घरों के पास पोल गाड़ने के दौरान ग्रामीणों ने निर्माण में गंभीर खामियों को देखा। स्थानीय लोगों का आरोप है कि बिजली पोल गाड़ते समय न तो छरी डाली गयी और न ही बालू व सीमेंट जैसी बुनियादी निर्माण सामग्री का उपयोग किया गया। ग्रामीणों ने बताया कि पोल खड़ा करने के लिए केवल वीसी,छरी के टुकड़े (चिप्स) और पानी का इस्तेमाल किया गया, जिससे पोल की मजबूती और टिकाऊपन पर सवाल उठ रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस तरह के कमजोर पोल कभी भी गिर सकते हैं, जिससे न केवल बिजली आपूर्ति बाधित होगी बल्कि जान-माल की हानि की भी संभावना बनी रहेगी। उन्होंने चिंता जताई कि यदि समय रहते इस पर ध्यान नहीं दिया गया, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा हो सकता है।

स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग से मामले की जांच कर उचित कार्रवाई की मांग की है, ताकि विकास कार्यों में गुणवत्ता से समझौता न हो और लोगों की सुरक्षा बनी रहे। ग्रामीणों का कहना है कि सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास योजनाएं सराहनीय हैं, लेकिन यदि निर्माण में गुणवत्ता से समझौता किया जायेगा, तो इसका लाभ आम लोगों तक नहीं पहुंच पायेगा। ग्रामीणों ने प्रशासन से आग्रह किया है कि बिजली पोल गाड़ने के काम की निगरानी सुनिश्चित की जाये, ताकि निर्माण कार्य पूरी पारदर्शिता और तकनीकी मानकों के अनुरूप हो सके और लोगों की सुरक्षा बनी रहे।

श्रवण पुनः युवा मोर्चा गढ़वा जिलाध्यक्ष बने, लोगों ने दी बधाई

रंका (आजाद सिपाही)। झारखंड मुक्ति मोर्चा गढ़वा के पूर्व युवा जिलाध्यक्ष श्रवण कुमार सिंह उर्फ संजय छोटू ने दुबारा पुनः युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर खुशी जाहिर करते हुए पार्टी संस्थापक संरक्षक बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन, झामुमो केन्द्रीय अध्यक्ष सह मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, केंद्रीय महासचिव पूर्व मंत्री मिथिलेश ठाकुर एवं पार्टी के वरिष्ठ नेताओं का तहेदिल से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा है कि उन्हें पुनः झारखंड मुक्ति मोर्चा, युवा मोर्चा गढ़वा के जिलाध्यक्ष की जिम्मेवारी देने के लिए सभी का आभार व्यक्त करता हूं।

बरवाडीह में बारिश से हुये नुकसान का सर्वेक्षण करने का सीओ ने दिया निर्देश

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड क्षेत्र में लगातार हो रही मूसलधार वर्षा ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित कर दिया है। कई गांवों में जलजमाव, कच्चे मकानों के गिरने और फसलों को नुकसान की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। हालात की गंभीरता को देखते हुए सीओ मनोज कुमार ने त्वरित कार्रवाई करते अंचल के सभी राजस्व कर्मचारियों को अपने- अपने हल्का क्षेत्रों में क्षति का आकलन करने का निर्देश दिया है। कहा कि वर्षा के कारण कई ग्रामीण परिवार बेघर हो चुके हैं, जिन्हें तात्कालिक राहत की आवश्यकता है। वहीं, खेतों में लगी फसलें भी जलभराव की चपेट में आकर नष्ट हो रही हैं, जिससे किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सीओ ने स्पष्ट किया कि राजस्व कर्मचारी क्षेत्र भ्रमण कर जो भी नुकसान का ब्यौरा देंगे, उसी आधार पर पीड़ित परिवारों को आर्थिक सहायता दी जायेगी।

पौधरोपण में लगायी गयी पेड़ की डाली, छात्र-छात्राओं में आक्रोश

बरवाडीह (आजाद सिपाही)। बरवाडीह प्रखंड अंतर्गत उकामाड पंचायत के मुरु गांव स्थित उत्क्रमित हाई स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक बृन्दा सिंह के द्वारा विद्यालय परिसर में पौधरोपण के नाम पेड़ के डाली काट कर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिससे स्कूली छात्रों मे काफी आक्रोश है। क्लास 9 वीं और 10 वीं की छात्र छात्राओं ने कहा कि प्रधाना ध्यापक बृन्दा सिंह स्कूल परिसर मे लगे बड़े पेड़ की डाली को स्कूली छात्र से कटवा कर उस डाली पत्ता सहित जमीन में छात्राओ से गडवा दिया और गाड़े गये डाली के सामने छात्र- छात्राओं के साथ खड़ा कर के सामूहिक फोटो करवा कर लातेहार शिक्षा विभाग मे भेज कर अधिकारियों को फोन पर कहा गया कि सर मेरा विद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम हो गया। जो सरकार को धोखा दिया जा रहा है। वहीं छात्र-छात्राओं के कहना है कि प्रधांध्यापक की धांधली से स्कूल में उच्चे क्लास के छात्र-छात्राओं को शौच करने स्कूल से बाहर खेत मे जाना पड़ रहा है। प्रधानध्यापक से कहने पर कहते है पुरा खाली मैदान तो है शौच बाहर करने मे कोई परेशानी नहीं होनी चाहिए। शौचालय मे तुम लोगों को शौच नही करने आयेगा बाहर कर लिया करो। शौचालय बनवाने मेरा पैसा खर्चा होता है। वहीं से गुप्त सूचना मिली की विद्यालय में मध्यान भोजन के नाम पर 15 से 20 छात्रों को रोज फर्जी हाजरी बनाकर फर्जी तरीको से राशि की निकासी की जाती है।

डायलिसिस मरीजों को नहीं होना होगी परेशान, पूर्व राज्यसभा सांसद ने की पहल

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सदर अस्पताल में स्थित डायलिसिस सेंटर में फिलहाल मरीजों का डायलिसिस प्रभावित है। डायलिसिस सेंटर में कुल चार डायलिसिस मशीन हैं। मामले में सिविल सर्जन का कहना है कि मशीनें लगभग एक सप्ताह से खराब पड़ी हुई हैं। मशीनों में कार्बन की समस्या आ गयी है। जिसको लेकर डायलिसिस केंद्र संचालित करने वाले एजेंसी को स्वास्थ्य विभाग की ओर से जल्द मशीनों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। इन सब के बीच समस्या की जानकारी होने पर पूर्व राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू ने झारखंड सरकार के स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी से समस्या को लेकर चर्चा की। साथ ही समस्याओं को त्वरित रूप से हल करने को लेकर पहल करने का अनुरोध भी किया। पूर्व राज्यसभा सदस्य धीरज प्रसाद साहू ने कहा कि लोहरदगा जिला के मरीजों के लिए डायलिसिस सेंटर काफी महत्वपूर्ण है। यहां पर प्रतिदिन आठ से दस मरीज का डायलिसिस होता था। जिससे उन्हें काफी राहत मिल रही थी। काफी कम खर्चे में मरीज को डायलिसिस की सुविधा प्राप्त हो रही थी। डायलिसिस मशीनों के खराब होने से मरीजों को डायलिसिस के लिए रांची जाना पड़ रहा है। उन पर काफी आर्थिक बोझ पड़ गया है। साथ ही उन्हें शारीरिक परेशानी का सामना भी करना पड़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने धीरज प्रसाद साहू से कहा कि समस्या के त्वरित निराकरण को लेकर वह पहल करेंगे। यदि मशीनों की मरम्मत संभव होगी, तो जल्द से जल्द मशीनों की मरम्मत करायी जायेगी। यदि मशीनों के मरम्मत को लेकर त्वरित कार्रवाई नहीं हो सकती है, तो फिर नई मशीन लगाने को लेकर पहल की जायेगी। स्वास्थ्य व्यवस्था को बेहतर बनाए रखना, मरीजों को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। उन्होने धीरज प्रसाद साहू की प्रशंसा करते हुए कहा कि धीरज प्रसाद साहू समय-समय पर लोहरदगा में स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर उनके साथ चर्चा करते रहते हैं। यह एक संवेदनशील जनप्रतिनिधि की पहचान है।

इनोवा गाड़ी से ले जा रहे पांच बोरा गांजा धराया

लातेहार (आजाद सिपाही)। लातेहार एसडीपीओ अरविंद कुमार के नेतृत्व में चंदवा पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चंदवा थाना क्षेत्र के ब्रह्मणी में चेकिंग अभियान लगातार रांची से पलामू की ओर जा रही दो वाहनों से करीब 150 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। इस संबंध में दुरभाष पर जानकारी देते एसडीपीओ अरविंद कुमार ने बताया कि जिले के पुलिस कप्तान कुमार गौरव को गुप्त सूचना के आधार पर मेरे नेतृत्व में एक टीम का गठन किया, जिसके बाद नशे के कारोबार में संलिप्त अपराधियों को पकड़ने के लिए ब्रह्मणी में चेकिंग अभियान लगाया गया और एक वाहन से तीन बोरी और दूसरे वाहन से दो बारी में भरा गांजा पुलिस ने जब्त किया है। जिसका बाजार मुल्य लगभग 70 लाख से ज्यादा हो सकता है। साथ ही इस कारोबार में संलिप्त पांच अपराधियों अभिराज सिंह, उम्र 23 वर्ष, पिता स्व० भीम राज सिंह, सा० दुसौती, रायबरेली, थाना - महाराजगंज, जिला रायबरेली (यूपी), आर्यण सिंह, उम्र 20 वर्ष, पिता दयाशंकर सिंह, सा० - दुसौती, रायबरेली, थाना - महाराजगंज, जिला रायबरेली (यूपी), निशांत उपाध्याय, उम्र 20 वर्ष, पिता विजय प्रकाश उपाध्याय, सा० - हाथियागढ़, थाना पुरानी बस्ती, जिला बस्ती (यूपी), प्रमोद कुमार, उम्र 21 वर्ष, पिता-बृजकिशोर, सा० - लखनौरा, थाना पुरानी बस्ती, जिला बस्ती (यूपी), प्रदीप कुमार गौतम, उम्र 23 वर्ष, पिता - स्व० दुखी राम, सा० - गणेशपुर, थाना चिनहट, जिला लखनऊ (यूपी) को गिरफ्तार किया गया है। छापामारी दल में लातेहार एसडीपीओ अरविन्द कुमार अनुमण्डल, चंदवा थाना प्रभारी रणधीर कुमार, श्रवण कुमार, सरोज कुमार सिंह और चंदवा थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

बालूमाथः मगध के चमातू में अपराधियों ने मचाया तांडव

एक डोजर सहित हालपैक को किया आग के हवाले

संतोष सिन्हा

बालूमाथ (आजाद सिपाही)। बालूमाथ पुलिस अनुमंडल मुख्यालय अंतर्गत मगध संघमित्रा एरिया के चमातु ओपेन कोल परियोजना में लगातार पांच वर्षो से कार्यरत आउटसोर्सिंग कंपनी वीपीआर के दो वाहन डोजर और एक हालपैक को बीती रात करीब साढ़े ग्यारह बजे आग लगाकर फूंक डाला और गोलियां चलाकर लोगों को दहशत में डाल वहां से भाग गया। सभी चार अपराधी बाइक पर सवार होकर वहां आये और घटना का अंजाम दिया। इस घटना की सूचना मिलने ही बालूमाथ थाना के अंतर्गत अमरवाडीह पुलिस पीकेट प्रभारी अनुभव सिन्हा घटना स्थल पर पहुंच कर आउटसोर्सिंग कंपनी कंपनी वीपीआर के कर्मचारियों से आग बुझाने का पुरा प्रयास किया। और वहां के लोगों से पूछताक्ष किया। मिली जानकारी के अनुसार घटना का अंजाम राहुल दूबे गिरोह के अपराधियों के द्वारा दिया गया। वहीं बालूमाथ पुलिस द्वारा घटना स्थल से एक गोली का खोखा और हस्तलिखित पर्चा बरामद किया गया है। जिसमें राहुल दूबे गिरोह ने घटना की जिम्मेवारी लेते हुए आउटसोर्सिंग कंपनी डीपीआर के सीनियर मैनेजर श्रीनिवासन रेड्डी को उड़ा देने की धमकी देते हुए संपर्क कर कोयला खदान में उत्खनन कार्य करने को कहा गया है। वहीं बालूमाथ थाना प्रभारी अमरेन्द्र कुमार, बारियातू थाना प्रभारी देवेन्द्र कुमार, के घटना स्थल पहुंचे बालूमाथ पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी विनोद रवानी ने कहा है कि पुलिस इस पुरे मामले की गहनता से जांच कर रही है, और अपराधियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी अभियान तेज कर दिया गया है। इस घटना पूर्व भी इसी थाना क्षेत्र के सीसीएल प्रभावित फुलबसिया रेलवे साइडिंग के समीप रात्रि मे अपराधियों ने तीन खड़ी खाली हाइवा में से एक को आग लगाकर दहशत फैला दी थी। जिससे वाहन पूरी तरह जलकर राख हो गया। अपराधियों ने घटनास्थल पर एक पर्चा भी छोड़ा था, जिसमें राहुल दुबे गिरोह ने घटना की जिम्मेदारी लेते हुए स्पष्ट चेतावनी दी थी कि बिना गैंग से संपर्क और सौंदा किये कोयला कारोबार नहीं चलेगा। पर्चा में लिखा गया था कि अगर नियम नहीं माने गये, तो खोपड़ी खोल दी जायेगी। गनीमत रही कि जिस हाइवा में आग लगायी गयी, वह रेलवे साइडिंग से थोड़ा अलग खड़ी थी और उसमें कोयला लोड नहीं था। अगर कोयला लदा होता, तो बड़ी घटना घट सकती थी।

अपराधियों को जल्द ही कानून के शिकंजे में लिया जायेगा: एसपी

लातेहार एसपी कुमार गौरव के निर्देश पर पूरे इलाके को सील कर सघन छापेमारी अभियान शुरू किया गया है। एसपी कुमार गौरव ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस पूरे मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि घटना में शामिल किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जायेगा और जल्द ही उन्हें गिरफ्तार कर लिया जायेगा। बताते चलें कि बीते 15 दिनों में लातेहार जिले में इस प्रकार की यह तीसरी घटना है, जिसमें अपराधियों ने वाहनों को आग के हवाले किया है। इससे जिले में कार्य कर रहे संवेदकों, ठेकेदारों और कारोबारियों में भय का माहौल बना हुआ है। हालांकि पुलिस ने सभी को आश्वासन दिया है कि उन्हें पूरी सुरक्षा मुहैया करायी जायेगी। एसपी ने जिले में कार्यरत सभी व्यवसायियों, संवेदकों और नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी प्रकार की धमकी या संदेहास्पद गतिविधि की सूचना मिले, तो तुरंत पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरी तरह सतर्क है और अपराधियों को जल्द ही कानून के शिकंजे में लिया जायेगा।

चोरी की घटना के बाद प्रतुल शाहदेव पहुंचे मंदिर

चोरों की शीघ्र गिरफ्तारी नहीं हुई तो जन आंदोलन होगा शुरू : प्रतुल शाहदेव

9 महीने से नहीं खुला था दान पेटी, चोरी लाखों की है

आजाद सिपाही संवाददाता

चंदवा। चंदवा भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव आज चंदवा प्रखंड के नगर स्थित आस्था के महा केंद्र मां नगर भगवती मंदिर पहुंचे। ज्ञातव्य है कि कल चोरों ने मंदिर की दान पेटी को तोड़कर बड़ी चोरी की थी।प्रतुल ने घटनास्थल और दान पेटी का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों से बातचीत की। स्थानीय लोगों ने बताया कि दान पेटी दशहरे के बाद नहीं खुली है और यह चोरी लाखों की है। प्रतुल ने घटना स्थल से ही जिले के आला अधिकारियों से बातचीत की और इस चोरी के शीघ्र उद्वेदन का मांग किया। प्रतुल ने पुलिस को अल्टीमेटम देते हुए कहा कि अगर अति शीघ्र इस घटना को उद्वेदन नहीं होगा तो जनता सड़कों पर उतरकर आंदोलन के लिए मजबूर हो जायेगी। मंदिर परिसर में ढाई साल में दो बार चोरी हो जाती है। दोनों बार चोरी के तौर तरीके भी एक जैसे होते हैं। पिछली बार तो सीसीटीवी फुटेज मे चोरों के चेहरे आने के बाद भी गिरफ्तारी नहीं हुई थी। इसके बाद प्रतुल ने चंदवा थाना जाकर थाना प्रभारी रणधीर कुमार से भी मुलाकात की और इस चोरी और पिछली चोरी दोनों के उद्वेदन की मांग की। प्रतुल ने थाना प्रभारी को बताया कि मंदिर के पास कुछ लोग शराब बेचते हैं। इनकी भी शीघ्र गिरफ्तारी हो। इस चोरी से पूरे इलाके के श्रद्धालुओं को गहरा सदमा पहुंचा है और वे आक्रोशित भी हैं। इस अवसर पर ठाकुर उदयनाथ शाही, रिकी वर्मा, राजू पाठक, बृजेश पाठक, पल्लू साहू, कमलेश पाठक, टिंकू वर्मा, बबलू पाठक, बिट्टू, रोशन, नवलेश सहित अन्य स्थानीय लोग भी उपस्थित थे।

फसल बीमा का लाभ सभी किसानों को मिले: सीओ

कुडू/लोहरदगा(आजाद सिपाही)। प्रखंड मुख्यालय सभागार कुडू में शनिवार को बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2025 और मिलेट मिशन योजना 2025 के सफल क्रियान्वयन को लेकर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता कुडू की सीओ सह बीडीओ मधुश्री मिश्रा ने की। कार्यशाला को संबोधित करते हुए सीओ मिश्रा ने कहा कि प्रखंड के प्रत्येक किसान को फसल बीमा योजना का लाभ मिले, यह सुनिश्चित करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। सभी किसान 31 जुलाई 2025 तक समय रहते बीमा करवा लें। उन्होंने किसानों को गांव स्तर पर जागरूक करने की आवश्यकता पर जोर दिया। जिला कृषि अधिकारी कालेन खलखो ने कहा कि बिरसा प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना खरीफ 2025 के निर्धारित लक्ष्य को समय पर पूर्ण करना है। इस अवसर पर प्रखंड कृषि पदाधिकारी सुनील चंद्र कुंवर, कल्याण पदाधिकारी अवध किशोर ओझा, प्रखंड तकनीकी प्रबंधक सुनीता टोप्पो, सहायक प्रकृति प्रबंधक आभा प्रियंका कच्छप, कृषक प्रतिनिधि (एफपीओ) अखिलेश कुमार सिंह और बिरसा फसल बीमा योजना के प्रखंड समन्वयक मुकेश कुमार ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जन सेवक, कृषक मित्र, शिक्षक मित्र और क्षेत्र के किसान उपस्थित थे।

एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का 2025-26 सत्र का हुआ शुभारंभ

मेहनत को अपना मूल मंत्र बनायें बच्चे: कालीचरण सिंह

आजाद सिपाही संवाददाता

लातेहार। लातेहार सांसद, चतरा कालीचरण सिंह के द्वारा लातेहार प्रखंड के गांव नेगाई में एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (EMRS) का उद्घाटन किया गया इस दौरान सांसद कालीचरण सिंह, उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, जिला परिषद अध्यक्ष पूनम देवी और बच्चों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का 2025-26 सत्र का शुभारंभ किया गया।

राज्य सरकार के निर्देश के आलोक में जिला प्रशासन द्वारा इस विद्यालय का पठन-पाठन कार्य का शुभारंभ किया गया। इसके निमित विद्यालय भवन और छात्रावास भवन का उद्घाटन किया गया। समारोह में विद्यार्थियों ने परंपरागत सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर सांसद ने कहा कि इस विद्यालय के माध्यम से जनजातीय बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का अवसर मिलेगा, जिससे उनका समग्र विकास संभव होगा। उन्होंने विद्यार्थियों को नियमित रूप से पढ़ाई करने, अनुशासित रहने और मेहनत को अपना मूल मंत्र बनाने की प्रेरणा दी।

जनजातीय कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय की स्थापना की गयी है। संविधान के अनुच्छेद 275 (1) मद के तहत एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, नेगाई, लातेहार का निर्माण कार्य राज्य सरकार द्वारा कराया गया है।

विद्यालय का सत्र 2025-26 से प्रारंभ हो रहा है, जिसमें वर्ग-श्क से XII तक अनुसूचित जनजाति के कुल-480 (चार सौ अस्सी) छात्र/छात्राऐं अध्ययनरत रहेंगे, जिन्हें निःशुल्क सारी सुविधा उपलब्ध कराया जायेगा। यह विद्यालय सीबीएसई बोर्ड अंतर्गत संचालित है। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का मुख्य उद्देश्य अनुसूचित जनजाति के छात्र/छात्राओं को उत्कृष्ट आवासीय शिक्षा देना है। इस विद्यालय में भारत सरकार द्वारा 02 (दो) शिक्षक पदस्थापित किये गये हैं। जिला प्रशासन द्वारा 06 (छह) अतिथि शिक्षक नियुक्त किये गये हैं।

विद्यालय का शैक्षणिक सत्र 2025-26 में वर्ग-VI, VII और VIII में 76 बालक और 84 बालिकाओं का नामांकन किया गया है, जिनकी कुल संख्या-160 है। कार्यक्रम के दौरान विद्यालय में नामांकित कक्षा 6, 7 और 8 के छात्र-छात्राओं को स्कूल बैग, यूनिफॉर्म का वितरण किया गया। मौके पर सांसद, उपायुक्त के द्वारा विद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर आइटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गगराइ, अनुमंडल पदाधिकारी लातेहार अजय कुमार रजक, उप निर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, गोपनीय प्रभारी पदाधिकारी श्रेयांश, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी अल्का हेंब्रम, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ चंदन, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार, जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू, जनप्रतिनिधि, गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन 24 को

महुआडांड (आजाद सिपाही)। लातेहार जिले के महुआडांड प्रखंड स्थित मानस मणि दीप सेवा संस्थान द्वारा हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह पवित्र यात्रा 24 जुलाई (गुरुवार) को संपन्न होगी, जिसमें लोध जलप्रपात से पवित्र सरना धाम तक कांवड़िए जल लेकर पैदल यात्रा करेंगे। कार्यक्रम को लेकर संस्थान के साथ-साथ प्रशासन भी तैयारियों में जुट गया है। श्रद्धालुओं की भारी भीड़, क्षेत्र की भौगोलिक परिस्थितियां और सावन महीने की आस्था को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था को चाक-चौबंद बनाने के निर्देश दिये गये हैं। इसी क्रम में महुआडांड अनुमंडल पदाधिकारी बिपिन दुबे के निर्देशानुसार विधि व्यवस्था संधारण के लिए दो अधिकारियों को दंडाधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है। इनमें महुआडांड के कार्यपालक अभियंता श्री सुधीर कुमार रवि और गारू के कनीय अभियंता भरत पाल टोप्पो शामिल हैं। इन अधिकारियों को यह जिम्मेवारी दी गयी है कि वे यात्रा मार्ग पर कानून व्यवस्था बनाये रखें, आपात स्थिति में प्रशासन को सूचित करें और श्रद्धालुओं को सहयोग प्रदान करें। कांवड़ यात्रा के दौरान किसी भी प्रकार की अफरा-तफरी या अव्यवस्था को रोकना इनकी प्रमुख जिम्मेदारी होगी। इस वर्ष की यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। हर वर्ष सावन अमावस्या के दिन आयोजित इस कांवड़ यात्रा की भव्यता लगातार बढ़ती जा रही है। लोध फॉल से सरना धाम तक की यह करीब 51 किलोमीटर लंबी यात्रा श्रद्धा, अनुशासन और उत्साह का अद्भुत संगम होता है।

पर्यावरण की सुरक्षा कर अपने जीवन को करें सुरक्षित: जिला शिक्षा अधीक्षक

चंदवा (आजाद सिपाही)। चंदवा प्राकृतिक संपदाओं के संरक्षण के लिए हमें मिलकर काम करने की जरूरत है। पर्यावरण संरक्षण में विद्यालयों की बड़ी भूमिका है। उक्त बातें जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू ने चंदवा प्रखंड मुख्यालय के इंटर स्तरीय विद्यालय में शिक्षकों के बैठक में कहीं। इन्होंने कहा कि सरकार के द्वारा एक पेड़ मां के नाम के तहत विद्यालयों में 5 जून से लेकर 30 सितंबर तक पौधरोपण अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत प्रखंड क्षेत्र के इंटर स्तरीय उच्च विद्यालय चंदवा में प्रखंड के विद्यालय प्रभारी के साथ बैठक कर हिंडालको कॉल प्रोजेक्ट के द्वारा 2100 पौधे उपलब्ध कराये गये। बैठक में प्रभारी प्रधानाध्यापक को संबोधित करते हुए राज्य समन्वयक गौरव वर्मा ने कहा कि विद्यालयों में इको क्लब के माध्यम से पौधारोपण कार्य किया जा रहा है। बच्चों के द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान में सभी बच्चों को पौधारोपण के लिए प्रेरित करें। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हिंडाल्को कोल परियोजना चंदवा की इकाई प्रमुख दीपक प्रसाद लेंका ने कहा कि विद्यालयों में पर्यावरण सतत के लिए हिंडालको शिक्षा विभाग के साथ मिलकर काम करने के लिए तैयार है। कार्यक्रम में क्षेत्रीय समन्वयक संजीत कुमार ने शिक्षा विभाग के द्वारा चलाए जा रहे मुख्यमंत्री स्वच्छ विद्यालय पुरस्कार के मानकों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। बैठक में जिला समन्वयक रांची शंभू नाथ मिश्रा,प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी अमरेंद्र कुमार पाठक, प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी सुबोध कुमार चंदेल,सीआरपी विकास कुमार, दीपक कुमार, धनंजय कुमार, शिक्षक केदारनाथ महतो,विजय कुमार पासवान, मनोज कुमार पाठक, हिंडालको सस्टेनेबिलिटी प्रमुख एथल किसपोटा, आयुष कुमार सिंह, मुकेश कुमार समेत प्रखंड के सभी विद्यालय के प्रभारी उपस्थित रहे।

किशोर-किशोरियों को दी गयी स्वास्थ्य की जानकारी

सेन्हा/ लोहरदगा (आजाद सिपाही)। प्रखंड क्षेत्र के झलजमीरा पंचायत अन्तर्गत स्वास्थ्य आरोग्य मंदिर गगेया में किशोर किशोरी युवा क्लब का बैठक आयोजित किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सुरक्षा मिशन के तहत केंद्र सरकार के निर्देशानुसार गठित युवा क्लब के माध्यम से किशोर किशोरियों के साथ एएनएम प्रमिला एक्का द्वारा बैठक आयोजित कर किशोर किशोरियों को युवा मैत्री केंद्र के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी देते हुए किशोर किशोरियों के लिये सरकार द्वारा निर्धारित विवाह का सही उम्र के बारे में बताते हुए कहा की लड़कों का शादी के लिये कम से कम 22 वर्ष और लड़कियों के लिये 20 वर्ष निर्धारित किया गया है। शादी के लिये निर्धारित उम्र से पहले लड़के-लड़कियों का विवाह करना कानूनन अपराध है। कानून का उलंघन करने पर लड़का लड़की का माता पिता को कानूनन सजा हो सकता है। कहा कि लड़के लड़कियां विवाह के बाद माता पिता बन जाते हैं। जिसे कम उम्र में शादी होने से लड़कियों को काफी परेशानी होती है। जिसे सही उम्र में विवाह करने से लड़के-लड़कियों को किसी तरह का शाररिक या मानसिक परेशानी नही होती है। मैत्री केंद्र के बारे में बताते हुए जानकारी दिया गया की किशोर किशोरी अपनी समस्याओं को और बातों को मैत्री केंद्र के सहायता से बता सकते हैं। जिसे उनकी हर बात को गोपनीयता रखा जायेगा। सभी युवाओं डायरिया, मलेरिया, चेचक और सर्दी जुकाम जैसे बीमारियों से बचाव के लिये साफ सफाई के बारे में भी बताया गया। मौके पर स्वास्थ्य सहिया शकुन्तला देवी, सेविका मानती देवी के अलावे गांव को किशोर किशोरियां उपस्थित थे।

12 लाख से बनी सड़क में अनियमितता

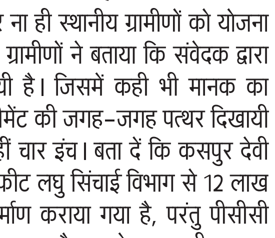

भंडरा (आजाद सिपाही)। प्रखंड के कसपुर गांव में लघु सिंचाई विभाग से 12 लाख रुपये की लागत से बनाया गया सड़क में काफी अनियमितता बरती गयी है। पीसीसी सड़क निर्माण कार्य को देख कर ही गुणवत्ता का सहज अनुमान लगाया जा सकता है। निर्माण कार्य स्थल पर ना ही योजना बोर्ड लगाया गया है और ना ही स्थानीय ग्रामीणों को योजना की राशि की कोई जानकारी है। स्थानीय ग्रामीणों ने बताया कि संवेदक द्वारा रात के समय सड़क की ढलाई की गयी है। जिसमें कही भी मानक का अनुपालन नहीं किया गया है। सड़क में सीमेंट की जगह-जगह पत्थर दिखायी दे रहे है। कहीं तीन इंच ढलाई है, तो कहीं चार इंच। बता दें कि कसपुर देवी मंडप से दयामुनी तिर्की के घर तक 900 फीट लघु सिंचाई विभाग से 12 लाख रुपये की लागत से पीसीसी पथ का निर्माण कराया गया है, परंतु पीसीसी सड़क में कहीं भी कंस्ट्रक्शन कट नहीं किया गया है। इससे सड़क की गुणवत्ता पर कई सवाल खड़ी करती है। ग्रामीणों ने बताया सड़क निर्माण कार्य कुम्हरिया के संवेदक रामविलास साहू द्वारा कराया गया है। इस मामले में लघु सिंचाई विभाग के कनीय अभियंता केदार महतो ने कहा कि पीसीसी सड़क निर्माण में जॉइंट कट होना अनिवार्य है। पीसीसी सड़क में ज्वाइंट कट का होना जरूरी है। सड़क में जॉइंट कट नहीं है, तो उसकी जांच करेंगे।

नाले में मिला अज्ञात महिला का शव

लोहरदगा (आजाद सिपाही)। सदर थाना क्षेत्र के हडरा टोली (रघु टोली) स्थित नाले (ढोंढ़ा) से एक अज्ञात महिला का शव बरामद हुआ है। महिला की उम्र करीब 50 से 55 वर्ष आंकी जा रही है। वह हरे रंग की साड़ी और भूरे रंग का ब्लाउज पहनी हुई थी। मृतका के हाथ में पत्ता के आकार का गोदना गुदा हुआ है, जिससे पहचान में सहायता मिल सकती है। समाचार लिखे जाने तक शव की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस प्रथम द्दष्टया मामला संदिग्ध मानते हुए जांच में जुट गयी है। सदर थाना के प्रभारी थानेदार रवि रंजन ने बताया कि लोहरदगा पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि यदि किसी महिला के लापता होने की सूचना हो, तो तुरंत संपर्क करें। संपर्क नंबर : 8409539249।

महत्वपूर्ण खबरें

हुसैनाबाद के टेटा गांव में भोजपुरी फिल्म दबंग दूल्हा की चल रही शूटिंग

मेदिनीनगर (आजाद सिपाही)। पलामू जिले के हुसैनाबाद अनुमंडल अंतर्गत टेटा गांव में पहली बार भोजपुरी फिल्म दबंग दूल्हा की शूटिंग चल रही है। इसको लेकर आसपास के ग्रामीणों में कौतूहल बना हुआ है। इस फिल्म में हीरो का रोल धर्मेंद्र उपाध्याय कर रहे है।श्री उपाध्याय मध्यप्रदेश के मुरैना जिले से हैं जो सोशल मीडिया के माध्यम से लोगों के दिल पर राज कर रहे हैं। उक्त फिल्म की हेरोइन काजल सिंह एवं पूजा पंडित हैं, जबकि सिंगर सुजीत सिंह जपला के रहने वाले हैं। फिल्म का सूटिंग संतोष सिंह, पिंटू सिंह, राकेश सिंह व अभिषेक सिंह के नेतृत्व में चल रही है। कलाकारों ने बताया कि फिल्म जल्द रिलीज होगी।

शत्रु संपत्तियों की 12 अगस्त को होगी इ-नीलामी, पूर्व की नीलामी प्रक्रिया रद्द

हैदरनगर(पलामू)। जिला के हैदरनगर अंचल क्षेत्र अंतर्गत ग्राम मोकरहर कला, पंचायत करीमडीहा की कई शत्रु संपत्तियों की आगामी 12 अगस्त को फिर से इ- नीलामी की जायेगी। अंचलाधिकारी संतोष कुमार ने जानकारी दी कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के निर्देश पर यह प्रक्रिया की जा रही है। गौरतलब है कि इन संपत्तियों की पूर्व में भी नीलामी की गयी थी, लेकिन किन्हीं कारणों से उसे रद्द कर दिया गया था। अब दोबारा इन्हें बिक्री हेतु इ-नीलामी के माध्यम से आमजन के लिए उपलब्ध कराया जा रहा है। प्रस्तावित शत्रु संपत्तियों में खेसरा संख्या 476, 598, 629, 676, 1340, 1616, 1617, 1734 तथा 454 / 2068 शामिल हैं। ये सभी संपत्तियां मोकरहर कला गांव, हैदरनगर प्रखंड, जिला पलामू में स्थित हैं। नीलामी की प्रक्रिया 12 अगस्त 2025 को प्रातः 11 बजे से अपराह्न 4 बजे तक ऑनलाइन माध्यम से सम्पन्न होगी। यह पूरी कार्रवाई शत्रु संपत्ति अभिरक्षक, कोलकाता कार्यालय के तत्वावधान में की जा रही है।

समीक्षा बैठक बुलाने का दिया निर्देश

हैदरनगर(पलामू)। प्रखंड स्तर पर हैदरनगर में बीज वितरण जैसी कृषि योजनाओं में किसान सलाहकार समिति के सदस्यों की उपेक्षा को लेकर समिति सदस्य अंकू सिंह ने अध्यक्ष प्रेमतोष कुमार सिंह को पत्राचार कर चिंता जताई है। उन्होंने कहा कि बीज वितरण की जानकारी व प्रक्रिया से सदस्यों को अवगत नहीं कराया जा रहा है। जबकि पारदर्शिता और सहभागिता के लिए उनकी भूमिका अहम है। इस पर अध्यक्ष ने संज्ञान लेते हुए प्रखंड तकनीकी प्रबंधक परवीन जहां को 22 जुलाई को सुबह 11 बजे किसान सलाहकार समिति एवं किसान मित्रों की बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया है। जिसमें बीज वितरण की स्थिति की समीक्षा की जायेगी। समिति सदस्यों ने अध्यक्ष के त्वरित पहल का स्वागत करते हुए भविष्य में सूचनाएं समय पर देने की अपेक्षा जताई है।

तेंदुआ पीपरा गांव में शोभा बढ़ा रही जलमीनार

हरिहरगंज/पलामू। पीपरा प्रखंड क्षेत्र के तेंदूई पंचायत अंतर्गत तेंदुआ पीपरा गांव में पेयजल एवं स्वच्छता विभाग द्वारा लगाई गई जलमिनार सिर्फ शोभा की वस्तु बन कर रह गई है।जलमीनार का निर्माण करीब 6 साल पहले किया गया था। लेकिन आज तक यह जलमीनार चालू नहीं हो पाई है। जलमीनार लगाने का उद्देश्य ग्रामीणों को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना था। लेकिन इसका लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल पा रहा है। जानकारी के मुतावीक जिस जगह पर जलमिनार लगाया गया है, वहां शुरू से जलमीनार की पानी बहाव को लेकर विवादित रहा है।

डॉ राजेंद्र सिंह बने एके सिंह कॉलेज के सचिव

हुसैनाबाद (आजाद सिपाही)। नीलांबर-पीतांबर विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार ने एके सिंह कॉलेज के शासी निकाय को भंग कर तीन सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया है। इस संबंध में रजिस्टार ने शासी निकाय के सचिव को सूचित किया है कि विश्वविद्यालय सिंडिकेट ने महाविद्यालय में जेसयू अधिनियम 2000 के कानून 32 के अनुसार विभिन्न विसंगतियां पाए जाने के कारण, शासी निकाय को भंग कर तीन सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन किया है। इसमें जीएल कॉलेज के डॉ राजेंद्र सिंह,इतिहास विभाग को सचिव, डॉ आरके झा भौतिकी विभाग को विश्वविद्यालय प्रतिनिधि एवं डॉ आनन्द कुमार मनोविज्ञान विभाग, एके सिंह कॉलेज,जपला को प्रोफेसर इंचार्ज बनाया है।

नया ट्रांसफार्मर लगा, लोगों में हर्ष

हरिहरगंज/पलामू। पिपरा प्रखण्ड क्षेत्र के पूर्व जीप सदस्य प्रतिनिधि सह समाजसेवी संदीप पासवान के पहल पर शनिवार को ग्राम पंचायत पिपरा में 25 केवीए का ट्रांसफार्मर लगाया गया। इसके लिए ग्रामीणों ने समाजसेवी से मिलकर आठ दिन पूर्व जले हुए ट्रांसफार्मर के बारे में बताई थी। ग्रामीणों के अनुरोध पर समाजसेवी संदीप पासवान ने विद्युत महाप्रबंधक से बात कर 25 केवीए की जगह 63 केवीए का ट्रांसफार्मर दिलाने का कार्य किया और शनिवार से पीपरा गांव में बिजली बहाल हो गई है। इसके लिए दुखन यादव, पिंटू पासवान, शंभु प्रजापति, सुरेन्द्र ठाकुर, सौरभ पासवान, राजेश साव, अमित कुमार यादव, संतोष पासवान, लव सिंह, धीरज प्रसाद गुप्ता, प्रमोद पासवान सहित ग्रामीणों ने समाजसेवी संदीप पासवान के प्रति आभार प्रकट किया है।

गांधी चौक का नवनिर्माण कराने की मांग

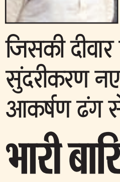

हुसैनाबाद। नगर पंचायत के वार्ड-9 के पूर्व पार्षद नजीर अहमद ने नगर पंचायत के कार्यपालक पदाधिकारी तर्निश कुमार हंस को पत्र देकर गांधी चौक का हो रहे जीर्णोद्धार कार्य की जगह नवनिर्माण कराने की मांग की है।कार्यपालक पदाधिकारी को दिए गए पत्र में पूर्व पार्षद ने कहा है कि गांधी चौक का सौंदर्यीकरण का कार्य केवल ऊपरी भाग में हो रहा है। लेकिन गांधी चौक पर स्थापित मूर्ति कुआं के उपर है। जिसकी दीवार एवं छत काफी जर्जर स्थिति में हैं। इसलिए गांधी चौक का सुंदरीकरण नए सिरे से किया जाना चाहिए। उन्होंने नगर प्रशासन से आकर्षण ढंग से गांधी चौक का नवनिर्माण कराने की मांग की है।

भारी बारिश से प्रभावित दर्जनों परिवार हुए बेघर

पांकी(पलामू)। लगातार हो रही भारी बारिश ने कई परिवारों की जिंदगी में कहर बरपा दिया है। गुरुवार की रात मूसलधार बारिश के कारण क्षेत्र के करीब आधा दर्जन कच्चे और कमजोर मकान जमींदोज हो गए। इससे प्रभावित परिवारों को प्रशासन द्वारा सगालीम उत्क्रमित मध्य विद्यालय में अस्थायी तौर पर शरण दी गई है। पीड़ित परिवारों से संपर्क के बाद भाजपा नेत्री प्रदेश कोषाध्यक्ष लवली गुप्ता ने उनका हालचाल जाना। पीड़ितों ने लवली गुप्ता से अपनी समस्याओं को साझा किया। पीड़ितों ने बताया कि उनके पास न तो रहने के लिए सुरक्षित घर है, न खाने के लिए पर्याप्त भोजन। उन्होंने कहा कि लगातार बारिश के चलते उनके घर टूट गए, सारा सामान नष्ट हो गया और पशुओं के लिए चारा तक नहीं बचा। बच्चों और बुजुर्गों की स्थिति काफी दयनीय हो गई है।लवली गुप्ता ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि पीड़ित परिवारों की स्थिति बेहद गंभीर है। प्रशासन को चाहिए कि आपदा राहत कोष से अविलंब पीड़ितों को राहत सामग्री मुहैया कराए। उन्होंने कहा कि जिनके घर गिर गए हैं, उन्हें तत्काल तिरपाल, कंबल, सूखा राशन, पीने का पानी और अन्य जरूरी सुविधाएं दी जाएं।

पलामू डीसी ने किया पांकी का दौरा

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र,कस्तूरबा गांधी बालिका अवासीय विद्यालय एवं ग्रामीण जलापूर्ति योजना का किया निरीक्षण

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। पलामू डीसी समीरा एस शनिवार को पांकी पहुंची।यहां उन्होंने सर्वप्रथम पांकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों एवं कर्मियों का बायोमैट्रिक अटेंडेंस, दवा भंडारण, अटेंडरों के बैठने वाले स्थानों, कोल्ड चेन का मेंटेनेंस, प्रसव गृह की स्थिति,जन औषधि केंद्र, बाथरूम की साफ सफाई, बिजली उपकरणों की स्थिति एक्स-रे मशीन से किये जा रहे एक्स-रे आदि की जांच की। इस दौरान उन्होंने डेंटल ओपीडी में डेंटल एक्स-रे मशीन और आई ओपीडी में रीफरैक्शन मशीन की खरीद करने की बात कही।

निरीक्षण के दौरान डीसी ने संबंधितों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के प्रत्येक वार्ड एवं बाथरूम का विशेष साफ-सफाई कराने के निर्देश दिये। मौके पर उप विकास आयुक्त जावेद हुसैन,सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी,सिविल सर्जन डॉ अनिल आदि उपस्थित रहे।

अवासीय विद्यालय एवं ग्रामीण जलापूर्ति योजना का भी निरीक्षण : पांकी पहुंची डीसी द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका अवासीय विद्यालय का भी निरीक्षण किया गया। इसके पश्चात डीसी ने पांकी जलापूर्ति का भी निरीक्षण किया।य हां ग्रामीणों ने उपायुक्त से प्रतिदिन जलापूर्ति नहीं होने के संबंध में शिकायत की गयी। उन्होंने पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता को पांकी में प्रतिदिन नियमित जलापूर्ति हो,इस दिशा में सभी आवश्यक कार्य करने को लेकर निर्देशित किया।मौके पर डीडीसी,पेयजल एवं स्वच्छता विभाग के कार्यपालक अभियंता,सहायक एवं कनीय अभियंता उपस्थित रहे।

एसटीडी कॉलेज के पूर्व प्राचार्य को दी गयी श्रद्धांजलि

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू) रेहला - बीमोड़ स्थित संत तुलसीदास इंटर कॉलेज के पूर्व प्राचार्य भरत तिवारी (70) का निधन हृदय गति रुक जाने से हो गया। वे पिछले कुछ समय से बीमार चल रहे थे। रांची के वेदांता हॉस्पिटल में उनका इलाज चल रहा था। जहां इलाज के दौरान ही शुक्रवार की रात उनका निधन हो गया। वे अपने पीछे पत्नी,दो पुत्र व एक पुत्री सहित भरपुरा परिवार छोड़ गये हैं। भारत तिवारी मूलतः रेहला थाना क्षेत्र के तोलरा गांव के रहने वाले थे। इधर उनके निधन पर संत तुलसीदास इंटर कॉलेज के सभागार में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिसमे कॉलेजकर्मियों द्वारा उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी।सभा की अध्यक्षता प्रभारी प्राचार्य राजीव कुमार चौबे ने किया। संचालन लक्ष्मीकांत शुक्ला ने किया। श्री चौबे ने कहा कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने महाविद्यालय को एक नयीं दिशा प्रदान की थी।

विश्रामपुर अष्टभुजी और साईं मंदिर का 5वां स्थापना दिवस मनाया गया

आजाद सिपाही संवाददाता

विश्रामपुर (पलामू) विश्रामपुर नगर परिषद के नावाडीह कला स्थित मनोकामनापूर्ति अष्टभुजी व साईं मंदिर का पांचवां वर्षीयक उत्सव शनिवार को पूरे धूम-धाम से मनाया गया। वार्षिकोत्सव के मौके पर मंदिर में धर्मिक अनुष्ठानों के बीच पूरे विधि-विधान के अनुसार विशेष पूजा-अर्चना किया गया। विनोद पाठक के अगुआई में गायत्री परिवार द्वारा यज्ञ व दीपोत्सव कार्यक्रम हुआ। विशेष पूजा अर्चना में बतौर मुख्य यजमान के रूप में पूर्व स्वास्थ्य मंत्री रामचंद्र चंद्रवंशी,भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य डॉ ईश्वर सागर चंद्रवंशी उर्फ मुन्ना चंद्रवंशी व संजय चंद्रवंशी शामिल शामिल हुये। वहीं पूजा के बाद भंडारे का भी आयोजन किया गया। जिसमें हजारों श्रदालुओं ने प्रसाद ग्रहण किया। मौके पर भोला चंद्रवंशी, भाजपा जिला उपाध्यक्ष रामचंद्र यादव, शोभा पाठक, संतान मिश्रा, अनिता देवी, अखिलेश कुशवाहा, प्रभु दयाल प्रजापति, डॉ सुनील मेहता, रंजीत केशरी, सुनंदा दुबे, मीना कमलापुरी, कान्ति दुबे, गौतम कुमार,गुरु पांडेय, कार्यपालक पदाधिकारी सोमा खंडौत, नगर प्रबंधक प्रभात कुमार, पंडित राजन पांडेय,विजय कुमार रवि, सुनील कुमार चौधरी, दामोदर यादव, भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष बबन राम, ग्रामीण मंडल अमरेश तिवारी, शिवबंश मिश्रा मौजूद थे।

महुडंड में जन समाधान शिविर का आयोजन

आजाद सिपाही संवाददाता

हुसैनाबाद अनुमंडल पुलिस प्रशासन की ओर से शनिवार को सुदूरवर्ती क्षेत्र महुडंड के लोहबंधा स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय में जन समाधान शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में पलामू के एएसपी राकेश सिंह, हुसैनाबाद के एसडीएम ओमप्रकाश गुप्ता, एसडीपीओ मोहम्मद याकूब आगि उपस्थित रहे। शिविर में जमीन विवाद, वृद्धा पेंशन, शिक्षा, आंगनबाड़ी, नक्सली आत्मसमर्पण योजना जैसी जनसमस्याओं को प्राथमिकता से सुना गया।

शिविर के दौरान पूर्व नक्सली अजय यादव की पुत्री नेहा कुमारी ने जो विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम के दौरान अधिकारियों द्वारा विद्यालय के बच्चों के बीच खेलकूद सामग्री जैसे बॉल, बल्ला, विकेट आदि का वितरण भी किया गया, जिससे बच्चों के चेहरे पर मुस्कान बिखर गई और माहौल और भी जीवंत हो उठा। मौके पर थाना प्रभारी सोनू कुमार चौधरी समेत पुलिस प्रशासन के कई पदाधिकारी मौजूद थे।

झारखंड स्टेट स्कूल्स एसोसिएशन करेगा शिवाजी मैदान से पुलिस लाइन तक मार्च

आजाद सिपाही संवाददाता

मेदिनीनगर। झारखंड स्टेट स्कूल्स एसोसिएशन की कोर कमिटी के पदाधिकारियों की एक आवश्यक बैठक सतबरवा स्थित कंचन ढाबा में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष अविनाश देव ने किया। एसोसिएशन के सभी पदाधिकारीयों ने सर्व समिति से 26 जुलाई को झारखंड स्टेट स्कूल्स एसोसिएशन के बैनर तले कारगिल विजय दिवस के अवसर पर शहीदों के सम्मान में श्रद्धांजलि मार्च सह शहीद जवानों के नाम पौधा रोपण कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया। मौके पर अध्यक्ष श्री देव ने कहा कि हजारों की संख्या में स्कूली विद्यार्थी सुबह 8 बजे टाउन हॉल मेदिनीनगर से तिरंगे झंडे के साथ शहीदों के सम्मान में मार्च करते हुए पुलिस लाइन स्टेडियम मेदिनीनगर पहुंचेंगे। उन्होंने कहा कि हजारों विद्यार्थी पौधारोपण कर शहीदों के नाम श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। बैठक के बाद एसोसिएशन के सभी पदाधिकारीयों ने मलय डैम पर जाकर जल क्रीड़ा एवं वन विहार का भी खूब आनंद लिया। लबा-लब पानी से भरा हुआ मलय डैम का दृश्य देखने योग्य था। मौके पर अध्यक्ष अविनाश देव ने कहा कि पलामू में प्रकृति के अमूल्य धरोहर मयल नदी कल-कल, छल-छल के मधुर संगीत के साथ बह रहे वही एक नदी है जो ताजे पानी के अविरल कुदरती धारा से न जाने कितने वर्षों से असंख्य जीव-जंतु एवं पलामू नगर वासियों के प्यास बुझाती रही है। प्रकृति द्वारा विकसित एवं लगातार परिमार्जित होते संघर्षों से भरा मार्ग पर प्रवाहित जीवन्त जलधारा ही मलय नदी की असली पहचान है। कोषाध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने कहा कि नदी अपनी प्राकृतिक भूमिका का निर्वाह करती है। वह जैविक विविधता से परिपूर्ण होती है। सचिव गिरीश कुमार ने कहा कि नदी पर निर्भर समाज के लिये यह आजीविका का आधार है। कुदरती तौर पर नदी का प्रवाह अविरल होता है। सूखे दिनों में उसका प्रवाह धीरे-धीरे कम होता है। मौके पर सह सचिव राजीव गोयल, उपाध्यक्ष नंदकिशोर भारती आदि लोग भी उपस्थित थे।

टेंट सीटी में किया गया है व्यापक इंतजाम

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। राजकीय श्रावणी मेला, 2025 शुरू होते हीं देवघर में कांवरियों का तांता लग गया है। ऐसे में कई बार यहां के होटलों, धर्मशालाओं इत्यादि के पूरी तरह से भर जाने से श्रद्धालुओं को आवासन हेतु इधर-उधर घुमते देखा गया है और उनकी इसी कष्ट को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार के द्वारा देवघर में निःशुल्क टेंट सिटी का निर्माण कराया गया है, ताकि यहाँ आए कांवरियों को आवासन संबंधी परेशानियों का सामना न करना पड़े। इसके अलावे इस वर्ष यहां आने वाले कांवरियों हेतु बाघमारा में एक और कोठिया में दो चिन्हित स्थलों पर टेंट सिटी का निर्माण कराया है। इन टेंट सिटी में थके-हारे कांवरियों को राहत मिलेगी, जिन्हें भीड़ की वजह से होटलों व धर्मशालाओं में जगह नहीं मिल पाता है। ऐसे में वे यहाँ आकर निश्चित होकर आराम कर सकेंगे। साथ हीं स्वच्छ देवघर, स्वस्थ्य देवघर को ध्यान में रखते हुए टेंट सिटी में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखा गया है एवं सभी मुलभूत सुविधाएं यथा-शौचालय, बिजली, पानी, पंखा, बेड, मोबाईल चार्जिंग, स्नानगृह, आरओ वाटर, अग्निशमन यंत्र आदि उपलब्ध करायी गयी है। वहीं इन टेन्ट सिटी में आवासन हेतु कांवरियों को किसी प्रकार का शुल्क चुकाने की आवश्यकता नहीं है, ये बिल्कुल निःशुल्क हैं। टेंट सिटी में विश्राम करने वाले कटिहार (बिहार) के शंकर, निवेश व आनंद बम से जब टीम जनसंपर्क विभाग के सदस्यों ने बात की तो उन्होंने कहा कि सरकार ने यह बहुत अच्छा कदम उठाया है। इसमें हमें होटल जैसा हीं आराम निःशुल्क उपलब्ध हो रहा है, जिससे हमारे व्यय में भी कमी आयी है। साथ हीं उन्होंने साफ-सफाई के साथ एक हीं स्थान पर निःशुल्क इतनी अच्छी सुविधाएं देने के लिए सरकार के प्रति धन्यवाद प्रकट किया।

चारधाम को लेकर बाबा धाम पहुंचा कोलकाता के 40 कावरियों की टोली

द्वादश ज्योतिर्लिंग में से एक बाबा बैद्यनाथ की नगरी देवघर में सावन के महीने में लाखों लाख कावरिया कावर लेकर बाबा बैद्यनाथ को जलार्पण करते हैं लेकिन इसी कावरिया पथ पर कई ऐसे खास और खूबसूरत कावर लेकर कांवरिया पहुंचते हैं जो सबका मन मोह लेता है खास करके कोलकाता के श्रद्धालु बेहद आकर्षक और खूबसूरत कावर बनाते हैं यह कोलकाता से आए 40 का कांवरियों की टोली है जो लगभग 200 किलो के कावर को लेकर कावर में चार धाम को लेकर जा रहे हैं उनके कावर के ऊपर चार धाम के मंदिर बने हुए हैं बद्रीनाथ द्वारकाधीश रामेश्वरम और जगन्नाथ पुरी इसके अलावे एक बड़े भोले शंकर का मूर्ति है जो नदी के साथ विराजमान है वही कावर के नीचे 108 जलपत्र भी लेकर यह कांवरियों की टोली बाबा बैजनाथ मंदिर की ओर जा रहे हैं कांवरियों के टोली के सदस्य ने बताया कि हर साल कुछ नई थीम के साथ देवघर बाबा बैद्यनाथ मंदिर पहुंचने हैं बाबा की असीम कृपा बनी रहती है यही वजह है कि उनको इस तरह से कावार लाने की हिम्मत बाबा देते हैं रास्ते में किसी तरह की कोई कठिनाई या दिक्कत भी नहीं करनी पड़ती और आसानी से 108 किलोमीटर की यात्रा बाबा भोले के आशीर्वाद से कर लेते हैं।

चौबीसों घंटे एक्टिव है सूचना सह सहायता केंद्र

देवघर राजकीय श्रावणी मेला, 2025 को लेकर शनिवार को जिला जनसंपर्क पदाधिकारी राहुल कुमार भारती द्वारा सम्पूर्ण मेला क्षेत्र में श्रद्धालुओं के सहयोग व सुविधा हेतु बनाए गए विभिन्न सूचना सह सहायता केन्द्रों व मातृत्व विश्राम गृह का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने राजकीय श्रावणी मेला को लेकर बनाये गए विभिन्न केंद्रों में प्रतिनियुक्त सूचना सह सहायता कर्मियों (उद्घोषकों) को सेवा भाव और पूरे तत्परता एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करने का निर्देश दिया, ताकि श्रद्धालुओं को हर संभव सहयोग के साथ बिछुड़े हुए श्रद्धालुओं को उनके परिजनों से मिलाया जा सके। निरीक्षण के क्रम में जिला जनसंपर्क पदाधिकारी ने सूचना सह सहायता केंद्रों में प्रतिनियुक्त कर्मियों को निर्देशित किया कि आपसी समन्वय के साथ आप सभी सूचना सह सहायता कर्मी श्रद्धालुओं के बीच आवश्यक जानकारी एवं जलार्पण संबंधी महत्वपूर्ण सूचनाएँ प्रेषित करते रहें, ताकि बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। साथ ही आगन्तुक श्रद्धालुओं को राजकीय श्रावणी मेला के अवसर पर आवश्यक सहयोग एवं कतारबद्ध जलार्पण से संबंधित सभी प्रकार की जानकारी से अवगत कराते रहते हुए चौबीसों घंटे तीनों पालियों में प्रतिनियुक्त सूचना सह सहायता कर्मियों को एक्टिव रहने का निर्देश दिया। सूचना सह सहायता केंद्रों के माध्यम से प्रमुख पर्यटन स्थलों की जानकारी के साथ श्रावणी मेला संबंधित बुकलेट प्रदान की जा रही है।

कुआं में डूबने से दो बच्चों की मौत

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर। जिले के सोनारायठाढी थाना क्षेत्र के विराजपुर गांव से एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां खेल-खेल में कुएं के पास नहा रहे दो मासूम बच्चों की डूबने से पमौत हो गई। मृतकों की पहचान पांच वर्षीय राजेश दास और सात वर्षीय अमित दास के रूप में हुई है, जो आपस में चचेरे भाई बताए जा रहे हैं।

घटना शनिवार की दोपहर की बताई जा रही है। परिजनों के अनुसार, दोनों बच्चे गांव के पास स्थित पुराने कुएं के किनारे नहा रहे थे। इसी दौरान फिसलकर वे कुएं में गिर गए और डूबने लगे। उस वक्त घर के बड़े सदस्य खेतों में काम कर रहे थे। जब गांव में बच्चों की चीख-पुकार सुनाई दी, तो आसपास के लोग और परिजन दौड़कर कुएं के पास पहुंचे। आनन-फानन में ग्रामीणों की मदद से बच्चों को कुएं से बाहर निकाला गया और इलाज के लिए तुरंत देवघर सदर अस्पताल लाया गया। सूचना मिलते ही सोनारायठाढी थाना पुलिस भी मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

डीएवी पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय खेलकूद के महाकुंभ का आगाज

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर शनिवार को सातर रोड स्थित गीता देवी डीएवी पब्लिक स्कूल में दो दिनों तक चलने वाली डीएवी राष्ट्रीय खेलकूद, क्लस्टर-श्क्क की प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ हुआ। स्कूल के प्राचार्य सह क्लस्टर हेड बलराम कुमार झा,डीएवी महेशपुर, पाकुड़ के प्राचार्य एस के मिश्रा,डीएवी गोकुलपुर, पाकुड़ के प्राचार्य, विश्वजीत चक्रवर्ती,डीएवी ऊर्जानगर गोड्डा के प्राचार्य एस.के.श्रीवास्तव,एस पी माइंस, चित्रा के प्राचार्य डॉ राघवेंद्र तिवारी, श्रेया भार्गव और मुनमुन चक्रवर्ती ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर एवं मशाल जलाकर कार्यक्रम की शुरूआत की। विद्यालय के प्राचार्य ने खिलाड़ियों को शुभकामना देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। जोनल लेवल और उसके बाद राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित होने वाली प्रतियोगिता ,जो कि डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमिटी एवं एसजीएफआई के तत्वावधान में आयोजित होती है उसमें भी बेहतर करने का आशीर्वाद दिया।

नवनियुक्त एनएसयूआइ जिलाध्यक्ष रवि वर्मा का किया गया स्वागत

आजाद सिपाही संवाददाता

देवघर कांग्रेस छात्र संगठन देवघर एनएसयूआई के रवि वर्मा को राष्ट्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व के द्वारा देवघर जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस दौरान देवघर जिला कांग्रेस कमेटी की ओर से कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो. उदय प्रकाश ने नवनियुक्त देवघर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रवि वर्मा का माला एवं एनएसयूआई अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। इसके उपरांत देवघर एनएसयूआई जिलाध्यक्ष रवि वर्मा ने गुलदस्ता देकर कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रो. उदय प्रकाश का धन्यवाद व्यक्त किया। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रो. उदय प्रकाश ने कहा कि पूरी ईमानदारी और निष्ठापूर्वक आप पार्टी द्वारा दिये गये दायित्वों का पालन करे तथा सदैव छात्रहित में तत्पर रहे। मौके पर देवघर एनएसयूआई के सैफ दानिश, आदर्श केशरी, मयंक कुमार, मनीष कुमार, सुनील यादव, पिंटू यादव मौजूद थे।

नाबालिग से गैंगरेप के तीन आरोपी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला थाना क्षेत्र में नाबालिक से गैंगरेप के मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मामला 17 जुलाई का है। पुलिस को 18 जुलाई को गुप्त सूचना मिली थी इसके बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी गुमला के नेतृत्व में छापामारी दल का गठन किया गया। दल में थाना प्रभारी महेंद्र कुमार करमाली पुलिस अवर निरीक्षक विनय कुमार महतो बबीता कुमारी और सशस्त्र बल शामिल थे। शाम 6:45 बजे छपारी दल ने चेटर मैदान के पास स्थित अनूप उरांव के घर पर दबिश दी, अनुप उरांव को घर में मौजूद पाया गया। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बताया कि पंकज उरांव और बलराम महतो ने मिलकर एक नाबालिग लड़की को सुनसान जगह पर झाड़ियां के पास ले जाकर बारी-बारी से दुष्कर्म किया है फिर उसे चेटर मैदान के पास छोड़ दिया था। अनूप उरांव को मौके पर गिरफ्तार किया गया। उसकी निशानदेही पर पुलिस ने चेटन मैदान पहुंची। वहां दो युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। सशक्त बल की मदद से दोनों को पकड़ लिया गया। पूछताछ पर उन्होंने अपने नाम 27 वर्षीय पंकज उरांव 30 वर्षीय बलराम महतो बताया। दोनों ने अपराध स्वीकार कर लिया है। सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना लाया गया। पुलिस ने घटना स्थल से एक काले नारंगी रंग की होंडा स्कूटी भी बरामद किया है। वहीं छात्रा का मेडिकल कराया गया। शनिवार दिन के 2:00 बजे एसडीपीओ कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता के बाद सभी को जेल भेज दिया गया।

अंबोआ में सड़क की समस्या होगी दूर: अभिनव

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। सांसद सुखदेव भगत के निर्देशानुसारयुवा कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव अभिनव भगत एवं सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा ने अंबवा पंचायत का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने खराब सड़कों का निरीक्षण किया एवं लोगों की समस्याओं से अवगत हुए। अभिनव भगत ने कहा की जल्द अम्बवा में सड़क की समस्या का होगा समाधान यहां की समस्या सांसद महोदय के संज्ञान में है। सांसद प्रतिनिधि राजनील तिग्गा ने कहा कि अंम्बवा पंचायत के ग्रामीणों ने सड़क की समस्या को लेकर सांसद से गुहार लगाई थी। सांसद ने संज्ञान लिया। शनिवार को पुरी टीम को जनता की समस्याओं से अवगत होने के लिए भेजा है। इस दौरान सांसद प्रतिनिधि ने ग्रामीण कार्य विभाग के कार्यपालक अभियंता से बात की साथ ही प्रखंड विकास पदाधिकारी से बरसात में आवागमन के वैकल्पिक व्यवस्था देने के लिए भी दुरभाष पर बात की। इस दौरान मुख्य रूप से निगरानी सदस्य रूपेश कुमार, प्रखंड अध्यक्ष गुलाम सरवर, आजाद अंसारी, यासीन अंसारी, सलमान अंसारी, फिरोज, मुजाहिर, ईद उल अंसारी, मनसुब, मंजूरी, मकसूद, रहमान, इबरार सहित काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

नागरिक सुविधाओं से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों की जांच हो : सुरेश यादव

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड जेनरल कामगार यूनियन ने खनन कंपनियों की विभिन्न अनियमितताओं के साथ-साथ इन कंपनियों के द्वारा कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत कराये जाने वाले नागरिक सुविधाओं से संबंधित विभिन्न विकास कार्यों की भी जांच की मांग की है। इस संबंध में यूनियन के केंद्रीय सह जिला सचिव सुरेश प्रसाद यादव ने कहा है कि खनन कंपनियां कागजी तौर पर विकास कार्यों का प्रतिवेदन और आंकड़े जिला को देती रहती हैं, लेकिन धरातल पर नागरिक सुविधाएं नजर नहीं आती हैं। यदि प्रति वर्ष सीएसआर के जरिये लाखों रूपैये खर्च होते हैं तो खनन प्रभावित क्षेत्रों का कायाकल्प आखिर क्यों नहीं हो पा रहा है। उन्होंने उपायुक्त से मांग की है कि खनन कंपनियों के द्वारा दिये गये आंकड़ों की उच्च स्तरीय भौतिक रूप से जांच करायी जाय।

गुमला और घाघरा क्षेत्र में आसमानी बिजली का कहर

वज्रपात से एक महिला की मौत, आठ गंभीर रूप से घायल

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला व घाघरा थाना क्षेत्र के अलग-अलग गांव में शनिवार को आसमानी बिजली का कहर देखने को मिला। वज्रपात की चपेट में आने से एक महिला की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी जबकि आठ लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। सभी घायलों का सदर अस्पताल में इलाज चल रहा है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक घाघरा थाना क्षेत्र के बरांग गांव निवासी स्नेहा कुमारी धान रोप कर घर लौट रही थी साथ में अन्य महिलाएं भी पीछे-पीछे थीं, तभी अचानक बिजली चमका और वज्रपात हुआ, जिसमें स्नेहा जमीन पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गयीं। परिजनों ने उसे गोबर में 15 मिनट तक रखा, इसके बाद उसे

चींटी काटने लगे, तब उसे गोबर से बाहर निकाला गया।

वहीं गुमला थाना क्षेत्र के कतरी गांव निवासी 55 वर्षीय नेभी देवी और 40 वर्षीय देवंती देवी के ऊपर आसमानी बिजली गिरी। दोनों सास बहू धान रोपकर घर लौट रही थीं। शरीर में तेज जलन होने पर घरवालों ने गोबर का लेप लगाया। फिर बोलेरो से सदर अस्पताल लाये।

कोटाम पंचायत के चूहरू गांव निवासी 14 वर्षीय पुष्पा कुमारी और 18 वर्षीय वर्षा कुमारी रोपा रोपने के बाद साथ में घर लौट रहे थे, तभी रास्ते में वज्रपात की चपेट में आ गये। उन्हें आधे घंटे गोबर में ढका गया, जिसके बाद जलन कम होने पर अस्पताल लाया गया।

पनसो गांव निवासी 25 वर्षीय खुशबू देवी धान रोपकर घर लौट रहीं थीं तभी वज्रपात की चपेट में आ गयीं। जबकि हेठ जोरी निवासी 14 वर्षीय सलोनी कुमारी भी वज्रपात की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल हो गयीं।

इधर बसुआ अंबा टोली गांव निवासी 28 वर्षीय सुमंती देवी और 55 वर्षीय ललकी देवी धान रोप कर घर लौटने के क्रम में आसमानी बिजली ने अपनी चपेट में ले लिया। सुमंती गंभीर रूप से घायल हो गयीं, जबकि ललकी देवी की घटना स्थल पर ही मौत हो गयी। शनिवार की शाम 6 बजे सभी घायलों को सदर अस्पताल लाया गया जहां सभी का इलाज चल रहा है।

फोरलेन सिसई में पिकअप वाहन और दो लाख के समान की लूट का उद्भेदन, चार अपराधी गिरफ्तार

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। गुमला जिला के सिसई थाना क्षेत्र के फोरलेन में बीते 12 जुलाई को रात्रि करीब 9:15 बजे लाल पंडरिया स्थित बाईपास सड़क पर एक सफेद रंग का पिकअप जिस पर राशन का सामान लदा हुआ था , जो गुमला आ रहा था उसी समय एक बोलेरो से आये अज्ञात लोगों के द्वारा पिकअप चालक को लाठी डंडे से मारपीट करते हुए पिकअप और को लूट लिया गया। इस संबंध में चालक दिलीप सिंह ने सिसई थाना में प्राथमिकी दर्ज करायी थी। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के द्वारा एक टीम का गठन किया गया। 18 जुलाई को पुलिस अधीक्षक को

सूचना मिली कि बेड़ो थाना क्षेत्र में चार संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया है, वे लोग एक सफेद रंग के बोलेरो वाहन का प्रयोग कर भाग रहे थे। चारों व्यक्तियों को पकड़ कर पूछने पर घटना में 6 अपराध कर्मी के शामिल होने की बात बतायी। पकड़े गये अपराधियों की निशान देही पर घटना में प्रयुक्त बोलेरो वाहन और लूट कांड में लूटी गयी पिकअप वाहन साथ ही किराना के समान को बरामद किया गया। वहीं बेड़ा थाना क्षेत्र के हुलसी गांव निवासी 28 वर्षीय पुने उरांव मासू गांव निवासी 34 वर्षीय कालेश्वर गोप उर्फ क्लेश गोप जरिया सिंगवार टोली निवासी 26 वर्षीय मनोज उरांव और कटर माली गांव निवासी 38 वर्षीय मनोज महली को गिरफ्तार किया गया। चारों ने घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की है। वहीं मनोज उरांव का आपराधिक इतिहास रहा है, उस पर लूट हत्या और आर्म्स एक्ट के 9 मामले बेड़े थाना में दर्ज हैं। वहीं पुनई उरांव का भी आपराधिक इतिहास रहा है बेड़ो थाना में लूट रंगदारी और हत्या के तीन मामले दर्ज हैं। छापामारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सुरेश प्रसाद यादव पुलिस निरीक्षक सिसई सुरेंद्र कुमार सिंह थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह अजय कुमार दास, अजय कुमार, प्रमोद कुमार, आशीष कुमार, तकनीकी शाखा की टीम के साथ सिसई थाना के सशक्त बल शामिल थे। शनिवार दिन के ढाई बजे एसडीपीओ कार्यालय कक्ष में प्रेस वार्ता के बाद चारों अपराधी को जेल भेज दिया गया।

उपायुक्त ने की समस्याओं की सुनवाई मौके पर ही 116 मामलों का हुआ निष्पादन

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की पहल से जिले में प्रत्येक शनिवार को अंचल दिवस का आयोजन किया जा रहा है, ताकि आमजन की जमीन, म्यूटेशन, प्रमाण पत्र, सामाजिक सुरक्षा पेंशन और अन्य समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही सुनिश्चित हो सके। इसी क्रम में आज गुमला अंचल कार्यालय में विशेष अंचल दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने स्वयं भाग लिया और सभी आवेदकों से सीधा संवाद स्थापित करते हुए समस्याओं की जानकारी ली। आयोजित कार्यक्रम में जमीन विवाद, म्यूटेशन, सामाजिक सुरक्षा, प्रमाण पत्र से जुड़े कई प्रकार के आवेदन प्राप्त हुए। कार्यक्रम में सैकड़ों की संख्या में नागरिक पहुंचे और अपनी समस्याएं उपायुक्त के समक्ष रखीं। उपायुक्त ने न सिर्फ सभी आवेदनों को गंभीरता से सुना, बल्कि जिन मामलों का निपटारा मौके पर संभव था, उनका निष्पादन भी सुनिश्चित किया गया। उपायुक्त ने पारिवारिक व आपसी भूमि विवादों के संबंध में आवेदकों को बताया कि ऐसे मामलों के समाधान हेतु जिला प्रशासन द्वारा प्रत्येक माह की 26 तारीख को थाना दिवस का आयोजन किया जाता है।

कार्यक्रम के दौरान उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित ने यह महत्वपूर्ण घोषणा भी की कि अंचल दिवस का स्वरूप अब और व्यापक होगा। उन्होंने कहा कि अब हम अंचल दिवस को एक समग्र समाधान मंच के रूप में विस्तारित कर रहे हैं। इसमें सिर्फ जमीन से जुड़ी समस्याएं नहीं, बल्कि बैंक खातों के फ्रीज होने, चापाकल की मरम्मती, जैसे मुद्दों को भी शामिल किया जायेगा। आगामी अंचल दिवस अब 'संपूर्ण लोक समस्या निवारण दिवस' के नाम से जाना जायेगा। कार्यक्रम के दौरान कुल 151 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 116 मामलों का निपटारा मौके पर ही किया गया। जबकि शेष 35 मामलों की जांच कर शीघ्र निष्पादन हेतु संबंधित विभाग को निर्देशित किया गया। कार्यक्रम में जिन आवेदनों का ऑन द स्पॉट समाधान किया गया, उनमें भू-धारण प्रमाण पत्र के 5 में से 5, भूमि सत्यापन प्रतिवेदन 10 में से 10, एनसीएल प्रमाण पत्र 7 में से 7, ओबीसी प्रमाण पत्र 7 में से 7, पारिवारिक सूची 25 में से 18, पंजी-क्क सुधार 65 में से 51, सामाजिक सुरक्षा पेंशन 20 में से 18 मामलों का त्वरित निष्पादन किया गया। वहीं भूमि विवाद, प्राकृतिक आपदा और विविध मामलों में भी प्रशासन ने यथाशीघ्र समाधान का भरोसा दिलाया। उपायुक्त द्वारा मौके पर ही 54 विभिन्न प्रकार के स्वीकृति पत्र प्रदान किये गये।

एक दिवसीय संकुल स्तरीय वंदना सह गीत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन

बसिया (आजाद सिपाही)। एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, बसिया में गुमला संकुल के विद्या भारती विद्यालयों की एक दिवसीय संकुल स्तरीय वंदना सह गीत प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य संजय कुमार सिंह की उपस्थिति में गुमला, भरनो तथा सिसई से आए आचार्य व दीदी जी ने मां सरस्वती, ॐ व भारत माता के चित्र के समक्ष दीप जलाकर व पुष्पार्चन कर किया। प्रशिक्षण वर्ग में एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय, बसिया के अतिरिक्त सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, गुमला, सिसई तथा भरनो के 43 भैया बहनों तथा 7आचार्य/दीदी जी ने उत्साह पूर्वक भाग लिया। इस प्रशिक्षण वर्ग में विद्यालय की वंदना सभा मे होने वाली गतिविधियों यथा भजन, वंदना, मासिक गीत इत्यादि का भैया/बहनों को अभ्यास करवाया गया, ताकि वर्ष भर विद्यालय की वंदना सभा आकर्षक बनी रहे। आर्शीवचन के रूप में प्राचार्य संजय कुमार सिंह ने इस तरह के प्रशिक्षणों की आवश्यकता की बात कही।

बसिया प्रखंड के भागीडेरा में बारिश के कारण गरीब का कच्चा मकान गिरा, मदद की गुहार

बसिया (आजाद सिपाही)। बसिया प्रखंड के भागीडेरा ग्राम में दीपक साहू का मिट्टी का कच्चा मकान हो रही लगातार बारिश के कारण शनिवार को गिर गया। गनीमत रही कि यह हादसा दिन में हुआ और किसी प्रकार की अनहोनी नहीं हुई। दीपक साहू की पत्नी ने बताया कि हमारा दो रूम का कच्चा मकान है जो बारिश के कारण गिर गया। हमारे चार बच्चे हैं। अब हम लोगों के पास रहने के लिए मकान नहीं है। हर रोज बारिश हो रही है मकान गिरने से खाना बनाने वाले सारे बर्तन भी टूट फूट गये। उसने आगे प्रशासन से गुहार लगाते हुए कहा कि हमारे रहने के वैकल्पिक व्यवस्था की जाये, और घर में कुछ बहुत अनाज है उसे रखने की व्यवस्था की जाये, ताकि हम अपना पेट भर सके।

स्कॉर्पियो वाहन से छह मवेशी जब्त

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा पुलिस ने अवैध मवेशी तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक स्कॉर्पियो वाहन से छह मवेशी जब्त किये हैं। हालांकि, पुलिस को देखते ही चालक गाड़ी छोड़कर फरार हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, घाघरा पुलिस पेट्रोलिंग कर रही थी उसी दौरान चपका के समीप एक खड़ी स्कॉर्पियो वाहन नंबर (खँ05अअ 1171) के समीप कुछ लोग दिखे एवं जब सामने जाकर पुलिस ने पूछताछ करने के लिए गाड़ी रोकी वैसे ही पुलिस को देखकर वो लोग घबरा गये और गाड़ी सड़क किनारे छोड़कर अंधेरे का फायदा उठाते हुए फरार हो गये। पुलिस ने जब वाहन की तलाशी ली, तो उसमें क्रूरतापूर्वक छह मवेशियों को ठूंस-ठूंस कर भरा पाया। पुलिस ने सभी मवेशियों को वाहन से उतारकर थाने ले आयी और उनकी देखभाल की जा रही है। स्कॉर्पियो वाहन को जब्त कर लिया गया है। वहीं पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

चर्म, कुष्ठ, थायरॉयड और गुप्त रोग विशेषज्ञ डॉ संदीप गुमला में आज

गुमला (आजाद सिपाही)। झारखंड के सुप्रसिद्ध चर्म, कुष्ठ, थायरॉयड व गुप्त रोग विशेषज्ञ डॉ. संदीप रविवार को गुमला में रहेंगे। पालकोट रोड स्थित निलेश मेडिकल हॉल में प्रातः 10 बजे से दोपहर 2 बजे तक वे रोगियों की जांच करेंगे। उक्त जानकारी देते हुए निलेश मेडिकल हॉल के संचालक दिलीप निलेश ने बताया कि ससमय पहुंच कर रोगी डॉ संदीप से मिल कर रोग संबंधी परामर्श ले सकते हैं।

अग्निशमन विभाग गुमला मुख्यालय के अधिकारियों ने बच्चों किया जागरूक

सिसई (आजाद सिपाही)। प्रखंड थाना क्षेत्र अंतर्गत अग्निशमन विभाग गुमला मुख्यालय के पदाधिकारी संजय कुमार सिंह, प्रधान अग्नि चालक फिरोज मसरूर, अग्नि चालक बासु कच्छप दिन शनिवार की दोपहर को सिसई पहुंचे। और उन्होंने राजकीयकृत बालक मध्य विद्यालय सिसई में एक संकुल के रसोईया सह सहायिका को गैस सिलेंडर में लगे आग को सुरक्षित तरीके से बुझाने के लिए उपाय बताकर जागरूक किया। साथ ही उन्होंने कहा कि सिलेंडर से गैस का रिसाव होने की जानकारी होने पर बिजली स्विच, मोबाईल फोन को बंद कर, सभी खिड़की दरवाजा को तुरंत खोल देना चाहिए। अग्निशमन विभाग गुमला के द्वारा प्रखंड और जिला के सरकारी गैर सरकारी, शिक्षण संस्थान, नर्सिंग कॉलेज, अन्य प्रशिक्षण संस्थान में पहुंचकर लगातार जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन

बिशुनपुर (आजाद सिपाही)। पंचायत भवन में अग्रगति संस्था द्वारा वित्तीय साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रखंड विकास पदाधिकारी सुलेमान मुंडरी संस्था के सेंटर कोऑर्डिनेटर सचीन लकड़ा उपस्थित रहें। बीडीओ ने वित्तीय साक्षरता का उद्देश्य लोगों को बताते हुए कहा कि पैसे, निवेश, और वित्तीय नियोजन के बारे में शिक्षित करना है ताकि वे अपने वित्तीय मामलों को बेहतर ढंग से प्रबंधित कर सकें। यह अभियान लोगों को वित्तीय रूप से स्वतंत्र और सशक्त बनाने में मदद करेगा, जिससे वे अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर सकेगें। सचीन ने उपस्थित ग्रामीणों को आरबीआई और बैंकिंग से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियों से अवगत कराया। इस मौके पर काफी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

घाघरा में चलाया गया चेकिंग अभियान

घाघरा (आजाद सिपाही)। घाघरा थाना के समीप चालकों के लिए जागरूकता अभियान व मोटरसाईकिल चेकिंग शनिवार को चलाया गया। जिला परिवहन पदाधिकारी राकेश कुमार गोप के नेतृत्व में मोटरसाइकिल चेकिंग के दौरान 62 लोगों को पकड़ कर यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने को लेकर सड़क सुरक्षा काउंसलिंग किया गया। वहीं पकड़े गये वाहनों का कागजात सुपुर्द नहीं करने पर 54000 दंड राशि वसूल गया। इस जागरूकता कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से मौजूद लोगों में जिला परिवहन प्राधिकारी राकेश कुमार गोप, मोटरयान निरीक्षक प्रदीप कुमार तिर्की, सड़क सुरक्षा प्रबंधन कुमार प्रभास, सूचना प्रोद्योगिकी सहायक मंटू रवानी, घाघरा पुलिस बल सहित कई लोग शामिल थे।

उपायुक्त की अध्यक्षता में हुई विशेष बैठक, 23 जुलाई को आयोजित होगी 'डिजिटल रक्षा पाठशाला'

डिजिटल साक्षरता को जनजागरूकता से जोड़ना बेहद जरूरी है : उपायुक्त

500 से अधिक लोगों को मिलेगा प्रशिक्षण, युवाओं को डिजिटल धोखाधड़ी और फेक न्यूज से बचाव की दी जायेगी जानकारी

आजाद सिपाही संवाददाता

गुमला। वर्तमान डिजिटल युग में साइबर अपराध, ऑनलाइन ठगी एवं फेक न्यूज की घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। ऐसे में नागरिकों विशेषकर युवाओं को साइबर सुरक्षा से संबंधित जानकारी देना समय की आवश्यकता बन चुकी है। इसी उद्देश्य से उपायुक्त प्रेरणा दीक्षित की अध्यक्षता में डिजिटल रक्षा पाठशाला के आयोजन को लेकर एक विशेष बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में कार्यक्रम की रूपरेखा, विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी, तकनीकी व्यवस्थाएं, प्रचार-प्रसार और आयोजन स्थल से संबंधित तैयारियों पर विस्तृत चर्चा की गयी।

बैठक के दौरान उपायुक्त ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि डिजिटल साक्षरता को जनजागरूकता से जोड़ना बेहद जरूरी है। हमारा प्रयास है कि आम नागरिक डिजिटल दुनिया में आत्मनिर्भर बनें और साइबर अपराधों के प्रति सचेत भी रहें।

कार्यक्रम का आयोजन 23 जुलाई को : यह विशेष जागरूकता कार्यक्रम 23 जुलाई 2025 को कार्तिक उरांव कॉलेज ऑडिटोरियम में आयोजित किया जायेगा। कार्यक्रम का समय प्रातः

11:00 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक निर्धारित किया गया है। इस दौरान विशेषज्ञों द्वारा साइबर सुरक्षा, फेक न्यूज की पहचान, डिजिटल व्यवहार में सतर्कता, और आवश्यक ऐप्स व पोर्टल की जानकारी दी जायेगी।

प्रथम चरण में 500 से अधिक लोगों को प्रशिक्षण : कार्यक्रम के पहले चरण में जिले भर के चयनित 500 से अधिक प्रतिभागियों को आमंत्रित किया गया है, जिनमें पंचायत प्रतिनिधि, श्छए, छात्र-छात्राएं, स्वयंसेवी समूहों के सदस्य, समाज कल्याण विभाग के कर्मी, पारा शिक्षक, विद्यालय प्राचार्य, और डिजिटल माध्यम से काम करने वाले कार्मिक शामिल होंगे।

उपायुक्त ने तैयारियों को लेकर दिए आवश्यक निर्देश : बैठक में नगर परिषद को आयोजन स्थल की समुचित सफाई सुनिश्चित करने, अनुमंडल पदाधिकारी को पार्किंग और यातायात नियंत्रण व्यवस्था की जिम्मेदारी सौंपी गयी है। वहीं प्रखंड विकास पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों से अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। कार्यक्रम को जमीनी स्तर तक पहुंचाने के लिए शिक्षा विभाग की भूमिका को महत्वपूर्ण माना गया है। सभी उच्च विद्यालयों के प्राचार्य, परा शिक्षक आदि को आमंत्रित किया जायेगा। साथ ही, समाज कल्याण विभाग की ओर से महिला समूहों, किशोरियों, और ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी भी सुनिश्चित की जायेगी।

प्रशिक्षण कार्यक्रम को व्यापक पहुंच देने के लिए पविभिन्न ऐप का इस्तेमाल किया जायेगा, साथ ही सभी प्रखंडों में पोस्टर, बैनर, फ्लेक्स तथा प्रजेंटेशन तैयार कर वितरित किए जाएंगे। कार्यक्रम की सामग्री हार्ड कॉपी एवं सॉफ्ट कॉपी दोनों रूपों में उपलब्ध कराई जायेगी, ताकि इसे विद्यालयों, पंचायत भवनों और सार्वजनिक स्थलों पर साझा किया जा सके।

झरिया में फिर भू-धंसान, दहशत

बेलगड़िया टाउनशिप में बिना मास्टर प्लान के आवास बनाये गये हैं, यहां न सुविधाएं हैं और न रोजगार : झरिया विधायक

आजाद सिपाही संवाददाता

झरिया। झरिया में फिर एक बार भू धसान का मामला सामने आया है। इससे लोगों में दहशत का माहौल है। ऐसा ही झरिया के इंदिरा चौक के समीप शुक्रवार देर रात भू-धंसान की एक बड़ी घटना सामने आयी, जिससे क्षेत्र में अफरातफरी मच गयी। झरिया-सिंदरी मुख्य मार्ग से कुछ ही दूरी पर वर्षों से खड़ी एक पुरानी 407 वाहन अचानक जमीन में समा गयी। संयोगवश घटना में कोई जनहानि नहीं हुई लेकिन इससे इलाके में दहशत फैल गयी। स्थानीय लोगों के अनुसार जमींदोज हुई गाड़ी मोहम्मद रियाज नामक व्यक्ति की थी, जिसकी पार्ट्स की दुकान घटनास्थल के सामने ही है। वाहन कई दिनों से उसी स्थान पर खड़ा था, लेकिन देर रात अचानक जमीन धंस गयी और गाड़ी पूरी तरह समा गयी। घटना की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में स्थानीय लोग मौके पर जुटे और प्रशासन तथा बीसीसीएल के प्रति नाराजगी जताई। लोगों का कहना था कि प्रशासन तब तक चुप बैठा रहेगा, जब तक कोई बड़ा हादसा या जनहानि नहीं हो जाती।

विस्थापन नहीं हुआ, तो यहां कभी भी बड़ा हादसा : महाप्रबंधक

बीसीसीएल एरिया-10 के महाप्रबंधक निखिल बी. त्रिवेदी ने घटनास्थल का निरीक्षण करने के बाद कहा कि यह क्षेत्र पहले से ही अग्नि प्रभावित (फायर जोन) घोषित है। यहां की जमीन अंदर से कमजोर है। उन्होंने कहा कि इस बार अधिक वर्षा के कारण ही भू-धंसान की घटनाएं तेज हुई हैं। त्रिवेदी ने चेतावनी दी कि यदि समय रहते विस्थापन नहीं हुआ तो यहां कभी भी बड़ी हादसा हो सकता है। उन्होंने बताया कि माइनिंग नक्शे के आधार पर स्थल की तकनीकी जांच की जायेगी और डीआरडीए पुनर्वास पैकेज के तहत स्थानीय लोगों को जल्द से जल्द विस्थापित किया जायेगा।

वहीं शनिवार की सुबह झरिया विधायक रागिनी सिंह, बीसीसीएल एरिया-10 के जीएम निखिल बी. त्रिवेदी, पूर्व पार्षद अनूप साव, दिलीप भारती, महेश शर्मा, मोहन पांडेय समेत कई अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू करवाया। राहत कार्य में जुटे कर्मियों ने घंटों मशक्कत के बाद वाहन को क्रेन की सहायता से बाहर निकाला और घटनास्थल की भराई करायी गयी।

घटना को लेकर विधायक रागिनी सिंह ने घटना को गंभीर बताते हुए, कहा कि भगवान का शुक्र है कि इस बार कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन यह पूरी तरह प्रशासन और बीसीसीएल की लापरवाही का नतीजा है। उन्होंने कहा कि झरिया में लंबे समय से भू-धंसान की घटनाएं हो रही हैं लेकिन प्रशासनिक स्तर पर न तो कोई ठोस कदम उठाये गये हैं और न ही किसी विस्थापन नीति को प्रभावी रूप से लागू किया गया है। उन्होंने कहा कि बेलगड़िया टाउनशिप में बिना मास्टर प्लान और जनता की राय लिए आवास बनाये गये हैं, जहां न तो मूलभूत सुविधाएं हैं और न ही रोजगार। इसलिए, झरिया की जनता जहां विस्थापन चाहती है उन्हें वहीं बसाया जाये।

सर्च अभियान के दौरान पुलिस को हथियार-विस्फोटक सामग्री मिली

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। विगत 16 जुलाई को गोमिया थानांतर्गत बिरहोरडेरा के जंगली क्षेत्र में संयुक्त बलों एवं नक्सली दस्ता के साथ मुठभेड़ की घटना के बाद से जारी सर्च अभियान के दौरान 18 जुलाई को पुलिस ने हथियार, मैगजीन व विस्फोटक सामग्री बरामद किया है। इसमें 1 एसएलआर रायफल, 20 एसएलआर गोली,इंसास व एसएलआर की मैगजीन, 2 बंडल कोडेक्स वायर एवं डेटोनेटर की बरामदगी हुई। डेटोनेटर को बीबीडीएस टीम द्वारा विनष्ट कर दिया गया। इस आशय की जानकारी एसपी हरविंदर सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दी। गौरतलब है कि उक्त मुठभेड़ की घटना में 5 लाख का इनामी नक्सली कुंवर मांझी को सुरक्षा बलों ने ढेर कर दिया था।जबकि कोबरा 209 बटालियन का एक जवान प्राणेश्वर कोच शहीद हो गये थे।

कार्यक्रम में अधिवक्ता और लिपिकों को दी गयी इ-फाइलिंग की ट्रेनिंग

धनबाद (आजाद सिपाही)। ई-कोर्ट्स भारत में न्यायिक प्रक्रिया को डिजिटलीकरण और तकनीकी रूप से सक्षम बनाने की एक पहल है। यह परियोजना ई-गवर्नेंस के तहत न्यायपालिका में पारदर्शिता, दक्षता और तेजी लाने के लिए माननीय सर्वोच्च न्यायालय द्वारा वर्ष 2007 में शुरू की गयी है। इसके तहत न्यायालयों में ई-फाइलिंग, ऑनलाइन केस ट्रैकिंग, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और डिजिटल दस्तावेज प्रबंधन को बढ़ावा दिया जा रहा है। उपरोक्त बातें शनिवार को धनबाद सिविल कोर्ट में आयोजित ई कोर्ट्स ट्रेनिंग प्रोग्राम के दौरान धनबाद के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी ने कहा। इसके पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्जवलित कर जिला एवं सत्र न्यायाधीश वीरेंद्र कुमार तिवारी, जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनीष, मनीषरंजन, ने किया। अवर न्यायाधीश सह सचिव डालसा मयंक तुषार टोपनो ने बताया कि लोग अब अपने मुकदमों के संबंध में ऑनलाइन केस ट्रैकिंग और आदेश डाउनलोड कर पायेंगे।

झरिया इंदिरा चौक फुलारीबाग भू-धंसान क्षेत्र का संतोष सिंह ने किया दौरा

धनबाद (आजाद सिपाही)। जिला कांग्रेस कमेटी के जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह कांग्रेस नेताओ कार्यकर्ताओं के साथ झरिया इंदिरा चौक फुलारीबाग भू-धंसान क्षेत्र का सघन दौरा किया एवं बिस्थापित परिवारों से मिला तथा संबंधित पदाधिकारी बीसीसीएल एरिया 10 के महाप्रबंधक से बात की। धनबाद कांग्रेस जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव सह प्रवक्ता शमशेर आलम, अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष अब्दुल करीम अंसारी, राष्ट्रीय युवा कांग्रेस के सचिव एहसान अहमद खान, झरिया नगर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष श्याम कुमार साव, भोला सिंह, शिव शंकर सिंह, मृत्युंजय सिंह, अशोक मालाकार, रवी सिंह राठौर, राहुल चौहान, अर्जुन विश्वकर्मा, फैज अहमद, गीता सिंह, वीरेंद्र यादव, राजीव झा, निसार आलम,चंदन मोदक, सहित सैकड़ों कांग्रेसजन उपस्थित थे। प्रभावित क्षेत्रों को निरीक्षण करते हुए विस्थापित परिवारों से मिलकर कहा की अथा शीघ्र उचित कार्रवाई होगी। इसके लिए हम सभी कांग्रेस जन आपके साथ खड़े हैं। बीसीसीएल सिर्फ कोयला उत्पादन पर जोर दे रही है। विस्थापन पर ध्यान नहीं दे रही है, यहां कभी भी बहुत बड़ा हादसा हो सकता है और बड़ी दुर्घटना का निमंत्रण दे रहा है। यहां बार-बार भू-धंसान हो रहा है और प्रबंधन मौन है। जरूरत पड़ी, तो हम लोग उपायुक्त धनबाद से मिलकर विस्थापित परिवार की बात रखेंगे। जिलाध्यक्ष ने कहा कि बेलगडिया टाउनशिप जो इमारत बनी हुई है, एक तो बहुत छोटी है और बहुत कमजोर है। कभी भी भू-धंसान क्षेत्र से भी बड़ा हादसा हो सकता है। विस्थापन के नाम पर चारों तरफ लूट मची हुई है। झारखंड प्रदेश कांग्रेस सचिव सह प्रवक्ता शमशेर आलम ने कहा कि झरिया का दुर्भाग्य है कि इमानदार जन-प्रतिनिधित्व नहीं मिला है, जब तक झरिया को दबंग लोगों से मुक्ती नही मिलेगी, तब तक झरिया को कोई नही बचा सकता है। शमशेर आलम ने कहा कि बीसीसीएल और जिला प्रशासन विस्थापन के मुद्दे पर त्वरित कार्रवाई करे अन्यथा कांग्रेस जोरदार आंदोलन करेगी।

उपायुक्त की पहल पर बिरसा पुल की हुई मरम्मत

धनबाद (आजाद सिपाही)। उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी आदित्य रंजन की पहल पर दामोदर नदी पर स्थित मोहलबनी बिरसा पुल की मरम्मत आज पूरी हो गई है। इस संबंध में उपायुक्त ने बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि उपरोक्त पुल पर गड्ढों के कारण लोगों को आवा-जाही करने में भारी परेशानी का सामना करना पड़ता था। वर्षा के कारण गड्ढों में जल-जमाव हो जाता था। इसके कारण वाहन चालकों, विशेष कर दोपहिया वाहनों को पुल से गुजरने में दिक्कत हो रही थी। मामले पर त्वरित संज्ञान लेकर उपायुक्त ने एनएच डिविजन के कार्यपालक अभियंता को युद्ध स्तर पर पुल की मरम्मत करने का निर्देश दिया। जिसके परिणामस्वरूप पुल पर बने गड्ढों को भरकर सुचारू आवागमन के लिए तैयार कर दिया गया।

बार एसोसिएशन चुनाव को लेकर गहमागहमी

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो बार एसोसिएशन के चुनाव को लेकर बोकारो बार परिसर में सरगर्मी तेज हो गई है। परिसर में चुनावी गहमागहमी का माहौल देखने को मिल रहा है। नामांकन पत्रों की बिक्री शुरू हो चुकी है, जो 23 जुलाई तक जारी रहेगी। 20 से 24जुलाई तक नामांकन दाखिल जबकि , 25 को स्क्रुटनी किया जाएगा। चुनाव 2 अगस्त को होगा। मतगणना 3 अगस्त को निर्धारित की गई है। चुनाव में अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, सचिव सहित कई अन्य पदों के लिए प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। कई अधिवक्ताओं ने नामांकन पत्र खरीद लिया है। उपाध्यक्ष पद के प्रबल दावेदार रणजीत गिरि ने फॉर्म लेने के बाद अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए अपनी प्राथमिकताएं गिनाते हुए कहा कि वे बार एसोशिएशन के विकास एवं अधिवक्ताओं के हितों की रक्षा करने को लेकर प्रतिबद्ध हैं।

दिल्ली जाकर आजाद अंसारी ने शिबू सोरेन की स्वास्थ्य के लिए जानकारी

जैनामोड़(बेरमो)। झामुमो अल्पसंख्यक मोर्चा बोकारो जिला अध्यक्ष आजाद अंसारी अपने सहयोगियों के साथ पूर्व मुख्यमंत्री सह झामुमो के केंद्रीय अध्यक्ष, राज्य सभा सांसद शिबू सोरेन का स्वास्थ्य की जानकारी लेने के लिए गंगाराम अस्पताल स्थित दिल्ली पहुंचे। दिल्ली पहुंचकर पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के स्वास्थ्य की जानकारी ली। झारखंड सरकार के मंत्री हाफिजुल हसन से मुलाकात कर अपने बोकारो जिला के विभिन्न क्षेत्रों के समस्याओं की जानकारी उपलब्ध कराई। समस्याओं की समाधान करने का आग्रह किया। बीते दिन हफीजूल हसन की दिल्ली स्थित मेदांता अस्पताल में हार्ट सर्जरी हुई थी। बोकारो जिला अल्पसंख्यक मोर्चा अध्यक्ष मोहम्मद आजाद अंसारी ने स्वास्थ्य की जानकारी ली। स्वास्थ्य जानकारी लेने के बाद उन दोनों नेताओं को शीघ्र स्वास्थ्य होने की प्रार्थना की। मिलने वाले में मुख्य रूप से समीम अंसारी, तबरेज आलम, मोसीम अंसारी शामिल थे।

3 अगस्त को दिल्ली में आयोजित होगा जय भोजपुरी जय भोजपुरिया 11वां स्थापना दिवस

बेरमो कार्यालय(बेरमो)। बेरमो कोयलांचल भोजपुरी परिवार की बैठक कथारा सीसीएल अतिथि गृह में आयोजित हुई। यह बैठक अखिल भारतीय भोजपुरी साहित्य सम्मेलन झारखंड प्रदेश उपाध्यक्ष सतेन्द्र कुमार ओझा की अध्यक्षता तथा भोजपुरी सम्राट लाखन सिंह के संचालन मे हुई। जबकि मुख्य अतिथि के रूप मे मुखिया ललन सिंह, विशिष्ट अतिथि केपी सिंह उपस्थित रहे। इस बैठक मे 3 अगस्त को माता सुंदरी लेन-1, माता सुंदरी कालेज बाराखम्भा नयी दिल्ली मे भोजपुरी संगठन जय भोजपुरी जय भोजपुरिया के 11वां स्थापना दिवस समारोह आयोजित होने वाला है, उस सम्मलेन मे सभी के शामिल होने पर सहमति बनी।

बीएसएल के बिजनेस एक्सीलेंस विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन

बोकारो (आजाद सिपाही)। बोकारो इस्पात संयंत्र के राजभाषा विभाग के द्वारा बिजनेस एक्सीलेंस विभाग में हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में मनीष जलोटा, मुख्य महा प्रबंधक के साथ विभाग के वरीय अधिशासी एवं कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्य अतिथि मनीष जलोटा के द्वारा राजभाषा हिंदी के प्रयोग के प्रगति पर प्रसन्नता ब्यक्त करते हुए भविष्य में भी हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग करने पर बल दिया गया। बिजनेस एक्सीलेंस विभाग की हिंदी अधिकारी देवयानी चक्रबोर्ती ने कार्यक्रम में सभी का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन राजभाषा विभाग के अधिकारी अलोक कुमार, उप महाप्रबंधक के द्वारा किया गया। अलोक कुमार, उप महाप्रबंधक ने हिंदी का राजभाषा के रूप में महत्व, इसकी उपयोगिता, संवैधानिक महत्व के बारे में विस्तृत चर्चा की। साथ ही यूनिकोड का अधिकाधिक प्रयोग कर संसदीय राजभाषा समिति की अपेक्षाओं के अनुरूप हिंदी पत्राचार में वृद्धि करने की अपील की। कार्यशाला में हिंदी प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसमें विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। समापन महा प्रबंधक अनुपमा तिवारी के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

आइआइएमयूएन कांफ्रेंस 2025 का उद्घाटन

आजाद सिपाही संवाददाता

धनबाद। धनबाद स्थित क्रेडो वर्ल्ड स्कूल में आयोजित इंटरनेशनल मूवमेंट टू यूनाइट नेशन्स (आईआईएमयूएन) कॉन्फ्रेंस 2025 के उद्घाटन समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल होकर देव कुमार वर्मा ने देशभर से आ/२ प्रतिभाशाली युवाओं को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर को अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक बताया। अपने संबोधन में श्री वर्मा ने कहा की, जब देश के कोने-कोने से आए विद्यार्थियों को वैश्विक मंच पर गंभीरता से विमर्श करते देखता हूं, तो यह विश्वास और भी दृढ़ होता है कि भारत का भविष्य समर्थ, संवेदनशील और जागरूक हाथों में है। साथ ही उन्होंने कहा कि आइआइएमयूएन जैसे आयोजन नई पीढ़ी को संवाद, नेतृत्व और वैश्विक दृष्टिकोण से समृद्ध करते हैं।

इस अवसर पर देव कुमार वर्मा के द्वारा पौधरोपण भी किया गया। उन्होंने विद्यार्थियों के साथ मिलकर पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य का संदेश दिया। कार्यक्रम के अंत में श्री वर्मा ने सभी प्रतिभागियों को उनके प्रयासों के लिए बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ये युवा ही आने वाले समय में एक सशक्त, समावेशी और पर्यावरण-संवेदनशील भारत के निर्माण में अग्रणी भूमिका निभायेंगे।

अरकेएमयू प्रतिनिधियों के साथ जारंगडीह कोलियरी प्रबंधन की एजेंडा मीटिंग

कथारा/ जारंगडीह। जारंगडीह स्थित परियोजना पदाधिकारी के कार्यालय कक्ष में एजेंडा वार्ता हुई। यहां राष्ट्रीय कोयला मजदूर यूनियन जारंगडीह शाखा के प्रतिनिधियों द्वारा पूर्व में सौपे गए 21 सूत्री मांगपत्र को लेकर प्रबंधन के साथ वार्ता हुई। इसमें प्रबंधन की ओर से पीओ विनोद कुमार, प्रबंधक मानव संसाधन सुभाष पासवान उपस्थित रहे। जबकि संगठन की ओर से कथारा क्षेत्रीय सचिव विजय कुमार सिंह, संगठन के वरीय नेता व जिला परिषद सदस्य आकाश लाल सिंह, कार्यकारी अध्यक्ष गणेश राम शामिल रहे। जारंगडीह शाखा के सचिव खगेश्वर रजक ने मांगपत्र की समस्याओ को प्रबंधन के समक्ष रखने का कार्य किया। इसपर पीओ श्रीकुमार ने सकरात्मक कदम उठाने का भरोसा दिलाया। वही क्षेत्रीय व मुख्यालय स्तर पर पूरी किए जाने वाले मांग को अग्रसारित करने की बात कही। इस अवसर पर शाखा उपाध्यक्ष पवित्र दास, सहायक सचिव राम प्रसाद मांझी, सपना राम, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश रजक, सेफ्टी बोर्ड के सदस्य सतीश वर्णवाल, बैरिस्टर सिंह लीलू गोप, शिशिर बार्तिया, प्रकाश तुरी आदि लोग उपस्थित थे।

काला हीरा कार्यक्रम का दूसरा दिन

चार राज्यों के कलाकारों ने दी सांस्कृतिक नृत्य एवं संगीत की शानदार प्रस्तुतियां

धनबाद (आजाद सिपाही)। 9वां ऑल इंडिया मल्टीलिंगुअल ड्रामा,डांस, ड्राइंग एंड म्यूजिक कंपटीशन फेस्टिवल 'काला हीरा' के दूसरे दिन के कार्यक्रम का शुभारंभ काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद, मुख्य अतिथि बंगाल की प्रख्यात आर्टिस्ट,अनिता दत्ता, अनुभूति एक एहसास की निदेशक सरसी चंद्र क्लब इंडिया के डायरेक्टर संतोष रजक समेत अन्य अतिथियों के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। राजेंद्र प्रसाद ने सभी अतिथियों को अंग वस्त्र एवं पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित कर स्वागत किया। दूसरे दिन चार राज्यों वेस्ट बंगाल, उड़ीसा, आजमगढ़ एवं झारखंड के स्थानीय कलाकारों के द्वारा सांस्कृतिक डांस,इंस्ट्रूमेंटल म्यूजिक, ड्राइंग सिंगिंग प्रतिस्पर्धा में 180 प्रतिभागियों ने दमदार दर्शनीय प्रस्तुति देकर दर्शकों की वाहवाही एवं तालियां बटोरी। आज के कार्यक्रम की निर्णायक बंगाल की अनिता दत्ता थीं। काला हीरा के निदेशक राजेंद्र प्रसाद ने कहा कि कार्यक्रम में कलाकारों द्वारा कुचिपुड़ी, भरतनाट्यम, ओडीसी समेत चारों राज्यों के प्रांतीय संस्कृति नृत्य, लोक गायन, वाद्य यंत्र,चित्रकारी प्रतिस्पर्धा ओं में कलाकारों ने बहुत ही शानदार एवं प्रसंसनीय प्रस्तुति दी है। कार्यक्रम का संचालन अनुभूति एक एहसास की निर्देशिका सरसी चंद्रा द्वारा बहुत ही शानदार और व्यवस्थित ढंग से की गई।काला हीरा के दूसरे दिन के सफल कार्यक्रम में सरसी चंद्रा सचिव हेमंत कुमार मंडल, कोषाध्यक्ष नरेश राय वाइस प्रेसिडेंट मिताली मुखर्जी, देवनारायण, उत्तम विश्वकर्मा,सतीश कुमार, रविकांतआर कुमार शिवानी, दीक्षा, वशिष्ठ प्रसाद सिन्हा,सरसी चंद्रा, संजय चंद्रा, यूसी मिश्रा का योगदान था।

चास के शिव हॉस्पिटल में डीआइएमसी टीम ने की छापामारी

बोकारो (आजाद सिपाही)। चास अनुमंडल क्षेत्र के आइटीआइ मोड़ स्थित शिव हॉस्पिटल में शुक्रवार को जिला निरीक्षण एवं निगरानी समिति (डीआईएमसी) की टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर छापेमारी कर अल्ट्रासाउंड सेंटर का औचक निरीक्षण किया। पीसीपीएनडीटी एक्ट का अनुपालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से यह कार्रवाई की गई।निरीक्षण के दौरान पाया गया कि बिना वैध कागजात के अल्ट्रासाउंड सेंटर का परिचालन किया जा रहा है। टीम का नेतृत्व चास अनुमंडल पदाधिकारी प्रांजल ढांडा ने किया। निरीक्षण के दौरान टीम ने अस्पताल के चिकित्सक डॉ. महेंद्र कुमार को बिना वैध लाइसेंस के एक महिला का अल्ट्रासाउंड करते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। मौके पर अल्ट्रासाउंड मशीन समेत अन्य जरूरी उपकरणों को जब्त कर लिया गया। जब्ती की प्रक्रिया चास अंचलाधिकारी दिवाकर दुबे की देखरेख में पूरी कर मौके पर ही जब्ती सूची तैयार की गई।

बीएसएल का सघन पौधरोपण अभियान शुरू

आजाद सिपाही संवाददाता

बोकारो। बीएसएल के नगर प्रशासन विभाग के तत्वावधान में सेक्टर-4 स्थित सूर्य मंदिर के समीप से सघन वृक्षारोपण का अभियान 19 जुलाई को निदेशक प्रभारी श्री बीरेंद्र कुमार तिवारी की अगुवाई में आरम्भ किया गया। इस मौके पर अधिशासी निदेशक राजश्री बनर्जी, अधिशासी निदेशक विकास मनवटी, अधिशासी निदेशक सीआर मिश्रा, अधिशासी निदेशक अनीष सेनगुप्ता, मुख्य महाप्रबंधक लक्ष्मी दास, मुख्य महाप्रबंधक

कुंदन कुमार और हॉर्टिकल्चर अनुभाग की टीम उपस्थित थी।

इस अभियान के तहत बीएसएल द्वारा वित्त वर्ष 2025 -26 के दौरान कुल 665000 पौधे लगाने की योजना है। बीएसएल के पर्यावरण संरक्षण एवं सस्टेनेबिलिटी विभाग के द्वारा वित्त वर्ष 2025 -26 में बोकारो इस्पात संयंत्र के अंदर 65000 पौधे लगाये जायेंगे तथा शेष 600000 पौधे टाउनशिप के आसपास में लगाने का लक्ष्य नगर प्रशासन विभाग द्वारा रखा गया है। इस अवसर पर निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी ने वृक्षारोपण के लिए नगर प्रशासन के प्रयासों की सराहना की और सभी को इस मानसून में बड़े पैमाने पर पौधरोपण करने के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी

सूचना

पथ निर्माण विभाग, पथ प्रमण्डल, खूँटी के अन्तर्गत सिसई – लापुंग–डोरमा पथ (MDR-030) के कि0मी0 5th, 9th, 10th, 12th, 15th, 27th, 30th & 31st के सकीर्ण HPC कलभर्ट को चौड़ीकरण कार्य कि0मी0 5th में स्थित RCC कलभर्ट को चौड़ीकरण कार्य तथा कि0मी0 29th में 1200 MM dia का Double Vent HPC कलर्भट निर्माण कार्य जिसका **निविदा आमंत्रण सूचना संख्या– प0 नि0 वि0 /खूँटी/657 दिनांक 10.07.2025 PR No. 357001 Road (25-26)#D** को अपरिहार्य कारण से निविदा रद्द की जाती है।

कार्यपालक अभियंता
पथ निर्माण विभाग,
पथ प्रमण्डल, खूँटी।

PR.NO.357737 Road(25-26):D

Government of Jharkhand
Directorate of Food & Consumer Affairs
3rd Floor, JSFC Bhawan, Kadru, Ranchi -834002
Notice Inviting Tender through GeM Portal
Letter No.-kha.up.ni.01-vividh-01/2024- **1142** Date : **18-07-2025**
Selection of Aadhar enabled 4G e-PoS Manufacturer/System Integrator for FPS Upgradation/Automation across Jharkhand State through GeM Platform.

Bid Details

1.	Name of Work	Selection of Aadhar enabled 4G e -PoS Manufacturer/System Integrator for FPS Upgradation/Automation across Jharkhand State (RFP ref No. 1137 Date 18.07.2025)
2.	Tender Publishing Date/ Download Link of Tender Document	21-07-2025/ Through https:// www.jharkhand.gov.in/food and https://gem.gov.in
3.	Bid validity period	180 days from the last date (deadline) for submission of Techno-financial response/ proposals.
4.	EMD Amount	Rs. 3,56,00,000/- (Rupees Three Crore Fifty Six Lakhs only) (~ 2 % of estimated cost) to be paid online (Directorate bank account provided in RFP) /demand draft / BG through GeM portal valid for a minimum period of 180 days.
5.	Last Date & Time for Submission of Pre -bid Queries (By e-mail)	29-07-2025 up to 04:00 pm e-Mail – directorfood18@gmail.com
6.	Date of Pre-bid meeting	28-07-2025 at 01:00 pm through Google Meet (https://meet.google.com/hyv - pudc-qxq).
7.	Date of release of responses to clarifications / queries / corrigendum	Before the last date of bid submission.
8.	Last Date and time of Bid Submission	08-08-2025 up to 06:00 pm
9.	Date of proposed e-PoS device sample submission	Will be intimated later.
10.	Date of opening of Technical Bid.	09-08-2025
11.	Date of Technical presentation	After Technical Evaluation date shall be intimated.
12.	Date of Financial Bid opening	Date will be intimated to qualified bidders.
13.	Tender Inviting Authority and Address.	The Director, Directorate of Food and Consumer Affairs, Government of Jharkhand, 3rd Floor, JSFC Bhawan, Kadru, Ranchi 834002 e-mail: directorfood18@gmail.com

- Any changes/modifications/corrigendum in the tender documents will be posted on website **https:// www.jharkhand.gov.in/food** and https://gem.gov.in

Sd/-
Director
Directorate of Food & Consumer Affairs, Jharkhand.

PR 357728 Directorate of Food and Consumer Affairs(25-26)D

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा

1 अक्टूबर से लागू होगा भारत इएफटीए व्यापार समझौता

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। भारत और चार देशों के यूरोपीय समूह इएफटीए के बीच मुक्त व्यापार समझौता एक अक्टूबर से लागू होगा। दोनों पक्षों ने 10 मार्च, 2024 को व्यापार और आर्थिक साझेदारी समझौते (टीइपीए) पर हस्ताक्षर किये। समझौते के तहत भारत को समूह से 15 वर्षों में 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता प्राप्त हुई है, जबकि स्विस घड़ियों, चॉकलेट और कटे और पॉलिश किए गए हीरों जैसे कई उत्पादों को कम या शून्य शुल्क पर अनुमति दी गयी है।

वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि भारत-इएफटीए टीइपीए 1 अक्टूबर से प्रभावी होगा। यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के सदस्य आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड हैं। समूह ने 100 बिलियन अमेरिकी डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है - समझौते के कार्यान्वयन के बाद 10 वर्षों के भीतर 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर तथा अगले पांच वर्षों में 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर- जिससे भारत में 1 मिलियन प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। यह भारत द्वारा अब तक हस्ताक्षरित किसी भी व्यापार समझौते में सहमत अपनी तरह की पहली प्रतिज्ञा है।

यह प्रतिबद्धता इस समझौते का मुख्य तत्व है, जिसे पूरा होने में लगभग 16 वर्ष लगे, जिसके बदले में भारत ने यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ देशों से आने वाले कई उत्पादों के लिए अपने बाजार खोल दिये। इस समूह में भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार स्विट्जरलैंड है। शेष तीन देशों के साथ भारत का व्यापार कम है। इस समझौते में भारत अपनी टैरिफ लाइनों या उत्पाद श्रेणियों का 82.7 प्रतिशत हिस्सा देने की पेशकश कर रहा है, जो इएफटीए निर्यात का 95.3 प्रतिशत है, जिसमें से 80 प्रतिशत से अधिक आयात सोना है। घरेलू ग्राहकों को उच्च गुणवत्ता वाले स्विस उत्पाद, जैसे घड़ियां, चॉकलेट, बिस्कुट और घड़ियां, कम कीमत पर उपलब्ध हो जाएंगे, क्योंकि भारत व्यापार समझौते के तहत इन वस्तुओं पर सीमा शुल्क को 10 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त कर देगा। सेवा क्षेत्र में वाणिज्य मंत्रालय ने पहले कहा था कि भारत ने ईएफटीए को 105 उप-क्षेत्रों की पेशकश की है, जैसे लेखांकन, व्यावसायिक सेवाएं, कंप्यूटर सेवाएं, वितरण और स्वास्थ्य। दूसरी ओर, देश ने स्विट्जरलैंड से 128 उप-क्षेत्रों में, नॉर्वे से 114, लिकटेंस्टीन से 107 और आइसलैंड से 110 उप-क्षेत्रों में प्रतिबद्धताएं हासिल की हैं। जिन क्षेत्रों में भारतीय सेवाओं को बढ़ावा मिलेगा, उनमें कानूनी, दृश्य-श्रव्य, अनुसंधान एवं विकास, कंप्यूटर, लेखांकन और लेखा परीक्षा शामिल हैं। इसके अलावा, यह समझौता घरेलू निर्यातकों को यूरोपीय संघ (इयू) के बाजारों में एकीकृत होने का अवसर प्रदान करेगा। स्विट्जरलैंड के वैश्विक सेवा निर्यात का 40 प्रतिशत से अधिक यूरोपीय संघ को होता है। भारतीय कंपनियाँ यूरोपीय संघ तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए स्विट्जरलैंड को एक आधार के रूप में देख सकती हैं। 2024-25 में भारत-इएफटीए द्विपक्षीय व्यापार 24.4 बिलियन अमेरिकी डॉलर था।

शिक्षकों के टॉर्चर से परेशान मेडिकल छात्रा ने जान दी

- सुसाइड नोट में लिखा- महेंद्र सर, शैरी मैम जिम्मेदार
- नोएडा में यूनिवर्सिटी हॉस्टल में मिला शव

आजाद सिपाही संवाददाता

ग्रेटर नोएडा। 'अगर मेरी मौत हुई तो इसके लिए पीसीपी और डेंटल मेडिकल के टीचर जिम्मेदार होंगे। महेंद्र सर और शैरी मैम मेरी मौत के लिए जिम्मेदार हैं। उन्होंने मुझे मानसिक रूप से प्रताड़ित किया, मुझे अपमानित किया। उनकी वजह से लंबे समय से डिप्रेशन में हूं। मैं चाहती हूं कि उन्हें भी यही सब सहना पड़े। सॉरी... मैं अब और नहीं जी सकती।' ये बातें ग्रेटर नोएडा की शारदा यूनिवर्सिटी की छात्रा ज्योति शर्मा ने अपने सुसाइड नोट में लिखीं। शुक्रवार शाम 7 बजे उसने फांसी लगाकर जान दे दी। गर्ल्स हॉस्टल मंडेला की 12वीं मंजिल पर कमरे में पंखे से छात्रा का शव लटका मिला। घटना का पता उस वक्त चला, जब साथी छात्रा रूम के पास गयी। देखा तो दरवाजा अंदर से बंद था। धक्का दिया तो दरवाजा खुल गया, फिर उसने पुलिस और वॉर्डन को सूचना दी। जैसे ही ज्योति के सुसाइड की खबर फैली, छात्र-छात्राएं इकट्ठा हो गये और हंगामा करने लगे। उन्होंने जुलूस निकालकर यूनिवर्सिटी प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। इसके बाद सुबह कॉलेज में पहुंचे परिजनों ने हेड ऑफ डिपार्टमेंट से बातचीत की। इस दौरान गुस्से में आकर छात्रा की मां ने एचओडी को थप्पड़ जड़ दिया। परिजनों और कॉलेज के स्टूडेंट्स ने एचओडी के साथ धक्का-मुक्की की, तभी एसीपी को भी धक्का लगा। जिससे भीड़ को हटाने के लिए पुलिस फोर्स ने परिजनों और स्टूडेंट्स को मारा-पीटा। सूचना पर पहुंची पुलिस से छात्रों की नोकझोंक भी हुई। उधर, छात्रा ने सुसाइड नोट में जिन दो शिक्षकों महेंद्र और शैरी पर आरोप लगाया है, यूनिवर्सिटी ने उन्हें सस्पेंड कर दिया। पुलिस ने दोनों को अरेस्ट कर लिया है।

चंदन मिश्रा हत्या मामले में एसएसपी ने आठ पुलिसकर्मियों को किया निलंबित

- ड्यूटी में लापरवाही बरतने के आरोप में की गयी कार्रवाई

आजाद सिपाही संवाददाता

पटना। पटना में गैंगस्टर चंदन मिश्रा हत्याकांड मामले में आठ पुलिसकर्मियों पर गाज गिरी है। लापरवाही बरतने के आरोप में 8 पुलिसवालों को सस्पेंड किया गया है। जिसमें एक दारोगा, दो सिपाही समेत कई पुलिसकर्मी शामिल हैं। ये कार्रवाई पटना एसएसपी कार्तिकेय शर्मा ने की है। बताया जा रहा है कि हत्याकांड के दौरान गश्त में लापरवाही के आरोप में ये एक्शन लिया गया है।

बता दें कि 17 जुलाई जिस पारस हॉस्पिटल में कुख्यात चंदन मिश्रा की हत्या हुई थी, वह जगह पुलिस मुख्यालय से लगभग उतना ही करीब है, जितना पटना हवाई अड्डा से। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस भी पहुंची और फिर जांच-पड़ताल, पूछताछ और एफएसएल टीम के द्वारा जांच किया। इसके बाद विपक्ष ने फिर से पटना पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाया। विपक्ष के नेताओं ने कहा कि छह अपराधी आए और हत्या कर आराम से फरार हो गए लेकिन पुलिस उन्हें देख तक नहीं पाई। इसके बाद पटना के वरीय अधिकारियों ने मामले की जांच का आदेश दिया। इसमें पांच पुलिसकर्मी लापरवाह पाये गये।

कंधे से लेकर पैर तक लगी थी 32 गोलियां

घटनास्थल तक पुलिस के अलावा कोई और नहीं पहुंच पाया, इसलिए गोलियों की संख्या स्पष्ट नहीं हो पा रही थी। शुरुआती समय में यह कहा जा रहा था कि अपराधियों ने उन्हें चार गोलियां मारी हैं, लेकिन सच्चाई कुछ और हैं। चंदन मिश्रा को 4 नहीं 36 गोलियां मारी थी। मृतक के एक बहुत ही नजदीकी व्यक्ति ने यह बताया कि अपराधियों ने कुख्यात चंदन मिश्रा पर कुल 36 गोलियां बरसाईं। कंधा से लेकर पैर तक कुल 36 गोलियां लगी थीं। अपराधियों ने फिल्मी स्टाइल में कंधे से लेकर पैर तक कोई ऐसी जगह नहीं छोड़ी थी, जहां गोलियां नहीं मारी।

किस सीसीटीवी का जिक्र कर रहा है विपक्ष

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने सीसीटीवी फुटेज का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि घटना के कुछ घंटों के अंदर पारस अस्पताल में चंदन मिश्रा हत्या कांड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आ गया था, जिसमें यह दिख रहा है कि पांच अपराधी बड़े आराम से पारस अस्पताल के अंदर कमरे में प्रवेश करते हैं और फिर फायरिंग कर बाहर निकल गये। साथ ही उनके जाने का भी सीसीटीवी फुटेज सामने आया, जिसमें दो बाइक पर तीन-तीन अपराधी हथियार लहराते हुए दिख रहे हैं। घटना करने के बाद ये छह अपराधी पारस अस्पताल से सटी गली से निकलते हुए बड़े आराम से अपने गंतव्य की ओर निकल गए। अपराधी जिस रास्ते से फरार हुए, वह रास्ता भी सीसीटीवी में कैद हो चुका। लेकिन एक भी अपराधी को पुलिस पकड़ नहीं पाई? यह बड़ा सवाल है।

दिल्ली में मारा गया एक और पति

पत्नी ने देवर संग मिलकर दिये बिजली के झटके

- 'मोबाइल से खुला राज

आजाद सिपाही संवाददाता

नयी दिल्ली। दिल्ली के द्वारका जिला के उत्तम नगर इलाके से एक सनसनीखेज वारदात सामने आई है। इसमें पत्नी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर पति को मौत के घाट उतार दिया। मृतक की शिनाख्त करण देव के रूप में हुई है। अपने प्रेमी के साथ रहने के लिए आरोपी महिला ने पति को बिजली का झटका देकर उसे मार डाला। महिला ने मृतक के परिजनों को महज करंट लगने की जानकारी दी थी। परिवार वालों ने भी इसे हादसा माना।

चैट से हुआ हत्या का खुलासा : घटना के कुछ दिन बाद भाभी और उसके चचेरे भाई के बीच हुए चैट को देखकर मृतक के छोटे भाई को साजिश का पता चला। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामले की छानबीन करने के बाद हत्या का मामला दर्ज कर मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है।

दोनों का छह साल का बेटा : द्वारका जिला पुलिस उपायुक्त अंकित सिंह ने बताया कि आरोपियों की पहचान ओम विहार निवासी सुष्मिता देव और राहुल देव के रूप में हुई है। जानकारी के मुताबिक करण अपनी पत्नी सुष्मिता देव और 6 साल के बेटे के साथ ओम विहार फेस-1 स्थित में रहते थे। वह निजी कंपनी में काम करते थे। उसके घर के पास ही करण के पिता कृष्ण देव, मां नीरू देव और छोटा भाई कुणाल अपने पुराने वाले घर में रहते हैं।

शाहरुख खान को किंग के सेट पर चोट लगी

मुंबई। बॉलीवुड एक्टर शाहरुख खान अपनी फिल्म किंग की शूटिंग के दौरान चोटिल हो गये। उन्हें चोट तब लगी, जब वह मुंबई के गोल्डन टोबैको स्टूडियो में एक एक्शन सीन शूट कर रहे थे। बॉलीवुड हंगामा ने सूत्र के हवाले से बताया कि शाहरुख को चोट कब लगी और कहां लगी, इसकी जानकारी अभी तक सामने नहीं आयी है।

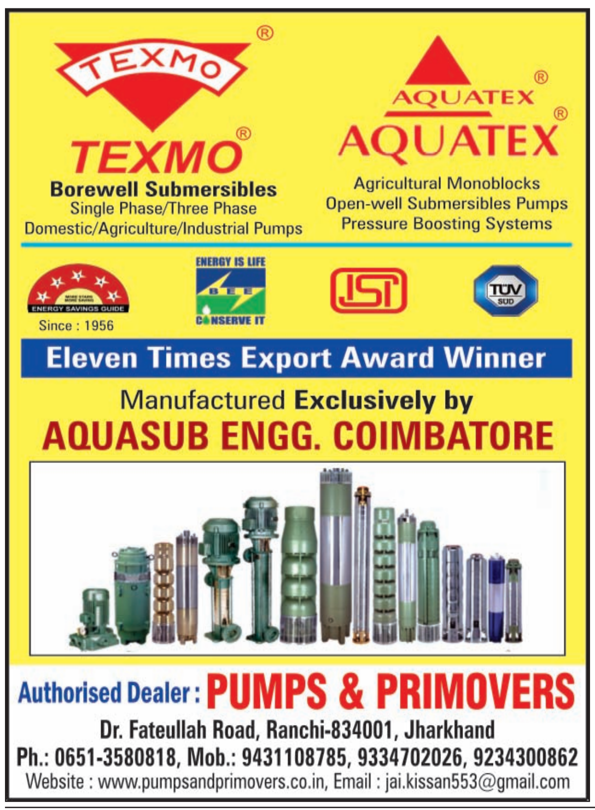

आजाद सिपाही की ओर से स्वत्वाधिकारी लैंडस्केप मीडिया प्रा. लि., प्रकाशक एवं मुद्रक हरिनारायण सिंह के लिए 176 कोकर चौक, ओल्ड एचबी रोड, रांची 834001 (झारखंड) से प्रकाशित तथा डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लिमिटेड), प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची से मुद्रित।
संपादक : हरिनारायण सिंह, **स्थानीय संपादक*** : विनोद कुमार, ***पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के लिए जिम्मेदार, **राज्य समन्वय संपादक :** अजय शर्मा। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 9264434560, **R.N.I. No.-JHAHIN/2015/65109,** Postal Registration No. **RN/249/2019-21**